

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

'अमिताभ बच्चन को बुलेटप्रूफ भी नहीं बचा पाएगा'

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर से जान से मारने की धमकी मिली है। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने सीधे तौर पर ये धमकी दी है। इस बार बकायदा बयान देते हुए उसने कहा है कि इस बार बिग बी को बुलेटप्रूफ शीशा भी नहीं बचा पाएगा। लॉरेंस बिश्नोई के करीबी सहयोगी, गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक को जान से मारने की धमकी दी है। यह धमकी 1984 के दंगों को लेकर अमिताभ बच्चन की कथित और निराधार टिप्पणी के बाद दी गई है। गोल्डी ढिल्लों ने सोमवार को फेसबुक पर पोस्ट किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा मुंबई में उसके दो साथियों की हालिया गिरफ्तारी से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और कोई भी बुलेटप्रूफ शीशा उसे बचा नहीं पाएगा।

वर्ष-31 अंक : 226 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.8 2083 मंगलवार, 17 नवंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर

जम्मू, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के लारू में सेना और पुलिस ने सोमवार को एनकाउंटर किया। सूत्रों के मुताबिक, मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट था।

सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में आतंकियों के हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए थे। इसके बाद से सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में बड़ा अभियान चला रहे हैं। आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

ईसी से मांगे 48 सवालों के जवाब

हलफनामा देने की भी मांग



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच विवाद तेज होता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है।

इसमें चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से हलफनामे के जरिए जवाब देने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लिए गए, मतदाताओं के नाम हटाए गए और चुनाव आयोग के ऑनलाइन पोर्टल में बिना उचित मंजूरी के बदलाव किए गए। विपक्षी नेताओं ने इन सभी मामलों पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जानकारी मांगी है। कांग्रेस ने पूछा है कि कितने फैसलों पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से असहमत थे? इसके अलावा, देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का फैसला किसने लिया था? राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्तूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि SIR से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर, तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक आरटीआई जवाब का भी हवाला दिया है। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई फैसला नहीं लिया गया था। अर्जी में मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से भी जवाब मांगा गया है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने मांग की है कि फरवरी 2025 से अक्तूबर 2026 के बीच इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर, ईसीनेट, फॉर्म-6 या अदालत में दाखिल अपीलों को लेकर कब-कब लिखित आपत्ति, असहमति या विरोध दर्ज कराया।

रिजर्व सीटों के रोटेशन पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

'कोई खास सीट आरक्षित रहे, ऐसा किसी को अधिकार नहीं'



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। किसी मतदाता या उम्मीदवार को यह अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में आरक्षित सीटों के रोटेशन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने रुपाली इंद्रभूषण सोंडे बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य मामले में यह फैसला सुनाया। याचिका में महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति (सीटों के आरक्षण का तरीका और रोटेशन) नियम, 2025 के नियम 12 को चुनौती दी गई थी। इस नियम के तहत आरक्षित सीटों के रोटेशन के लिए शुरुआती आधार को नए सिरे से तय किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि रोटेशन की समयसीमा और शुरुआती बिंदु को बार-बार बदलने से आरक्षण का रोटेशन केवल नाम का रह जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे कम एससी-एसटी आबादी वाले कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के कभी आरक्षित नहीं होने की स्थिति बन सकती है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि कानून के तहत एससी-एसटी आबादी के अनुपात में आरक्षित सीटों का रोटेशन किया जाना है, लेकिन इसे किस तरीके और समयसीमा में लागू करना है, यह सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। पीठ ने कहा, "किसी मतदाता या उम्मीदवार का यह निहित अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित रहे।" अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि 2025 के संशोधन के बाद होने वाले अगले आम चुनाव को आरक्षित सीटों के रोटेशन का शुरुआती बिंदु माना जाएगा।

चारधाम यात्रा का रिकॉर्ड, 65.37 लाख श्रद्धालु पहुंचे

> बद्रीनाथ में 23.21 लाख ने दर्शन किए

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इस साल उत्तराखंड की चारधाम यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 19 अप्रैल से 14 अक्टूबर तक गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब में कुल 65 लाख 37 हजार 253 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के अनुसार, बद्रीनाथ धाम में सबसे ज्यादा 23 लाख 21 हजार 401 श्रद्धालु पहुंचे। शनिवार को भी यहां 17 हजार 532 लोगों ने दर्शन किए। 2बद्रीनाथ के कपाट 16 नवंबर को बंद होंगे। इसके साथ ही ग्रीष्मकालीन चारधाम यात्रा संपन्न हो जाएगी। वहीं, केदारनाथ धाम में 22 अप्रैल से 11 नवंबर के बीच 19 लाख 33 हजार 138 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए।

वर्ष 2023 के बाद यह केदारनाथ में दर्शन करने वालों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। सोमवार सुबह 3:07 बजे (आईएसटी) अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र 179 किमी की गहराई पर था। अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

आंखें बंद करूं तो सामने दिखते हैं दादा : गृह मंत्री

अजित पवार को याद कर भावुक हुए शाह, बोले-उनका जाना अपूरणीय क्षति



पुणे, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि दादा के अचानक चले जाने से जो खालीपन पैदा हुआ है, उसे कभी भरा नहीं जा सकता। दशकों तक सामूहिक प्रयास करने के बावजूद उनकी जगह किसी दूसरे व्यक्ति का ले पाना असंभव लगता है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से भी अजित पवार का निधन उनके लिए अपूरणीय क्षति है। दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। उन्होंने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था। उन्होंने कहा कि अजित पवार दूरदृष्टि और विजन रखने वाले नेता थे। उनका विकास को लेकर नजरिया और विभिन्न क्षेत्रों में काम करने का अनुभव उन्हें एक विशिष्ट जननेता बनाता था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा आज हमारे बीच नहीं हैं।

टीवीके सरकार के काम के तरीके को स्टालिन ने बताया खराब शासन

* जल्द सत्ता में वापसी करेगी डीएमके

चेन्नई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने सोमवार को मौजूदा टीवीके शासन पर असंतोष जताते हुए इसे 'खराब शासन' करार दिया। इसके साथ ही कहा कि इस तरह का शासन 'शर्म और पीड़ा' का कारण है।

उन्होंने भरोसा जताया कि डीएमके जल्द ही तमिलनाडु में सत्ता में वापसी करेगी और पार्टी सदस्यों को मौजूदा राजनीतिक हालात को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। पूर्व मंत्री और डीएमके नेता के.एन. नेहरू के परिवार में एक शादी समारोह के दौरान बोलते हुए, स्टालिन ने तमिलनाडु के राजनीतिक माहौल पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनके समर्थक उन्हें "मुख्यमंत्री" और नेहरू को 'मंत्री' कहकर बुलाते हैं, जबकि अभी उनके पास सरकार में कोई आधिकारिक पद नहीं है। हालांकि उन्होंने समर्थकों के इस समर्थन की सराहना की, लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात में इस तरह के पदों से संबोधित किए जाने पर उन्हें शर्मिंदगी महसूस हुई। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'मौजूदा टीवीके शासन (मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व में) खराब शासन दे रहा है। ऐसे में मुझे 'मुख्यमंत्री' कहकर बुलाना शर्म और पीड़ा की बात है। मेरी आपसे विनती है कि मुझे मुख्यमंत्री कहकर न बुलाएं। डीएमके जल्द ही सरकार बनाएगी।' करुणानिधि के निधन के बाद डीएमके के सामने आई चुनौतियों को याद करते हुए स्टालिन ने कहा कि जब कुछ लोगों को संदेह था कि क्या पार्टी टिक पाएगी, तब उन्होंने नेहरू जैसे समर्पित नेताओं की मदद से संगठन को सफलतापूर्वक संभाला और सुरक्षित रखा।

उन्होंने नेहरू के संगठनात्मक कौशल की तारीफ की, खासकर पार्टी के बड़े सम्मेलनों की योजना बनाने और उन्हें आयोजित करने में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीएमके के इतिहास में, पार्टी सम्मेलनों का मतलब ही नेहरू है।

नशे के मामलों में सुनवाई की रफ्तार धीमी?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र-राज्यों से पूछा, कब तक बनेंगी विशेष अदालतें?



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों से कहा है कि वे एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर अपराधों के मामलों की सुनवाई के लिए 449 विशेष अदालतें स्थापित करने की दिशा में हुई प्रगति पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश हुईं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की इस बात पर ध्यान दिया कि विशेष अदालतें स्थापित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में दिए गए आदेशों के पालन में अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। जस्टिस बागची ने कहा, 'यह मामला तीन जजों की बेंच के सुनने लायक है।' उन्होंने बताया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत सुनवाई के लिए उपलब्ध नहीं हैं। बेंच ने कहा कि वह 'सुओ मोटो' (स्वतः संज्ञान लेने वाले) मामले को कुछ हफ्तों के लिए टाल रही है। यह मामला नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) एक्ट और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मुकदमों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बनाने से जुड़ा है। बेंच ने कहा कि इस पर दिसंबर में सर्दियों की छुट्टियों से पहले सुनवाई की जा सकती है। अदालत ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे एनआईए और एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबित मामलों के जल्द निपटारे के लिए विशेष अदालतें बनाने की दिशा में हुई प्रगति पर नई स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें। इससे पहले, बेंच ने पूरे देश में नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों में चिंताजनक वृद्धि और एनडीपीएस एक्ट के तहत लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई थी। 7 सितंबर को, अदालत ने केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को निर्देश दिया था कि वे विशेष अदालतें बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाएं और कोशिश करें कि ये अदालतें छह सप्ताह के भीतर स्थापित हो जाएं।

रेल मंत्रालय को स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेल मंत्रालय को देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को साफ पानी, स्वच्छ शौचालय, सफाई, कचरा प्रबंधन, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने रेल मंत्रालय को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए सुझावों को भी लागू करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करते हुए देशभर के रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी याचिका का निपटारा किया। कोर्ट में यह याचिका कैग की रिपोर्ट के आधार पर दाखिल की गई थी, जिसमें यात्रियों को साफ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, सफाई, कचरा प्रबंधन, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई।

गिरफ्त में आया ड्रग नेटवर्क का मास्टरमाइंड नूरुल इस्लाम

म्यांमार से लाकर कई राज्यों में करता था सप्लाई

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को ड्रग नेटवर्क के मास्टरमाइंड 'नूरुल इस्लाम' को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। उसकी गिरफ्तारी असम के सिलचर से हुई है। आरोप है कि नूरुल इस्लाम', म्यांमार से ड्रग्स की सप्लाई कई राज्यों तक पहुंचा रहा था। बॉर्डर पार से ड्रग्स लाने के बाद उसे विभिन्न प्रदेशों में सप्लाई करने के लिए उसने एक बड़ा नेटवर्क खड़ा किया था। एनआईए के मुताबिक, यह गिरफ्तारी मई 2025 में मिजोरम के चम्फाई जिले में लगभग 30.72 करोड़ रुपये मूल्य की 236.33 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (नशीली गोलियां) की बरामदगी के मामले में की गई है। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से मोबाइल फोन और मेमोरी कार्ड सहित कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा

आंध्र, तमिलनाडु, ओडिशा में बारिश का अलर्ट; यूपी के 21 जिलों में कोहरा, राजस्थान में ठंड बढ़ी

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन सोमवार शाम तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसे 'अकवान' नाम दिया जाएगा। चक्रवात के आंध्र प्रदेश के तट की ओर बढ़ने का खतरा है। मौसम विभाग ने 16 से 21 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, और ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों की आशंका को देखते हुए मछुआरों को 20 नवंबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। इधर, राजस्थान में दो दिन हुई बारिश के बाद सोमवार को सर्दी बढ़ गई। यूपी के 21 जिलों में कोहरा छाया हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ-बद्रीनाथ समेत चारों धाम में रविवार को बर्फबारी हुई।

एयरफोर्स चीफ बोले-सेना को अंदरूनी लोगों से ज्यादा खतरा

हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी-जासूसी इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं।

हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं। सरकारी क्षेत्र, लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है। दीक्षित ने कहा कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर चुनने के बारे में सलाह देने के लिए एक एजेंसी भी काम कर रही है। कंपनियों को दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। इससे ज्यादातर मामलों में साइबर सुरक्षा के खतरों से बचा जा सकता है।

135 साल पुरानी लाइब्रेरी पर केंद्र को फटकार

'थोड़ा सा तो सम्मान दिखाइए, दूसरे देश को दे दीजिए'

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सेंट्रल विस्टा प्लान के तहत शास्त्री भवन स्थित 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की किताबों को नजरअंदाज करने के आरोपों पर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लिया है और मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। वैसे केंद्र ने अदालत को भरोसा दिलाया है कि अगली सुनवाई तक किताबों को वहां से नहीं हटाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान 135 साल पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी में रखी करीब 2 लाख किताबों की खराब हालत को लेकर गहरी चिंता जताई है। इस मामले में शुक्रवार को अगली सुनवाई होनी है और केंद्र सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया है कि तब तक इन किताबों को शिफ्ट नहीं किया जाएगा। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की, जिसमें लगभग 8.5 लाख किताबें हैं और इन्हें नए सेंट्रल विस्टा प्लान के तहत अलग जगह ले जाने की तैयारी है। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र को यह कहकर फटकारा कि 'किताबों के प्रति थोड़ा सम्मान' दिखाएं।

आपको सिर्फ ये काम पूरा करने की जल्दी है। इन किताबों के साथ आप क्या करेंगे? लगता है कि कोई काम चलाऊ तरीका है। आपको इसकी चिंता नहीं है यह कुछ विरासत है। एक तरह से 1702 से लेकर हमारे लिए एक विरासत है। अगर आपको यह नहीं चाहिए, तो किसी दूसरे देश को दे दीजिए, जो इनके मूल्य को समझेंगे इन किताबों के प्रति थोड़ा सम्मान दिखाइए, दो लाख किताबें यूं ही छोड़ दी गई हैं।

तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला

92 हजार से अधिक किसानों-शिक्षकों पर दर्ज 600 केस वापस

चेन्नई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले 92 हजार से अधिक किसानों और शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने इनके खिलाफ दर्ज 600 मामलों को वापस लेने के औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं।

गृह, निषेध और आबकारी विभाग की ओर से सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकार का यह फैसला तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से विधानसभा में की गई घोषणा के बाद आया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दो सितंबर 2026 को विधानसभा में नियम 110 के तहत घोषणा की थी। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया था कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है, इंडिया ब्लॉक मजबूत विकल्प पेश करेगा : खड़गे



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' मौजूद रहे। इस बैठक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, 'उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गहन चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देंगे। प्रदेश की जनता परिवर्तन की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है।' उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत करेगी।' बैठक में हिस्सा लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि बैठक सफलतापूर्वक खत्म हो गई है।

एसएससी पब्लिक परीक्षा 2027 के लिए फीस जमा करने की समय-सीमा में बदलाव किया है

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने सोमवार को एसएससी पब्लिक परीक्षाओं 2027 के लिए फीस जमा करने की अंतिम तारीखों में बदलाव किया है। बिना लेट फीस के परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख 26 नवंबर है। छात्र अपने संबंधित स्कूलों में लेट फीस के साथ आवेदन कर सकते हैं; 50 रुपये की लेट फीस के साथ 8 दिसंबर तक और 200 रुपये की लेट फीस के साथ 21 दिसंबर तक आवेदन किया जा सकता है।

4 जनवरी 2027 तक 500 रुपये की लेट फीस के साथ भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। यह शेड्यूल उन सभी नियमित छात्रों और उन छात्रों पर लागू होता है जो पहले एक बार फेल हो चुके हैं और मार्च 2027 में होने वाली एसएससी, ओएसएससी और वोकेशनल (व्यावसायिक) पब्लिक परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं। तीन से अधिक विषयों या सभी विषयों के लिए फीस 125 रुपये है।

इसी तरह, तीन विषयों तक के लिए फीस 110 रुपये है। एसएससी एकेडमिक कोर्सेज के लिए 125 रुपये की नियमित परीक्षा फीस के अलावा, वोकेशनल छात्रों को 60 रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

राहुल गांधी के खून या जीन में भारतीयता नहीं

बीजेपी नेता रत्ना सिंह ने भारत समिट में इटैलियन नेता की नारेबाजी पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के हैदराबाद में हुए भारत समिट के मंच से इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक के नारेबाजी पर संग्राम थमा नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद बीजेपी के नेताओं ने कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं। तेलंगाना बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने इसे भारतीय राजनीति में दखल बताते हुए फिलिबेक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री संजय बंडी ने कहा कि इटैलियन नेता के बयान पर राहुल गांधी हंस रहे थे। यह यह हमारे देश के प्रति उनकी नफरत को दर्शाता है।

असम बीजेपी की उपाध्यक्ष रत्ना सिंह ने राहुल गांधी पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि उनके खून या जींस में भारतीयता नाम की कोई चीज नहीं है। जिसमें लगभग 70 देशों के नेताओं, डिप्लोमेट और थिंक टैंक को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में करीब एक हजार लोग मौजूद थे। आधिकारिक तौर पर यह बताया गया कि भारत समिट में डेमोक्रेसी, सोशल जस्टिस, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

14 नवंबर को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की भाषण के साथ इसका समापन हुआ। उनके भाषण से पहले पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो



फिलिबेक ने मंच पर पहुंचे और भाषण देते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा बोला। उन्होंने कांग्रेस के इस नारे का अंग्रेजी में भी अनुवाद किया।

राहुल गांधी की हंसी पर फूटा बीजेपी नेता का गुस्सा

जियाकोमो फिलिबेक इटली के नेता हैं। उनके इस भाषण पर राहुल गांधी भी हंस पड़े। बाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के कई नेताओं ने फिलिबेक के नारेबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। तेलंगाना बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने कहा कि यह भारत समिट नहीं, बल्कि भारत-विरोधी समिट है। हमारी आशंकाएं सच साबित हुईं, एक इटैलियन राजनेता भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहा है। किसी भी देश की यात्रा करने वाले विदेशी नागरिक को उस देश के कानूनों और नियमों का सम्मान करना चाहिए और उनका पालन करना चाहिए। जब यह इतालवी राजनेता हमारे प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर रहा था, तब राहुल गांधी ताली बजाते रहे। उन्होंने कहा कि बीजेपी एफआरआरओ के चीफ से मिलकर कार्रवाई की मांग करेगी।

संजय बंडी बोले, देश के प्रति राहुल का नफरत है हंसी

बीजेपी नेता संजय बंडी ने भी राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास भारतीय धरती पर हो रहे किसी कार्यक्रम को विदेशी राजनीतिक दखलंदाजी का मंच बनाने का कोई जनादेश नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी एक इटली की नागरिक को भारत का प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश की थी। अब अपने भारत-विरोधी समिट में एक विदेशी नेता को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी का मंच दे रही है। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद राहुल गांधी जियाकोमो फिलिबेक के बयान पर बेशर्मी से हंस रहे थे। यह हमारे देश के प्रति उनकी नफरत को दर्शाता है।

असम बीजेपी की उपाध्यक्ष हैं रत्ना सिंह

गुवाहाटी में बीजेपी असम प्रदेश उपाध्यक्ष रत्ना सिंह ने भी कांग्रेस नेता पर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत के बारे में बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन हैदराबाद में वे एक विदेशी नागरिक को लाए, ताकि भारतीयों को बदनाम किया जा सके। इससे पता चलता है कि उनके खून या जींस में भारतीयता नाम की कोई चीज नहीं है। उनकी राजनीति सतही है और इसका मकसद विदेशी ताकतों के साथ मिलकर साजिशें रचकर भारत को कमजोर करना है। भारत की जनता राहुल गांधी और कांग्रेस को अच्छी तरह समझ चुकी है।

कांग्रेस और उसकी विदेशी नीतियों की वजह से ही देश पिछड़ गया है।

क्या सरकार ने राजनीतिक माहौल को मुश्किल में डाल दिया है?... बीआरएस नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल?

महबूबाबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव ने महबूबाबाद जिले के थोरूर में बीआरएस नेताओं की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे एक गलत कदम बताया और इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शासन चलाने के बजाय बीआरएस नेताओं के खिलाफ राजनीतिक गतिविधियों में उलझना शर्मनाक नहीं है? थोरूर कस्बे में केसीआर के कार्यकाल में 280 डबल बेडरूम वाले अपार्टमेंट बनाए गए थे। एर्राबेल्ली दयाकर राव ने आरोप लगाया कि इनका कोई आवंटन नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कमीशन देने वालों को फायदा पहुंचाकर असली हकदारों (लाभार्थियों) को धोखा दे रही है। उन्होंने इस पर तीखी आलोचना की। पात्र लाभार्थियों की सूची पार्षदों को सौंपे बिना ही, 3 घंटे के भीतर सार्वजनिक कर दी गई। बीआरएस नेताओं को अवैध रूप से गिरफ्तार कर पुलिस थाने में हिरासत में रखा गया है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या यही 'अंधेर नगरी' (मनमाना शासन) है? अवैध गिरफ्तारियों, मुकदमों और हिरासत के खिलाफ आवाजें उठने लगी हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि बीआरएस पार्टी कांग्रेस सरकार से डरने वाली नहीं है; सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

सोशल मीडिया पर बोथस अनूशा के खिलाफ दुष्प्रचार; पुलिस में शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वाईसीपी नेता बोथस सत्यनारायण की बेटी बोथस अनूशा ने पुलिस से संपर्क किया है। अनूशा का कहना है कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने साइबरबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कुछ लोग उनकी व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए अश्लील या आपत्तिजनक वीडियो और ऑडियो का इस्तेमाल कर रहे हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

अनूशा ने अपनी शिकायत में बताया है कि उनकी आवाज़ की नकल करके वीडियो और ऑडियो बनाए जा रहे हैं और उन्हें वायरल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि



उनके वीडियो को मॉर्फ (छेड़छाड़) और क्रॉप करके गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने पुलिस का ध्यान इस ओर दिलाया है कि यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है।

अनूशा ने बताया कि जब से उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में बोंडापल्ली जेडपीटीसी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा है, तब से उन्हें सोशल मीडिया के जरिए परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने शिकायत में कहा है कि तब से ही उनके बारे में झूठा प्रचार किया जा रहा है और आपत्तिजनक पोस्ट डाले जा रहे हैं। अनूशा ने पुलिस से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैल रहे इन आपत्तिजनक पोस्ट, वीडियो और ऑडियो के लिंक की पहचान की जाए और उन्हें तुरंत हटाया जाए।

उन्होंने यह भी मांग की है कि इस अभियान में शामिल लोगों के आईपी एड्रेस और डिजिटल क्रेडेंशियल्स को सुरक्षित रखा जाए। साइबरबाद साइबर क्राइम पुलिस ने बोथस अनूशा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

अक्टूबर में 7% से अधिक खुदरा महंगाई वाले छह राज्यों में तेलंगाना शामिल

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर 2026 में तेलंगाना में खुदरा कीमतों में भारी उछाल आया और महंगाई दर 7.26 प्रतिशत तक पहुंच गई। सितंबर में महंगाई दर 6.64 प्रतिशत थी। तेलंगाना के अलावा, भारत के पांच अन्य राज्यों में भी इस महीने खुदरा महंगाई दर 7 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह लगातार 10वां महीना है जब तेलंगाना में महंगाई दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही है। राष्ट्रीय स्तर पर, खुदरा महंगाई दर सितंबर के 5.54 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 6.09 प्रतिशत हो गई। 2026 में पहली बार तेलंगाना में महंगाई दर 7% के पार 2026 में यह पहली बार है जब राज्य में महंगाई दर 7 प्रतिशत के स्तर को पार कर गई है। जनवरी में, राज्य में महंगाई दर 4.92 प्रतिशत दर्ज की गई थी। फरवरी में यह बढ़कर 5.02 प्रतिशत और मार्च में 5.83 प्रतिशत हो गई। अप्रैल में थोड़ी गिरावट के साथ यह 5.81 प्रतिशत पर आई, लेकिन फिर मई में बढ़कर 6.15 प्रतिशत और जून में 6.36 प्रतिशत हो गई।

जुलाई और अगस्त में महंगाई दर क्रमशः 6.32 प्रतिशत और 6.27 प्रतिशत रही, जिसके बाद सितंबर में यह बढ़कर 6.64 प्रतिशत हो गई। छह राज्यों में तमिलनाडु में सबसे अधिक महंगाई दर दर्ज की गई 7 प्रतिशत से अधिक महंगाई दर दर्ज करने वाले छह राज्यों में तमिलनाडु सबसे ऊपर रहा, जहां अक्टूबर में महंगाई दर 7.29 प्रतिशत दर्ज की गई। इस महीने के दौरान, आंध्र प्रदेश में 7.25 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 7.19 प्रतिशत महंगाई दर रही। ओडिशा में 7.17 प्रतिशत और कर्नाटक में 7.07 प्रतिशत महंगाई दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण तेलंगाना में कीमतों में वृद्धि अधिक रही।

अक्टूबर में ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 8.05 प्रतिशत थी, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 6.68 प्रतिशत रही। यह 6.63 प्रतिशत की राष्ट्रीय ग्रामीण मुद्रास्फीति दर से काफी अधिक था। रिपोर्ट में सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस) के विजय कुमार वेन्ना के हवाले से कहा गया है कि हाल के महीनों में कृषि उत्पादन में कमी, मुद्रास्फीति में वृद्धि के कारणों में से एक हो सकती है।

पुलिस विभाग में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक अच्छा परिणाम है: डीजीपी आनंद



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी सीवी आनंद ने कहा कि पुलिस और मार्शल बैंड की परंपरा का सदियों पुराना इतिहास है। आज (सोमवार) सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में 27वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। डीजीपी ने कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस बैंड एक ऐसी शक्ति है, जो अनुशासन, एकता और आत्म-सम्मान का प्रतीक है। इस साल की प्रतियोगिता में पहली बार महिला बिगुलर भी हिस्सा ले रही हैं, जो कि सराहनीय है। सीआरपीएफ और हिमाचल प्रदेश की महिला बिगुलरों की भागीदारी इस आयोजन का विशेष आकर्षण बनी हुई है। डीजीपी सीवी आनंद ने बताया कि पुलिस विभागों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है, जो एक सकारात्मक परिणाम है।

तेलंगाना ने विभिन्न राज्यों से आए बैंड समूहों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने बैंड समूहों से कहा कि वे हैदराबाद में गोलकोंडा किला और सालारजंग संग्रहालय जरूर देखें, और यहाँ की मशहूर हैदराबादी बिरयानी और हलीम का आनंद लें। उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में सीआरपीएफ और तेलंगाना पुलिस ने मिलकर नक्सलियों के खिलाफ काम किया था। डीजीपी सीवी आनंद ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए विभिन्न पुलिस बलों के बीच आपसी समन्वय होना बहुत महत्वपूर्ण है।

एआई के दुरुपयोग पर लगाम लगाएं, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से चिरंजीवी की अपील



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेगास्टार चिरंजीवी ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें एआई, डीपफेक और डिजिटल फर्जी पहचान के खतरों को देखते हुए कड़े सुरक्षा उपाय करने की मांग की गई है। इस बारे में मेगास्टार ने 'एक्स'' (ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सलाह पर ही उन्होंने किशन रेड्डी को यह ज्ञापन सौंपा है।

इस दौरान की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की गईं। चिरंजीवी कल अपने बेटे राम चरण के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने हैदराबाद आए थे। इस मुलाकात के दौरान, चिरंजीवी ने अमित शाह के साथ डीपफेक से जुड़े खतरों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लिए एक ज्ञापन तैयार किया गया था, जिसे उन्होंने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को सौंपा। किशन रेड्डी ने आश्वासन दिया कि वे संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर इन मुद्दों पर आगे काम करेंगे।

चिरंजीवी ने किशन रेड्डी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कलाकारों की गरिमा, पहचान और रचनात्मक अधिकारों की रक्षा करना, साथ ही हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। चिरंजीवी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि तकनीक का इस्तेमाल रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि लोगों की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए।

टोलीचौकी के 'मंडी किंग' में लगी आग बगल के 'होटल जुनेरा' तक फैली

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आधी रात के आसपास टोलीचौकी स्थित 'मंडी किंग' रेस्तरां में भीषण आग लग गई। यह आग बगल के 'होटल जुनेरा' तक फैल गई, जिससे वहां की कई मंजिलें घने धुएं से भर गईं। मिली जानकारी के अनुसार, आग रात 11 बजे से आधी रात के बीच 'मंडी किंग' की दूसरी मंजिल पर स्थित किचन की चिमनी से शुरू हुई और फिर 'होटल जुनेरा' की चौथी और पांचवीं मंजिल तक फैल गई। आग की लपटें छठी मंजिल तक भी देखी गईं। आग लगने के समय वहां कई ग्राहक मौजूद थे।

होटल के कर्मचारियों ने इमरजेंसी एग्जिट (आपातकालीन निकास) के जरिए सभी ग्राहकों को सुरक्षित बाहर निकाला और गैस सिलेंडरों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया इस बीच, 'होटल जुनेरा' के मालिक शरीरी ने दावा किया है कि आग 'मंडी किंग' से शुरू होकर उनके होटल तक पहुंची है। उन्होंने इस घटना के लिए किसी भी तरह की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया है। नुकसान कितना हुआ है और आग लगने का असल कारण क्या था, इसका अभी पता नहीं चल पाया है।

जलवायु परिवर्तन के कारण जीव-जंतुओं और पक्षियों के अस्तित्व पर खतरा

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु राज्यों में पिछले कुछ दिनों से ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है। उत्तर-पूर्वी दिशा से आ रही ठंडी हवाओं (कोल्ड वेव) के कारण तेलंगाना के कई जिलों में पानी की कमी हो गई है। तापमान गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। जलवायु में हो रहे ये बदलाव न केवल इंसानों के लिए, बल्कि जीव-जंतुओं और पक्षियों के लिए भी गंभीर समस्याएं पैदा कर रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि 'अल नीनो' जैसी स्थितियों के प्रभाव के कारण पक्षियों के प्रजनन में भारी कमी आई है। अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणविदों और पक्षी विशेषज्ञों के हालिया अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं। बारिश की अनिश्चितताओं और भोजन की कमी के कारण पक्षियों की अंडे देने की क्षमता पर असर पड़ा है, और साथ ही उनके बच्चों को जीवित रखना भी मुश्किल हो गया है। नल्लामाला जैसे वन क्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्रोत और वहां के स्थानीय वन्यजीव खतरे में हैं। पक्षी भूख के कारण इंसानी बस्तियों की ओर आने लगे हैं।

जल-पक्षियों के आवास और उनके प्रजनन केंद्रों को नुकसान पहुंच रहा है। जलवायु परिवर्तन का असर न केवल स्थानीय पक्षियों पर, बल्कि प्रवासी पक्षियों और उनके प्रवास मार्गों पर भी पड़ रहा है, जो कि एक चिंताजनक स्थिति है। पर्यावरणविदों का सुझाव है कि सर्दियों के दौरान पक्षियों को बचाने के लिए हमें अपना योगदान देना चाहिए। इसके तहत, आप अपने घर की छत या बगीचे में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर सकते हैं।

इब्राहिमपटनम में स्कूल के पास सात साल का बच्चा लापता

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाला सात साल का बच्चा, विराट तिवारी, सोमवार, 16 नवंबर की सुबह इब्राहिमपटनम स्थित कृष्णवेणी टैलेंट स्कूल के पास से लापता हो गया। पुलिस के अनुसार, बच्चे को आखिरी बार स्कूल के आसपास देखा गया था। इब्राहिमपटनम पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी को बच्चा दिखे या उसके बारे में कोई जानकारी मिले, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। लोगों से कहा गया है कि अगर उन्हें बच्चा कहीं दिखे या उसके बारे में कोई सुराग मिले जिससे उसे खोजने में मदद मिल सके, तो वे तुरंत इब्राहिमपटनम पुलिस को बताएं।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने 'जनजातीय गौरव रैली' में आदिवासी विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा है कि केंद्र सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आदिवासी महिलाओं के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर, भाजपा एसटी मोर्चा के तत्वावधान में टैंक बंड पर 'जनजातीय गौरव दिवस' (गिरिजना गौरव दिनोत्सव) रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, सांसद लक्ष्मण और एटाला राजेंद्र शामिल हुए। इस मौके पर बोलते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने रांची में गिरफ्तार किया था।

उनके बलिदान की याद में पुरानी केंद्रीय जेल को अब एक स्मारक संग्रहालय में बदल दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों से ग्रामीण इलाकों में नक्सलवाद के कारण विकास रुका हुआ है, लेकिन मोदी सरकार नक्सलियों का सफाया करेगी और इन क्षेत्रों में विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। एन. रामचंद्र राव ने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक वीरतापूर्ण लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने तेलंगाना की पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इन सरकारों ने जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया है।

बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने हाई कोर्ट में वॉयस सैंपल देने के आदेश पर सवाल उठाए

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट में बीआरएस नेता और हुजुराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को झटका लगा है। करीमनगर पुलिस कमिश्नर को बदनाम करने के आरोप में वीनावांका पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। हाई कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है। इस मामले की जांच के तहत पुलिस ने उन्हें वॉयस सैंपल (आवाज का नमूना) देने के लिए नोटिस भेजा था, जिस पर उन्होंने सवाल उठाए थे। इसी को लेकर पाडी कौशिक रेड्डी हाई कोर्ट पहुंचे थे। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

इसका मतलब यह है कि अब कौशिक रेड्डी को पुलिस जांच के हिस्से के रूप में अपना वॉयस सैंपल देना होगा। करीमनगर पुलिस ने पाडी कौशिक रेड्डी को एक मामले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उन पर आरोप लगे थे। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने उनका वॉयस सैंपल लेने का फैसला किया और इसके लिए उन्हें नोटिस भेजा।

हालांकि, पाडी कौशिक रेड्डी ने हाई कोर्ट में पुलिस द्वारा भेजे गए नोटिस पर सवाल उठाए। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि उन्होंने कोई गलत आरोप नहीं लगाया है, बल्कि जानबूझकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई और



मामला बनाया गया। सोमवार को हाई कोर्ट में कौशिक रेड्डी की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान सरकारी वकील ने अपनी दलीलें पेश कीं और कोर्ट को बताया कि जांच के हिस्से के रूप में वॉयस सैंपल लेने के लिए पुलिस के पास क्या नियम हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, कोर्ट ने कौशिक रेड्डी की याचिका खारिज कर दी। इससे पुलिस के लिए वॉयस सैंपल लेने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना आसान हो गया है।यह विवाद करीमनगर जिले के वीनावांका में आयोजित 'मिनी मेदाराम सम्मक्का-सरलम्मा जतरा' के दौरान हुआ था।

पुलिस ने बताया था कि भीड़ को देखते हुए केवल सीमित संख्या में वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। पुलिस के अनुसार, कौशिक रेड्डी वहां एक बड़े काफिले के साथ पहुंच गए, जिससे विवाद खड़ा हो गया।

इस दौरान उन्होंने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और उस समय के करीमनगर पुलिस कमिश्नर के साथ उनकी बहस भी हुई। आयुक्त के खिलाफ धार्मिक टिप्पणी करने और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने विपक्षी विधायकों से कहा है कि वे अपना वेतन सार्वजनिक रूप से न लें। बीआरएस नेताओं पर सरकार के कामकाज में बाधा डालने का आरोप है। इस पृष्ठभूमि में, दर्ज किए गए मामले की जांच के दौरान अब 'वॉयस सैंपल' (आवाज़ के नमूने) का मुद्दा सामने आया है।

उच्च न्यायालय ने कौशिक रेड्डी के वॉयस सैंपल लेने से जुड़ी याचिका को खारिज कर दिया है, जिसके बाद अब पुलिस आगे की कार्रवाई कर सकती है। यह सैंपल इसलिए लिया गया था ताकि यह पुष्टि की जा सके कि विवादित टिप्पणियां उन्हीं की आवाज़ में की गई थीं या नहीं। जांच के हिस्से के रूप में इसकी जांच की जाएगी। इस घटनाक्रम ने बीआरएस के राजनीतिक हलकों में चर्चा छेड़ दी है।

तापमान गिरने से हैदराबाद में बढ़ी ठंड आईएमडी ने धुंध छाए रहने का अनुमान जताया



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना के कई अन्य हिस्सों में ठंड का असर बना रहा। कई जिलों में न्यूनतम तापमान गिरकर लगभग 11 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया। हालांकि, 18 नवंबर के बाद ठंड में कुछ कमी आने की उम्मीद है, क्योंकि चक्रवात 'अकवान' के कारण बारिश होने का अनुमान है। हैदराबाद के पाटनचेरु में सबसे कम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एचसीयू सेरिलिंगमपल्ली और बीएचईएल में तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर के अन्य इलाकों में भी काफी ठंड रही। राजेंद्रनगर में 14.1 डिग्री सेल्सियस और मौला अली में 14.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

सोमवार को तेलंगाना के कई जिलों में तापमान और भी कम दर्ज किया गया। संगारेड्डी जिले के कोहिर में राज्य का सबसे कम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रंगारेड्डी के मोइनाबाद में 12.6 डिग्री सेल्सियस और महबूबनगर के गंडीद में 13.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इस बीच, सटीक मौसम पूर्वानुमान के लिए जाने जाने वाले तेलंगाना के मौसम विशेषज्ञ टी. बालाजी ने बताया कि 18 नवंबर के बाद रात की ठंड की तीव्रता कम होने की संभावना है। आने वाले दिनों में चक्रवात 'अकवान' के कारण होने वाली बारिश से मौसम में बदलाव आ सकता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने 19 नवंबर तक सुबह के समय आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और धुंध व कोहरे जैसी स्थिति रहने का अनुमान जताया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

यदि आपको अपने ही अन्दर शान्ति नहीं मिल पाती तो भला इस विश्व में कहीं और कैसे पा सकते हैं

भारत समिट में भारत विरोधी टिप्पणी करने वाले विदेशी नेता और आयोजकों पर कार्रवाई की मांग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय में दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में कांग्रेस की ओर से आयोजित 'भारत समिट' के मंच पर भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों की कथित भड़काऊ टिप्पणियों को लेकर भाजपा ने कड़ा विरोध जताया है।



भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को शमशाबाद स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने विदेशी प्रतिनिधि जियाकोमो फिलिबेक की टिप्पणियों तथा भारतीय आव्रजन कानूनों और वीजा नियमों के कथित उल्लंघन की तत्काल और विस्तृत जांच कराने की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के प्रदेश महासचिव वीरेंद्र गौड़, प्रदेश मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष, वरिष्ठ नेता श्रीरामुलु यादव तथा पार्टी के विधि प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि शामिल थे। शिकायत के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का प्रचार कर रही है।

इसी क्रम में इटली की पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स (पीईएस) के नेता जियाकोमो फिलिबेक को भारत बुलाकर उनसे इस तरह की टिप्पणियां करवाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश में विदेशी नागरिकों को वीजा नियमों के तहत वहां की आंतरिक राजनीति और सरकार के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने की अनुमति नहीं होती। रामचंदर राव ने दावा किया कि अमेरिका और फिलीपींस जैसे देशों में सरकार के खिलाफ छोटी-सी पोस्ट करने पर भी विदेशियों को निर्वासित किया जा सकता है, जबकि दुबई और चीन में ऐसे मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की संप्रभुता और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल उठाने वाली विदेशी टिप्पणियों के दौरान मंच पर मौजूद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तालियां बजाईं और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हंसकर उनका समर्थन किया। उन्होंने राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी से इस मामले में देश की जनता और भारतीय लोकतंत्र से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पहले भी विदेशों में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते रहे हैं और अब विदेशी प्रतिनिधियों को भारत बुलाकर इस तरह की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि आव्रजन एवं विदेशी नागरिक अधिनियम, 2025 की धारा 23 और 29 के तहत भारत में कथित रूप से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल विदेशी नागरिकों को 3 साल तक की कैद और 3 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने मांग की कि जियाकोमो फिलिबेक अभी भारत में हैं तो उन्हें तत्काल निर्वासित किया जाए। यदि वह देश छोड़कर जा चुके हैं तो उन्हें वापस लाकर मामला दर्ज किया जाए और भविष्य में भारत आने से रोकने के लिए काली सूची में डाला जाए।

12वें वेतन आयोग को 6 महीने में सिफारिशें देने का आग्रह

अमरावती, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) अमरावती ने 12वें वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) से 6 महीने के भीतर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। समिति ने 11वें वेतन संशोधन के कारण आर्थिक नुकसान झेल रहे सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को न्याय दिलाने की मांग भी की। जेएसी अमरावती के अध्यक्ष बोप्पाराजू वेंकटेश्वरलु के नेतृत्व में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को आंध्र प्रदेश सचिवालय में आयोग के आयुक्त एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनभोगियों की समस्याओं पर ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि 12वें वेतन आयोग के गठन और सिफारिशों की प्रक्रिया में हो रही देरी से कर्मचारियों में असंतोष है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए आयोग को 6 महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। साथ ही पिछली वेतन संशोधन व्यवस्था से उत्पन्न आर्थिक कठिनाइयों को प्राथमिकता देकर निष्पक्ष सिफारिशें करनी चाहिए।

2014 से पहले आवास योजनाओं के लाभार्थियों को मिलेंगे मकानों के पट्टे : मंत्री पोंगुलेटी

पट्टे और कब्जा प्रमाणपत्र लौटाने के लिए जिला कलेक्टरों को निर्देश

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने 2014 से पहले संयुक्त आंध्र प्रदेश में विभिन्न सरकारी आवास योजनाओं के तहत मकान बनवाने वाले गरीब परिवारों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। सरकार ने लाभार्थियों के मकानों से संबंधित पट्टे और कब्जा प्रमाणपत्र वापस लौटाने के आदेश जारी किए हैं।



इससे करीब 7 लाख लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि सरकारी कार्यालयों में रखे लाभार्थियों के मकानों के पट्टे और कब्जा प्रमाणपत्र संबंधित लोगों को वापस सौंपने की कार्रवाई करें। मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक से अधिक समय से अनेक लाभार्थियों को उनके मकानों के पट्टे वापस नहीं मिले थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री और उन्हें कई शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए थे। इसे गंभीरता से लेते हुए सरकार ने इस समस्या के समाधान की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में धारा 22-ए से संबंधित समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के संज्ञान में आया कि बड़ी संख्या में लाभार्थियों के मकानों के पट्टे तहसीलदार कार्यालयों में रखे हुए हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल इन दस्तावेजों को गरीब परिवारों को वापस करने के निर्देश दिए।

इसके अनुसार सभी जिला कलेक्टरों को आदेश जारी किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि 2014 से पहले लागू आवास योजनाओं के तहत मकान निर्माण के लिए सरकार की ओर से सब्सिडी के साथ लाभार्थियों का अंशदान और बैंक ऋण भी उपलब्ध कराया जाता था। बैंक ऋण प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को अपने मकानों के पट्टे जमानत के रूप में जमा कराने पड़ते थे।

ऋण की सभी किस्तें चुकाने और पूरी राशि का भुगतान करने के बाद बैंक की ओर से ये दस्तावेज वापस किए जाते थे। हालांकि, तेलंगाना राज्य के गठन के बाद इंदिरम्मा आवास योजना बंद कर दिए जाने के कारण अनेक लाभार्थियों के मकानों के पट्टे वापस नहीं किए जा सके। विभिन्न कारणों से कई परिवारों को उनके मकानों से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि अब सरकार ने इस मामले पर विशेष ध्यान देते हुए लंबित पट्टों और प्रमाणपत्रों को लाभार्थियों को लौटाने के लिए जिला कलेक्टरों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

महिला कल्याण और गरीबों के उत्थान को सरकार की प्राथमिकता : मंत्री पोन्नम

महिला समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत कर करोड़पति बनाना लक्ष्य : मंत्री सीतक्का

एल्कतुरती मंडल में 715 लोगों को नए आसरा पेंशन मंजूरी पत्र वितरित

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनकल्याण सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र गरीब व्यक्ति तक सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।



राज्य के मंत्री सीतक्का और पोन्नम प्रभाकर ने यह बात कही। उन्होंने हनमकोंडा जिले के हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत एल्कतुरती मंडल में पात्र लाभार्थियों को नए स्वीकृत आसरा पेंशन के मंजूरी पत्र वितरित किए। इस अवसर पर जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में नए पेंशन लाभार्थी उपस्थित थे। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना में जनकल्याण सरकार के सत्ता में आने के 48 घंटे के भीतर ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना शुरू की गई। इसके साथ ही 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है। पात्र गरीब परिवारों के लिए आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि महिला समूहों को मजबूत बनाकर बहनों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और करोड़पति बनाना सरकार का लक्ष्य है। पिछले 10 वर्षों के कर्ज का बोझ होने के बावजूद सरकार पुरानी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखते हुए नई योजनाएं भी लागू कर रही है। मंत्री सीतक्का ने कहा कि जनकल्याण सरकार ने अकेली महिलाओं, विधवाओं, ताड़ी निकालने वाले श्रमिकों, हथकरघा श्रमिकों और थैलेसीमिया पीड़ितों को नई पेंशन मंजूर कर वितरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस चरण में करीब 4.5 लाख लोगों को नई पेंशन स्वीकृत की गई है। पात्र लोगों को पेंशन उपलब्ध कराने के लिए सरकार एक और अवसर देगी। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद आवेदन करने वाले 13 हजार अन्य लोगों के विवरण की भी जांच की जा रही है। सीतक्का ने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिला समूहों को पांच वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये के ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। दोनों मंत्रियों ने कहा कि प्रत्येक पात्र गरीब परिवार तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ ही महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और खेलों को प्राथमिकता देते हुए सरकार आगे बढ़ रही है।

मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए 21 तक जमा करें गणना प्रपत्र



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं आयुक्त ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची को लेकर बैठक की। बैठक जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित हुई। इसमें जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त बी. संतोष कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आम जनता के बीच मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं (बीएलए) को निर्देश दें कि वे ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान करें, जिनके नाम 17 अगस्त 2026 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं। आयुक्त ने बताया कि ऐसे पात्र मतदाताओं को 21 नवंबर 2026 तक अपना गणना प्रपत्र जमा करना चाहिए, ताकि उनके नाम 30 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने पर विचार किया जा सके। बैठक में महबूबनगर-रंगारेड्डी-हैदराबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों से संबंधित विवरणों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से उन्हें उपलब्ध कराई गई मतदान केंद्रों की जानकारी का सत्यापन करने और किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर आवश्यक सुझाव देने को कहा। बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

पुलिस हिरासत के दौरान 28 वर्षीय व्यक्ति की मौत

महबूबनगर,16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में रखे गए 28 वर्षीय व्यक्ति की मौत से जड़चेरला में हड़कंप मच गया है। वारंगल जिले का रहने वाला वरुण, जडचेरला कस्बे के एक निजी लॉज में अकाउंटेंट के तौर पर काम करता था। रविवार सुबह, लॉज के मालिक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वरुण लॉज की कमाई और एक लैपटॉप लेकर गायब हो गया है। बाद में दोपहर के समय, लॉज के मालिक ने बालानगर में वरुण को ढूंढ निकाला और उसे जडचेरला पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार, शाम को पूछताछ के दौरान वरुण को दौरे पड़े। खबरों के मुताबिक, अस्पताल ले जाए जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

खेत में पानी न मिलने से परेशान किसान ने आत्महत्या की कोशिश की

मंचेरियल,16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नक्कलापल्ली गांव में सोमवार को कुछ लोगों द्वारा खेत में पानी की सप्लाई रोक दिए जाने से परेशान एक किसान ने आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें रोक लिया।

परिजनों के अनुसार, कांग्रेस नेताओं के समर्थन वाले कुछ किसानों ने वेमुगंती सम्मीरेड्डी के खेत में पानी की सप्लाई रोक दी थी, जिसके बाद उन्होंने कीटनाशक पीने की कोशिश की। उनके परिवार वालों ने उन्हें कीटनाशक पीने से रोक दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में, सम्मीरेड्डी कीटनाशक पीने की कोशिश करते दिख रहे हैं, जबकि उनके परिवार वाले उन्हें ऐसा करने से रोक रहे हैं। बताया गया है कि पत्नी और बच्चों के समझाने के बाद सम्मीरेड्डी ने अपना यह कदम वापस ले लिया।

डेटिंग ऐप के जरिए लोगों को नशीला पदार्थ पिलाकर लूटने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

नागरिकों को डेटिंग ऐप पर अनजान लोगों पर भरोसा नहीं करना चाहिए : बी. सुमति

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालय की विशेष टीमों ने ग्रिंडर डेटिंग ऐप के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाकर नशीला पदार्थ पिलाने और सोने के आभूषण लूटने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।



पुलिस ने आरोपियों से जुड़ी 14 वारदातों का खुलासा किया है, जो मल्काजगिरी, साइबराबाद, हैदराबाद और विशाखापत्तनम पुलिस आयुक्तालय क्षेत्रों में दर्ज हैं। एक अन्य आरोपी चंदू फरार है। मल्काजगिरी की पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि आरोपी डेटिंग ऐप पर लोगों से संपर्क कर बातचीत और वीडियो कॉल के जरिए उनका विश्वास जीतते थे। इसके बाद ऐसे लोगों की पहचान करते थे, जो सोने के आभूषण पहनते हैं और अकेले रहते हैं। मुलाकात के बहाने उनके घर पहुंचकर बीयर में नशीला पदार्थ मिला देते थे। पीड़ितों के बेहोश होने पर सोने की चेन, अंगूठियां और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो जाते थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तेजावत संतोष (25), रेड्डीगारी दिनेश कुमार रेड्डी (32), मोहम्मद आरिफ (24), बनोतु विद्यासागर (21) और बनोतु कार्तिक (18) के रूप में हुई है। इनमें एक चिकित्सक, निजी कर्मचारी और 2 विद्यार्थी शामिल हैं। आरोपियों को 16 नवंबर को उप्पल मेट्रो स्टेशन और एएस राव नगर के पास गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उप्पल, कुशाईगुड़ा और हयातनगर थानों में दर्ज मामलों की जांच के दौरान अन्य क्षेत्रों में हुई समान वारदातों में भी आरोपियों की संलिप्तता सामने आई। पुलिस डिजिटल बातचीत, वीडियो कॉल, मोबाइल फोन और स्थान संबंधी आंकड़ों की जांच कर रही है। नागरिकों को डेटिंग ऐप पर अनजान लोगों पर भरोसा नहीं करने, घर का पता साझा नहीं करने और नए परिचितों से सार्वजनिक स्थानों पर मिलने की सलाह दी गई है। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा आपात स्थिति में 112 पर संपर्क करने की अपील की गई है।

सस्ती दवाओं के लिए राष्ट्रीय नीति लागू करने की प्रधानमंत्री से मांग

विजयवाड़ा, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेना पार्टी के राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश ने देशभर में गुणवत्तापूर्ण दवाएं किफायती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से व्यापक राष्ट्रीय सस्ती दवा नीति लागू करने का आग्रह किया है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री को चार पृष्ठों का ज्ञापन सौंपकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कई सुझाव दिए। रमेश ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के व्यापारिक लाभांश को तर्कसंगत बनाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, गुर्दे की बीमारियों और अन्य दीर्घकालिक रोगों की दवाओं को भी इस व्यवस्था के दायरे में लाने की मांग की। उन्होंने दवाओं की कीमतों की व्यापक समीक्षा, व्यापारिक लाभांश की पारदर्शी सीमा तय करने और मनमानी कीमतों पर रोक लगाने के लिए कड़ी निगरानी व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का विस्तार करने तथा ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सरकारी अस्पतालों में अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित करने पर भी जोर दिया। सांसद ने आयुष्मान भारत योजना को राज्य की स्वास्थ्य योजनाओं से बेहतर तरीके से जोड़ने, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाने तथा नकली और घटिया दवाओं की बिक्री रोकने के लिए सख्त गुणवत्ता जांच और डिजिटल निगरानी व्यवस्था लागू करने की मांग की।

रेल परिचालन की सुरक्षा को लेकर दक्षिण मध्य रेलवे महाप्रबंधक ने की समीक्षा

पटरियों के आसपास निर्माण स्थलों के निरीक्षण के निर्देश

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में रेल परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर महाप्रबंधक राजेश पी. खड़े और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया।



सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को सुरक्षा उपकरणों के रखरखाव की नियमित समीक्षा करने और निर्धारित सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यार्ड और रेलखंडों में केबल कटने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने पटरियों के आसपास चल रहे निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा विशेष सुरक्षा अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

महाप्रबंधक ने कहा कि रेल परिचालन को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने के लिए सभी कर्मचारियों को सतर्क रहने और सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है।

अवैध अल्प्राजोलम बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़

महबूबनगर,16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने नागरकुर्नूल जिले के बिजिनेपल्ली मंडल में अल्प्राजोलम बनाने वाली एक अवैध यूनिट का भंडाफोड़ किया। यह यूनिट एक खेत में बने टिन की छत वाले शेड से चलाई जा रही थी। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उन्होंने अल्प्राजोलम बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन, 2.6 किलो कच्चा माल, प्रयोगशाला के उपकरण और एक वजन करने वाली मशीन जब्त की है।

कच्चा माल जडचेरला स्थित एक फार्मास्युटिकल कंपनी के कर्मचारी द्वारा उपलब्ध कराया गया था। यह सामग्री एक ऐसे व्यक्ति द्वारा जुटाई गई थी, जो आंध्र प्रदेश के कडप्पा का रहने वाला बताया जा रहा है। इसके बाद, बिजिनेपल्ली में इसका इस्तेमाल करके अल्प्राजोलम बनाया जाता था।

रिपोर्टों के अनुसार, तैयार किया गया अल्प्राजोलम ताड़ी की दुकानों पर सप्लाई किया जाता था, जहां ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए ताड़ी में इसकी मिलावट की जाती थी। इससे पहले भी इस पदार्थ को बनाने की कोशिशें की गई थीं। पुलिस की बढ़ती निगरानी के कारण, इसे बनाने की जगहें बार-बार बदली जाती रहीं। बिजिनेपल्ली पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No JC-315727F NB SUB RAJESH GANJI, R/o. WB 8-143, Bethany colony, Ward 1, Bapatla village and Post, Tehsil-Bapatla, Dist-Guntur, Andhra Pradesh-522101 that my father name and DOB is changed from GOPALAKRISHNA, DOB:1-7-1955 to G GOPALAKRISHNA, DOB:1-7-1954, my mother name & DOB is changed from G DENAMMA, DOB:1-7-1960 TO GANJI DEENAMMA, DOB:1-1-1957 and my wife name is changed from K SOWMYA to KESANI SOWMYA vide affidavit dt:16-11-2026 before V V Prasada Rao, Advocate & Notary, Uttam Nagar, Malkajgiri

I, SARPUNNASA is legally wedded Spouse of Service No-7116373, Rank-EX HAV, Name-Md Wahid Ali Khan, resident at Vill- Bhagirathpur, PO- Sondhi, Teh-Mohania, Dist -Bhabua ((Kaimur), PIN-821109, State-Bihar. I have changed my name From *SARPUNNASA* to *SARPHUN NESHA* of Spouse due to my unawerness, vide Affidavit No-42AA321902 date 14 Nov 2026 before 1.Spl Judicial Magistrate Medchal-Malkajgiri-Dist.

CHANGE OF NAME & DOB

I,SULOCHANA DEVI, W/O Army No. 7034695, EX-SEPOY, BN SAHOO, R/o. NAYAGADA, ODISSA, have changed my name & DOB from SULOCHANA DEVI to SULOCHANA SAHOO & d.o.B. 29-02-1950 to 14-08-1948. For all future purposes

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्रथम पुण्यतिथि



स्व. श्री मुलाराम जी पंवार

सुपुत्र : स्व. श्री कुनाराम जी पंवार

स्वर्गवासः 17 नवंबर 2025

मरुधर - बेरा निचली बडेट, गाँव हरियामाली, तह. सोजत (पाली)

स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको।

श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।

* श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता *

(भाई) : छगनाराम, शेषाराम, भंवरलाल

(पुत्र) : रुपेश, प्रवीण, सुरेश, घेवर

(पौत्र) : तरुण, पियूष, देवांश एवं समस्त पंवार परिवार

संपर्क सूत्र : 9440499749, 8121829452

* प्रतिष्ठान *

श्री साई बाबा ज्वेलर्स (जगतगिरिगुट्टा)

माँ आई प्रोडक्शंस (माधापुर)

AAIMAA ADS

किराये के मकान में मिला नर्स का शव पास में इंजेक्शन और सिरिंज बरामद पोस्टमार्टम से खुलेगा मौत का राज

मेरठ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ के गंगानगर में पी-ब्लॉक में किराये के मकान में रह रही 34 वर्षीय नर्स सरिता का शव रविवार को बाथरूम में मिला। शव के पास पुलिस को इंजेक्शन की वाइल और सिरिंज पड़ी मिली हैं। सरिता पति से अलग रह रही थी। शुरुआती जांच में दवाओं की ओवरडोज से मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। सीओ सदर देहात सुधीर सिंह के अनुसार, सरिता मुजफ्फरनगर जिले के ककरौली थाना क्षेत्र के भुआपुर गांव की रहने वाली थी। वह कसेरुबक्सर स्टैंड स्थित सोहराम हॉस्पिटल में करीब एक साल से नर्स के रूप में काम कर रही थी। गंगानगर के पी-ब्लॉक में वह संदीप के मकान के ग्राउंड फ्लोर पर किराये पर रहती थी सुबह घर के बाहर कोई व्यक्ति आया और उसने सरिता को आवाज लगाई। काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो प्रथम तल पर रहने वाले मकान मालिक संदीप नीचे पहुंचे। उन्होंने बाथरूम के दरवाजे में लगा शीशा तोड़कर देखा तो अंदर सरिता का शव पड़ा था।

कांग्रेस ने सपा से मांगी ये 181 सीटें, लीक हुई लिस्ट

रायबरेली और अमेठी की सभी सीटों पर दावा



रायबरेली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस की आज दिल्ली में बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) से सीट बंटवारे को लेकर कहा कि यह सम्मानजनक होना चाहिए। सूत्रों ने कहा कि सबको साथ लेकर चलना होगा। समाजवादी पार्टी हमारी महत्वपूर्ण अलायंस पार्टनर है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, सांसद इमरान मसूद और प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम मौजूद रहे।

सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने 5 सदस्यीय कमेटी बनाई है। जो अखिलेश यादव के साथ सीटों के बंटवारे से लेकर बाकी तमाम विषयों पर मंथन और समन्वय स्थापित करेगी। इस कमेटी में प्रियंका गांधी, के सी वेणुगोपाल, राजेन्द्र पाल गौतम, इमरान मसूद और अराधना मिश्रा मोना होंगे।

खरगे ने बैठक के बाद एक्स पोस्ट में कहा कि आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गहन चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देंगे। प्रदेश की जनता परिवर्तन की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है।

उन्होंने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी, इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत करेगी।

" कांग्रेस की ये बैठक ऐसे समय में हुई है जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में दो अहम मसलों पर लंबे समय से पेंच फंसा है। पहला है सीटों का बंटवारा और दूसरा गठबंधन में स्वामी प्रसाद मौर्य को शामिल करने की कांग्रेस की कवायद।

पिछले दिनों अखिलेश यादव ने बातचीत में दावा किया कि कांग्रेस ने 403 में 181 सीटों की डिमांड की है। साथ ही अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य को गठबंधन में लाने से इनकार कर चुके हैं। मौर्य की राहुल गांधी से मुलाकात के बाद गठबंधन में शामिल होने की अटकलें शुरू हुई थी।

यूपी के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब रहा है। 2022 में वो मात्र दो सीटें जीती थी और उसे 2.33 फीसदी वोट मिले थे। 2017 में 6.25 फीसदी वोट मिले थे और पार्टी सात सीटें जीती थी।

साहेबगंज एमएलए राजू सिंह की सदस्यता बची, सुप्रीम कोर्ट ने हर्ष फायरिंग केस में दी बड़ी राहत

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने हर्ष फायरिंग से जुड़े एक मामले में उनकी दोषसिद्धि (कनविक्शन) पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद विधायक की विधानसभा सदस्यता जाने का खतरा टल गया है और उनकी विधायकी बरकरार रहेगी। यह घटना 31 दिसंबर 2018 की रात की है। दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में स्थित एक फार्महाउस में नए साल का जश्न मनाया जा रहा था।

इसी पार्टी के दौरान हर्ष फायरिंग की गई, जिसमें डॉ. अर्चना गुप्ता नामक महिला को गोली लग गई और उनकी जान चली गई। इसी मामले में विधायक राजू कुमार सिंह को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में सुनवाई करते हुए निचली अदालत ने राजू कुमार सिंह को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304(2) और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) की धारा 30 के तहत दोषी पाया था।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है'

अखिलेश यादव पर बरस पड़े असदुद्दीन ओवैसी; बोले- डोर बीजेपी के हाथ



लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्मी बढ़ती ही जा रही है। एआईएमआईएम ने आजाद समाज पार्टी से गठबंधन करके अपना नया मर्चा बना दिया है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर भी जमकर बरस रहे हैं। अखिलेश यादव ने जब कहा कि ओवैसी की डोर किसी और के हाथ में है और वह उतना ही उड़ेंगे जितनी डोर में ढील दी जाएगी।

इसपर जवाब देते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, हमारी डोर तो अल्लाह के राध में है, लेकिन अखिलेश की डोर बीजेपी के हाथ में है। ओवैसी ने कहा, तुमको गलत फहमी हो गई है, हमारी डोर अल्लाह के हाथ में है लेकिन तुम्हारी डोर बीजेपी के हाथ में हैं।

अखिलेश यादव ने राज्यसभा में किसको सांसद बनाया। जिनके पिता जी कांग्रेस के इंडिया अलायंस के कैंडिडेट को झारखंड में हराया, उनके ही बेटे को राज्यसभा से सांसद बना दिया। ओवैसी का इशारा धनराज नाथवानी और उनके बेटे परिमल नाथवानी की ओर था। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी का कोई मामूली कार्यकर्ता भी होता और उसके पिता जी बीजेपी के साथ होते तो पूरी मीडिया मेरे पीछे पड़ जाती। हमारे सुसुरे भी उतनी मोहब्बत नहीं करते जितनी ये करते हैं। लेकिन पूछो लाल टोपी से कि यह कौन सा इश्क है।

यह रिश्ता क्या कहलाता है, ये तो पूछ लो आप। एक दिन पहले ही अखिलेश यादव ने असदुद्दीन ओवैसी र चंद्रशेखर आजाद पर निशाना साधते हुए कहा था कि चुनाव नजदीक आते ही सक्रिय हुए 'सियासत के सैलानियों' की डोर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हाथ में है और उन्हें जितनी ढील दी जाएगी, वे उतना ही आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, 'जब से भाजपा हाल के चुनावों में हारी है, तब से कई सियासत के सैलानी भी आने लगे हैं। यह आगरा है, जहां बड़े पैमाने पर सैलानी आते हैं। लोग समझ रहे होंगे कि जैसे ही चुनाव करीब आया, सियासत के सैलानी आ गए।

उनका ओटीपी कहीं और से आ रहा है और वे किसी और के 'माइक के लाउडस्पीकर' बन गए हैं।' आपको बता दें कि ओवैसी और चंद्रशेखर ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाया है। ओवैसी ने चंद्रशेखर को अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है।

अपार्टमेंट में भीषण आग, बचने को ऊपर से कूदे लोग, महिला और बच्चे की मौत

कानपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में सोमवार की भोर में भीषण आग लग गई। फीलखाना स्थित राधिका अपार्टमेंट में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। घटना की जानकारी होने पर अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में चीख पुकार मच गई। अपार्टमेंट में रहले वाले लोग जान बचाने के लिए ऊपर से कूदने लगे। कुछ लोगों ने पड़ोसियों के घर से निकल कर अपनी जान बचाई। हादसे में एक महिला और बच्चे की मौत हो गई। जबकि एक महिला और युवक घायल है। जिन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। दमकलकर्मियों ने अंदर फंसे छह लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट में सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने अपार्टमेंट के परिसर में खड़े वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इस दौरान आग का धुआं भरने से अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में चीख पुकार मच गई। अपार्टमेंट से बाहर निकलने वाले रास्ते में आग लगने की वजह से लोग जान बचाने के लिए पड़ोसियों की छत से निकलने का प्रयास करने लगे। वहीं कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी।

छठ का प्रसाद जूठा करने पर मां की बेरहमी बेटी को पीट-पीटकर मार डाला



समस्तीपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छठ पूजा का प्रसाद जूठा कर देने से नाराज एक मां ने अपनी ही चार साल की बेटी की बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल बच्ची को परिजन इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।

घटना पूसा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर बिरौली गांव के वार्ड नंबर 12 की है। यहां रहने वाले राजू पासवान की पत्नी रीना कुमारी छठ पूजा के लिए घर में पकवान और प्रसाद तैयार कर रही थी। इसी दौरान उनकी चार वर्षीय बेटी सुहानी कुमारी प्रसाद खाने की जिद करने लगी। मां ने उसे प्रसाद खाने से मना किया, लेकिन बच्ची ने प्रसाद उठाकर जूठा कर दिया। इससे नाराज होकर रीना ने बच्ची की बेरहमी से पिटाई कर दी। मारपीट में सुहानी गंभीर रूप से घायल हो गई।

बाद में उसकी मौत हो गई। मृत बच्ची के पिता राजू पासवान के मुताबिक, घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य छठ पूजा के लिए घाट बनाने गए हुए थे। घर में मां और बच्ची के बीच यह घटना हुई। परिवार में तीन बच्चे हैं। इनमें सात साल की शिवानी कुमारी, चार साल की सुहानी कुमारी और डेढ़ साल का बेटा राजा कुमार शामिल हैं।

सुहानी की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पूसा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी मां रीना कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया है।

जहानाबाद में एक नंबर की दो गाड़ियां!

असली मालिक के उड़े होश पुलिस ने संदिग्ध कार जब्त की

जहानाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर की दो गाड़ियां मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मामला नगर थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल के पास का है। बताया जा रहा है कि एक वाहन मालिक सदर अस्पताल के पास से गुजर रहे था, तभी सड़क किनारे उनकी ही गाड़ी के नंबर (बीआर02बीएम-7866) वाली दूसरी गाड़ी खड़ी थी। अपने नंबर की दूसरी कार देखते ही युवक के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना नगर थाना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने संदिग्ध कार को जब्त कर लिया है और फर्जीवाड़े के एंगल से मामले की जांच कर रही है।

सदर अस्पताल के पास लोगों की भीड़ जमा हो गई। हर कोई इस मामले के सामने आने के बाद हैरान था, कि कैसे एक ही नंबर की दो गाड़ियां हो सकती हैं। बीआर02बीएम-7866 वाले नंबर से वाहन के मालिक पर सफेद रंग की टाटा नेक्सन गाड़ी है, जिसे उन्होंने 2023 में खरीदा था। जब कार के असली मालिक किसी काम से सदर अस्पताल के पास से गुजर रहे थे और उन्होंने अपने नंबर वाली एक गाड़ी वहां खड़ी देखी तो हैरान रह गए। उस वक्त कार के मालिक की गाड़ी उनके घर पर खड़ी थी। कार के मालिक ने तुंरत पुलिस को सूचना दी। उन्हें डर है कि कहीं कोई उनके खिलाफ साजिश कर उन्हें फंसाने की कोशिश तो नहीं कर रहा है। या इस कार का इस्तेमाल किसी आपराधिक वारदात में इस्तेमाल के लिए फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई हो।

सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और संदिग्ध गाड़ी को कब्जे में लेकर थाने ले आई। हैरानी की बात यह है कि पुलिस की कार्रवाई के बाद भी इस दूसरी गाड़ी का कोई मालिक अब तक सामने नहीं आया है। पुलिस अब गाड़ी के इंजन और चेसिस नंबर के जरिए यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं ये गाड़ी चोरी की तो नहीं है। या फिर शराब तस्करी या किसी आपराधिक वारदात में इस्तेमाल के लिए इस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थी, या फिर यह किसी बड़े वाहन चोर गिरोह का काम है।

आजम खान को फिर जाना पड़ा जेल

4 दिन की ईडी कस्टडी के बाद कोर्ट ने डासना जेल भेजा

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को एक बार फिर जेल जाना पड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय की चार दिन की हिरासत समाप्त होने के बाद सोमवार सुबह उन्हें गाजियाबाद स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। इसके बाद आजम खान को डासना जेल भेज दिया गया। जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब अगली सुनवाई 26 नवंबर को निर्धारित की गई है। इस फैसले के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती दिखाई दे रही हैं।

आजम खान जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में थे। ईडी ने 31 अक्टूबर की शाम उन्हें रामपुर जेल से रिहा होने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद 12 नवंबर की शाम से उन्हें पूछताछ के लिए ईडी की कस्टडी में रखा गया। जांच एजेंसी ने इस मामले में चार दिनों तक उनसे पूछताछ की। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद सोमवार को



उन्हें गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सुनवाई के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई से किया था इनकार

आजम खान ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर सुनवाई की। हालांकि, शीर्ष अदालत ने मामले में सीधे हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया था कि याचिका को 16 नवंबर को डिवीजन बेंच के सामने सुनवाई के लिए रखा जाए। साथ ही उसी दिन अंतरिम आदेश पारित करने का निर्देश भी दिया था।

कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर उठाए थे सवाल

सुप्रीम कोर्ट में आजम खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पक्ष रखा था। सुनवाई के दौरान उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए गिरफ्तारी के समय को लेकर आपत्ति जताई थी। सिब्बल ने दलील दी थी कि आजम खान की रामपुर जेल से रिहाई होने वाली थी और ठीक उसी समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने अपने मुवक्किल की ओर से कहा था कि उन्हें चुनाव के दौरान जेल में रखने की कोशिश की जा रही है।

अब जमानत याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।



तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मां-बेटे की मौत

बाराबंकी, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी में सोमवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई। दोनों हैदरगढ़ से घर लौट रहे थे। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। हादसा हैदरगढ़-बाराबंकी मार्ग पर कोठी थाना क्षेत्र में भानमऊ चौराहे के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, जैदपुर क्षेत्र के पारादीपू गांव निवासी सर्वेश वर्मा (36) अपनी मां शर्मावती (65) के साथ बाइक से घर लौट रहे थे।

भानमऊ चौराहे के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरकर दोनों की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने उन्हें सड़क पर पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। एसओ डीपी सिंह ने बताया कि हादसे के बाद अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

यूपी चुनाव में एलजेपी अपनी भूमिका को लेकर पार्टी का विस्तार करने की तैयारी में: चिराग पासवान

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि कांग्रेस और सपा के शासन में प्रदेश में किस तरह के हालात थे। सपा एक बार फिर उसी 'गुंडाराज' और डर के माहौल की ओर प्रदेश को ले जाने की कोशिश कर रही है। चिराग ने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश की जनता एक बार फिर एनडीए के नेतृत्व को स्वीकार करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में अपना विस्तार कर रही है और उन्हें उम्मीद है कि यहां भी जनता का समर्थन मिलेगा।

पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान चिराग पासवान से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इंडिया गठबंधन में कौन कितनी सीटों का दावा कर रहा है या सीटों को लेकर कोई दावा भी किया जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी ओर से चुनाव की तैयारियां की हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए चिराग ने कहा कि आज विपक्ष की स्थिति ऐसी है, जहां कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी पूरी तरह दब गई है। वहीं,



समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश को फिर उसी गुंडाराज और आतंक के दौर में ले जाने की कोशिश कर रही है, जहां महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना भी मुश्किल था।

उन्होंने आरोप लगाया कि सपा और उसके नेता पीडीए के नाम पर अलग-अलग गठबंधन के जरिए प्रदेश को पुराने दौर में वापस ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। चिराग पासवान ने दलितों और वंचित वर्गों के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि कल तक दलितों को सशक्त बनाने की बात की जा रही थी,

लेकिन विपक्ष को यह भी याद रखना चाहिए कि वास्तव में दलितों को मजबूत बनाने में किसका योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उन पार्टियों को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने दलितों और समाज के वंचित वर्गों का शोषण किया और उन्हें प्रताड़ित किया। उत्तर प्रदेश की जनता अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासनकाल में इन वर्गों के साथ कैसा व्यवहार किया गया।

सिराथू से ही चुनावी मैदान में उतरेंगी पल्लवी पटेल, यूपी में विपक्षी गठबंधन पर जल्द होगा फैसला

लखनऊ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अपना दल कमेरावादी की विधायक पल्लवी पटेल ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने सिराथू से दोबारा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। साथ ही भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए विपक्षी दलों के एकजुट होने की बात कही। पार्टी प्रदेश की करीब 60 विधानसभा सीटों पर चुनावी तैयारी कर रही है। सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है।

उन्होंने ऐलान किया कि 2027 में भी वह इसी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। उनका कहना है कि पिछले चुनाव में क्षेत्र की जनता ने उन पर भरोसा जताकर विधानसभा पहुंचाया था। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी है कि वह दोबारा सिराथू से ही जनता का प्रतिनिधित्व करें। उन्होंने क्षेत्र बदलने की संभावनाओं को भी खारिज कर दिया।

रविवार को पल्लवी पटेल प्रयागराज के कौड़िहार क्षेत्र में मुबारकपुर उपहार गांव पहुंचीं। यहां उन्होंने पूर्व प्रधान मोईनुद्दीन उर्फ मुल्ला जी के परिजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उनका निधन दो अक्तूबर को लंबी बीमारी के बाद हुआ था। वह कमेरा पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे।

यूजीसी पर राजा भैया का दो टूक बयान

बोले- लागू नहीं होगी व्यवस्था, हमने कह दिया तो कह दिया, हिंदुओं की एकता पर कही बडी बात



प्रतापगढ़, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने यूजीसी के नए नियमों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा कि यूजीसी लागू नहीं होगी। वहीं, हिंदुओं की एकता को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें इस्लाम से एकजुट रहने की सीख लेनी चाहिए। विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर भी उन्होंने अपनी पार्टी का रुख बताया। राजा भैया ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर दो टूक कहा कि यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। उन्होंने अपने बयान में कहा, यूजीसी लागू नहीं होगी, हमने कह दिया तो कह दिया।

उनके इस बयान के बाद नए नियमों को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चा में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक का रुख भी सामने आ गया है। आगामी विधानसभा चुनाव में किसी दल के साथ गठबंधन करने के सवाल पर राजा भैया ने कहा कि अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं हुआ है। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक अकेले चुनाव लड़ेगा या किसी अन्य पार्टी के साथ मिलकर मैदान में उतरेगा, यह समय आने पर तय किया जाएगा।

फिलहाल पार्टी ने दोनों विकल्प खुले रखे हैं। राजा भैया ने कहा कि उनकी पार्टी की अपनी सोच, मान्यताएं और सिद्धांत हैं। जो भी राजनीतिक दल इन विचारों के साथ आगे बढ़ना चाहेगा, उससे सम्मान के साथ बातचीत की जाएगी। उन्होंने साफ किया कि गठबंधन को लेकर अभी किसी तरह की अंतिम सहमति नहीं बनी है। रामकथा रोके जाने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा भैया ने हिंदुओं को एकजुट रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उनके मुताबिक, मुस्लिम समाज के लोग अलग-अलग राजनीतिक दलों से जुड़े होने के बाद भी इस्लाम को प्राथमिकता देते हैं।

इसी तरह हिंदुओं को भी धर्म के सवाल पर एक साथ खड़ा होना चाहिए। हिंदुत्व के मुद्दे पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के रुख को लेकर राजा भैया ने कहा कि कुछ दल नरम हिंदुत्व की बात करते हैं तो कुछ कट्टर हिंदुत्व की। उन्होंने भगवान के सीसीटीवी कैमरे का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान इंसान के बाहर के साथ उसके अंदर की बातों को भी जानते हैं। उनसे कुछ छिपा नहीं है।

राजा भैया ने कहा कि वह किसी खास राजनीतिक दल का नाम नहीं लेना चाहते, लेकिन एक या दो दलों को छोड़कर बाकी राजनीतिक पार्टियां नहीं चाहतीं कि हिंदू एकजुट हों। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर अपनी एकता के बारे में सोचना चाहिए, क्योंकि पार्टियां बदलती रहती हैं, लेकिन धर्म और समाज की एकता महत्वपूर्ण है।

फिलीपींस पहुंचे नरेन्द्र मोदी : चीन से परेशान दक्षिण-पूर्व एशिया क्या बन सकता है भारत के लिए रक्षा निर्यात हब?

मनीला, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिलीपींस के दौरे पर पहुंचे हैं। उनका दौरा उस वक्त हो रहा है जब फिलीपींस और चीन के बीच का तनाव काफी बढ़ा हुआ है। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्ट टीओडोरो ने पिछले महीने मनीला से नई दिल्ली स्थित एक भारतीय थिंक टैंक को संबोधित करते हुए कहा था कि 'फिलीपींस के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन है और वो अकेले चीन का मुकाबला नहीं कर सकता है इसलिए उसे भारत जैसे समान विचारधारा वाले देशों की मदद की जरूरत है।'

उन्होंने चीन को भारत और फिलीपींस दोनों की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। फिलीपींस चीनी खतरों को काउंटर करने के लिए भारतीय ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें ऑपरेट करता है। फिलीपींस और चीनी कोस्ट गार्ड्स के बीच आए दिन झड़प होते रहते हैं। फिलीपींस वो देश है जो भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा चुका है। फिलीपींस पुष्टि कर चुका है कि उसने अपने



देश की भौगोलिक स्थिति के मुताबिक ब्रह्मोस मिसाइलें बनाने के लिए एक लिस्ट भारतीय अधिकारियों को सौंपी है।

प्रधानमंत्री मोदी 16 और 17 नवंबर को मनीला में रहेंगे और 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत और फिलीपींस ने 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' मनाने का फैसला किया है।

इसके तहत दोनों देश समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए समझौता करेंगे।

फिलीपींस भारत के 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के लिए काफी महत्वपूर्ण है और इन देशों के साथ भारत अपनी दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी को बढ़ाने पर ध्यान फोकस कर रहा है।

भारत के लिए फिलीपींस, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देश इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। फिलीपींस ब्रह्मोस खरीद चुका है और इन दोनों देशों के साथ ब्रह्मोस सौदा हो गया है।

भारत और फिलीपींस के बीच रक्षा संभावनाएं कितनी हैं?

फिलीपींस और भारत अब एक मजबूत रणनीतिक साझेदार बन चुके हैं और चीन दोनों ही देशों के लिए खतरा है।

इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2025 में दोनों देशों ने अपने संबंध को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर अपग्रेड किया था।

फिलीपींस ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के लिए 2022 में 375 मिलियन डॉलर का डील किया था जिनकी डिलीवरी हो चुकी है। फिलीपींस ब्रह्मोस के लिए नये ऑर्डर देने वाला है जो करीब 700-800 मिलियन डॉलर का हो सकता है।

नेशनल मैरीटाइम फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिलीपींस भारत से आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, ALH हेलीकॉप्टर, पनडुब्बियां और नौसैनिक जहाज खरीदने में भी दिलचस्पी दिखा रहा है।

फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्ट टीओडोरो ने 'दिल्ली डिफेंस डायलॉग' के दौरान कहा था कि उनका देश भारत के साथ स्पेस सेक्टर में भी रणनीतिक साझेदारी चाहता है। उन्होंने हथियारों के ज्वाइंट प्रोडक्शन को मजबूत करने की बात कही थी।

रोजगार के मोर्चे पर राहत : अक्तूबर में बेरोजगारी दर घटकर 4.9% पर, ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी से सुधरे आंकड़े

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। देश के श्रम बाजार से राहत भरी खबर आई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए देश की समग्र बेरोजगारी दर अक्तूबर महीने में घटकर 4.9 प्रतिशत** पर आ गई है। इससे पहले सितंबर में यह दर 5.0 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

यदि सालाना आधार पर तुलना करें, तो यह आंकड़ा अक्तूबर 2025 में दर्ज 5.2 प्रतिशत के मुकाबले 0.3 प्रतिशत अंक कम है। इस ताजा सुधार में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की कार्यबल में बढ़ी भागीदारी की रही है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति कैसी रही?

आंकड़ों का भौगोलिक विश्लेषण बताता है कि शहरों में रोजगार की स्थिति में अपेक्षाकृत बेहतर सुधार देखा गया है, जबकि ग्रामीण भारत में स्थिरता बनी रही:

शहरी बेरोजगारी: शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर सितंबर के 6.9 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 6.7 प्रतिशत पर आ गई।

ग्रामीण बेरोजगारी: ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर बिना किसी बदलाव के 4.2 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

श्रम बल भागीदारी : ग्रामीण क्षेत्रों ने समग्र भागीदारी में बढ़त हासिल की, जहां श्रम बल भागीदारी दर सितंबर के 58.0 प्रतिशत से बढ़कर 58.4 प्रतिशत हो गई। इसके विपरीत, शहरी भागीदारी 50.7 प्रतिशत से मामूली फिसलकर 50.5 प्रतिशत रह गई।

महिला श्रमबल भागीदारी में कितना बड़ा बदलाव आया?

इस रिपोर्ट का सबसे सकारात्मक पहलू महिला कार्यबल का विस्तार रहा है:

रिकॉर्ड स्तर पर महिला भागीदारी : देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर अक्तूबर में बढ़कर 35 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो सितंबर में 34.6 प्रतिशत और एक साल पहले 34.2 प्रतिशत थी। यह स्तर फरवरी 2026 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

गांवों में महिलाओं की सक्रियता: ग्रामीण क्षेत्रों में महिला LFPR सितंबर के 38.9 प्रतिशत के मुकाबले सुधरकर 39.5 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में महिला भागीदारी बिना किसी बदलाव के 25.9 प्रतिशत पर यथावत रही।

महिला बेरोजगारी में कमी: महिलाओं में बेरोजगारी दर सितंबर के 5.2 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 5.0 प्रतिशत पर आ गई। वहीं पुरुषों की बेरोजगारी दर 4.9 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत से सुधरकर 3.8 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो साल 2026 में दर्ज इसका सबसे निचला स्तर है। शहरी महिलाओं की बेरोजगारी भी 9.2 प्रतिशत से घटकर 8.7 प्रतिशत रह गई। समग्र श्रमबल और रोजगार अनुपात के पैमाने क्या कहते हैं?

अर्थव्यवस्था में काम करने के इच्छुक और वास्तव में रोजगार में लगे लोगों के दोनों प्रमुख अनुपातों में सुधार दिखा है:

काम करने वाले या काम की तलाश कर रहे लोगों का अनुपात अक्तूबर में बढ़कर 55.7 प्रतिशत दर्ज हुआ, जो सितंबर में 55.5 प्रतिशत था। रोजगार प्राप्त आबादी को दर्शाने वाला अनुपात भी 52.7 प्रतिशत से बेहतर होकर 53 प्रतिशत पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा तैयार किए गए ये आंकड़े देश में रोजगार और श्रमबल की आधिकारिक स्थिति को दर्शाते हैं:

सर्वे का दायरा: अक्तूबर महीने का यह बुलेटिन कुल 3,70,475 लोगों के व्यापक सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के 2,11,474 और शहरी क्षेत्रों के 1,59,001 प्रतिभागी शामिल थे।

मूल्यांकन पद्धति: मासिक अनुमान वर्तमान साप्ताहिक स्थिति दृष्टिकोण के तहत 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

अक्तूबर महीने के आंकड़े दर्शाते हैं कि देश के लेबर मार्केट में समग्र सुधार को ग्रामीण क्षेत्रों और महिला कार्यबल की बढ़ती हिस्सेदारी से गति मिल रही है। शहरी बेरोजगारी में 0.2 प्रतिशत अंक की नरमी और ग्रामीण स्तर पर महिलाओं के लिए बेरोजगारी दर का 2026 के सबसे निचले स्तर पर आना आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का संकेत देता है।

बिलकिस बानो गैंगरेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला दो दोषियों की उम्रकैद की सजा पर लगाई रोक; दी जमानत

नई दिल्ली: बिलकिस बानो गैंगरेप और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च अदालत ने बिपिनचंद्र कनैयालाल जोशी और प्रदीप रामलाल मोढिया की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी है। दोनों दोषी 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। हालांकि, उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई जारी रहेगी।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को दोनों दोषियों की याचिकाओं पर यह आदेश दिया। इन याचिकाओं में बॉम्बे हाई कोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें ट्रायल कोर्ट की ओर से सुनाई गई उम्रकैद की सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था।

17 साल से अधिक जेल में रहे दोनों दोषी

सुनवाई के दौरान दोषियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने दलील दी कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपियों में से एक का नाम शुरुआती एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे इस मामले में आरोपी बनाया गया।

बेंच ने अपने आदेश में कहा कि दोनों दोषियों की अपील में ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर तथ्यों और कानून के आधार पर विचार किया जाना जरूरी है। अदालत ने उनकी लंबी जेल अवधि और एक दोषी की गंभीर दिव्यांगता को भी राहत देने के लिए प्रासंगिक परिस्थितियां माना।

दोषियों की जमानत याचिका का अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि निचली अदालत और बॉम्बे हाई कोर्ट दोनों मामले से जुड़े साक्ष्यों पर विचार कर चुके हैं। अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोषियों को राहत नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अपील में विचार किए जाने वाले मुद्दों और अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए दोनों की सजा पर रोक लगा दी। अदालत ने जमानत की शर्तें तय करने का जिम्मा संबंधित ट्रायल कोर्ट को सौंपा है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 2002 के गुजरात दंगों से जुड़ा है। उस समय 21 वर्षीय बिलकिस बानो पांच महीने की गर्भवती थीं। दंगों के दौरान उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में उनकी तीन साल की बेटी भी शामिल थी।

इस मामले में 2008 में मुंबई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी उनकी सजा बरकरार रखी।

2024 में सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की थी रिहाई

गुजरात सरकार ने 15 अगस्त 2022 को इन 11 दोषियों को सजा में छूट देते हुए रिहा कर दिया था। हालांकि, 8 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि दोषियों को समय से पहले रिहा करने का फैसला लेने का अधिकार गुजरात सरकार के पास नहीं था। इसके बाद सभी दोषियों को जेल लौटना पड़ा था।

घरेलू विवाद में पति बना हैवान, लाठी-फावड़े से पीटकर की पत्नी की हत्या, फिर मोहल्ले में जाकर सो गया

शहडोल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। धनपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ीखुर्द के कुदरा टोला में घरेलू विवाद के चलते एक पति ने अपनी पत्नी की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर से निकलकर मोहल्ले में ही दूसरी जगह जाकर सो गया। सुबह जब आरोपी का भाई घर पहुंचा तो महिला का शव देखकर घटना का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गांव के लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी रामकुमार बैगा (47) पिता नथुआ बैगा का किसी बात को लेकर अपनी पत्नी गुड़िया बैगा से विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ा कि गुस्से में आकर रामकुमार ने लाठी-डंडे और फावड़े से पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर चोटों के चलते महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी घर पर रुकने के बजाय मोहल्ले में ही दूसरी जगह चला गया और वहां सो गया। रात में हुई इस वारदात की जानकारी आसपास के लोगों को भी नहीं लग सकी। सुबह आरोपी का भाई जब घर पहुंचा तो उसने गुड़िया बैगा को मृत अवस्था में पड़ा देखा। इसके बाद उसने आरोपी के पुत्र से फोन पर संपर्क किया। भतीजे के साथ दोनों ने पुलिस तक पहुंचकर घटना की सूचना दी। इस बीच गांव के लोगों को भी वारदात की जानकारी मिल गई और उन्होंने आरोपी रामकुमार को पकड़ लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को ग्रामीणों के कब्जे से लेकर हिरासत में ले लिया।

धनपुरी थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। महिला के शव का पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की गई है। आरोपी पति को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले में आगे की विवेचना की जा रही है।

किताब की लॉन्चिंग के दौरान भावुक हुईं सोनिया गांधी

मंच पर राहुल-प्रियंका भी मौजूद; अखिलेश-डिंपल, तमिलनाडु सीएम विजय पहुंचे

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव की सोमवार को दिल्ली में ऑफिशियल लॉन्चिंग है। कार्यक्रम कुछ देर में होटल मौर्या में शुरू होगा। कांग्रेस शासित राज्यों हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरलम और कर्नाटक के मुख्यमंत्री पहुंच चुके हैं। पहली लाइन में अखिलेश-डिंपल, राहुल तमिलनाडु सीएम विजय के साथ बैठे हैं। सोनिया की किताब 10 नवंबर को ही बाजार में आ चुकी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और गठबंधन के सहयोगी भी मौजूद रहेंगे।

सोनिया ने इमरजेंसी को गलती बताया

10 नवंबर को किताब के रिलीज पर उन्होंने इमरजेंसी को गलती बताया था। साथ ही कहा था कि उनकी सास इंदिरा गांधी भी बाद में ऐसा ही महसूस करने लगी थीं। 1984 के सिख विरोधी दंगों को उन्होंने शर्मनाक अध्याय कहा था। आज के इवेंट में भी उनसे किताब के बारे में संक्षिप्त बात



रखने की उम्मीद है।

रॉबर्ट वाड्रा को किताब लिखने में 10 साल लगे

सोनिया के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने बताया कि 544 पन्नों की किताब को लिखने में 12 साल लगे हैं। इसमें इटली में बचपन, कैमब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात (1965), भारत आना, हिंदी सीखना, राजीव की हत्या, राजनीति में आना और 2004 में PM पद ठुकराना- सब शामिल है।

'बिलॉन्गिंग..' के बारे में सोनिया ने क्या कहा

यह उस जगह की उनकी कहानी है, जिसे उन्होंने अपना घर माना। अपने परिवार को ईमानदारी से दिखाना चाहती थी। परिवार में वे लोग शामिल हैं, जिन्हें उन्होंने जाना और प्यार किया। ज्यादातर जिंदगी मैंने अपनी अंदरूनी दुनिया अपने तक रखी। दुख ने मुझे राजनीति में खींच लिया, फिर भी मैंने अपनी निजी जिंदगी बचाए रखने की कोशिश की।

अपने जीवन के बारे में खुलकर लिखना उनके लिए लगभग असंभव लगता था। मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है। लेकिन शायद ही कभी यह समझने की कोशिश हुई कि वे असल में कैसे लोग थे। भारत में पांच दशक से ज्यादा समय में देखे गए बदलाव को साझा करना चाहती थी। मैंने एक देश को बदलते देखा। शुरुआत में मैंने इसे किनारे से देखा और बाद में इसके केंद्र से।

युद्ध में दुश्मन को सरप्राइज देगा भारत, छुपाकर रखा है विनाशकारी गुप्त हथियार! अपग्रेडेड ब्रह्मोस के बारे में क्या बोले रक्षा सचिव

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। क्या भारत ने भविष्य में युद्ध की आशंका को देखते हुए अपने सबसे हाईटेक और विनाशकारी हथियार को दुनिया की नजरों से छुपाकर रखा है। ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं, क्योंकि रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने अपग्रेड की गई ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि भारत अपग्रेडेड ब्रह्मोस की जानकारी गुप्त रखेगा।

मुझे लगता है कि कभी-कभी DRDO द्वारा परीक्षणों (टेस्ट ट्रायल्स) के बारे में बहुत ज़्यादा जानकारी सार्वजनिक कर दी जाती है। यानी समय से पहले ही बहुत ज्यादा शोर-शराबा कर दिया जाता है। हमें अपने विरोधियों के लिए कुछ सरप्राइज बचाकर रखने



चाहिए। चीजों को चुपचाप विकसित करना चाहिए और उन्हें शामिल करना चाहिए, ताकि अगर दुर्भाग्य से कभी कोई संघर्ष की स्थिति पैदा हो, तो हमारे पास कुछ ऐसे सरप्राइज मौजूद हों। कुछ रणनीतिक कार्यक्रमों को हम जहां तक संभव हो गुप्त ही रखेंगे।

राजेश कुमार सिंह ने ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को लेकर यह बयान 'एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0' में दिया। उन्होंने कहा कि डिफेंस से जुड़े टेस्ट और विकास कार्यों के बारे में समय से पहले जानकारी उजागर करने से भारत को मिलने वाला रणनीतिक लाभ खतरे में पड़ सकता है। रक्षा सचिव की ये टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और कई देशों के साथ साझेदारी बढ़ाने की रणनीति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत किसी एक देश पर बहुत अधिक निर्भर रहने के बजाय अपने रक्षा संबंधों में विविधता ला रहा है।

रक्षा सचिव ने कहा कि हम कई भरोसेमंद साझेदारों के साथ अपनी रक्षा साझेदारियों का विस्तार कर रहे हैं। असल में कुछ महीने पहले ही हमने यूरोपीय संघ के साथ एक रणनीतिक रक्षा साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, दुनिया भर के कई देशों के साथ हमारा रक्षा सहयोग चल रहा है।

ईरान और इजरायल दोनों से संबंध

रक्षा सचिव ने आगे कहा कि भारत उन देशों में से हैं, जिसेके मध्य पूर्व, ईरान, रूस, फ्रांस, इजरायल और संयुक्त अरब अमीरात के साथ अच्छे संबंध हैं। इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा कि हम किसी एक देश पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अमेरिका के साथ भी हमारी एक मजबूत रक्षा साझेदारी होगी।

मिलिट्री कैंटोनमेंट में खुलेंगे डे केयर और सीनियर सिटीजन होम्स

रक्षा मंत्रालय का मिनिस्ट्री के साथ बड़ा करार

नई दिल्ली: सेना की छावनियों में अब बड़ी तादाद में डे केयर और सीनियर सिटीजन होम्स खोलने की तैयारी है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय और सामाजिक न्याय मंत्रालय के बीच एक करार (एमओयू) पर साइन किए गए हैं।

दोनों मंत्रालयों ने'अटल वयो अभ्युदय योजना' के तहत छावनियों (कैंटोनमेंट) में नए डे-केयर सेंटर और सीनियर सिटीजन होम्स खोलने के लिए हाथ मिलाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार की मौजूदगी में एमओयू एमओयू हुआ है।

एमओयू से क्या फायदा?

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) में बुजुर्गों की देखभाल करने वालों को स्किल ट्रेनिंग देने की प्लानिंग भी की गई है। सामाजिक न्याय मंत्रालय ' अव्यय योजना के अंतर्गत आर्थिक मदद करेगा। इसमें छावनी बोर्डों (कैंटोनमेंट बोर्डों) की तरफ से अपने बजट से चलाए जा रहे मौजूदा डे-केयर सेंटरों और वरिष्ठ नागरिक गृहों के संचालन और रखरखाव के लिए दी जाने वाली मदद भी शामिल होगी।

इस शहरों में पहले से ही डे केयर

अंबाला (हरियाणा)
देवलाली (महाराष्ट्र)
जबलपुर (मध्य प्रेदश)
रानीखेत (उत्तराखंड)
लैंसडाउन (उत्तराखंड)

इन 2 शहरों में सीनियर सिटीजन होम्स

अयोध्या (उत्तर प्रदेश)
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
सेना के बजट से चल रहे

फिलहाल सेना के डे केयर और सीनियर सिटीजन होम्स खुद के बजट से चलते हैं। ये मुख्य तौर पर रक्षा मंत्रालय से मिलने वाले अनुदान पर निर्भर होते हैं। नए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत, अव्यय योजना के अंतर्गत छावनियों में नए डे-केयर सेंटर या सीनियर सिटीजन होम स्थापित करने की तैयारी है।

आठ कैंटोनमेंट की पहचान

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ डिफेंस एस्टेट्स' ने आठ छावनी क्षेत्रों की पहचान की है, जहां नए डे-केयर सेंटर खोले जा सकते हैं। बयान में कहा गया है कि सामाजिक न्याय मंत्रालय के साथ परामर्श करके और फंड की उपलब्धता के आधार पर, पांच छावनियों में पहले से मौजूद डे-केयर सेंटरों और दो छावनियों में वरिष्ठ नागरिक गृहों (सीनियर सिटीजन होम्स) को भी बेहतर बनाया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ डिफेंस एस्टेट्स ने नए सेंटर खोलने के लिए जिन छावनियों की पहचान की है, वे बैरकपुर, बेलगाम, झांसी, खड़की, पुणे, सिकंदराबाद, सेंट थॉमस माउंट और दिल्ली में स्थित हैं।

शायद जिंदा वापस न लौट सकूं : इमरान खान ने जेल से पाकिस्तानी जजों को लिखी चिट्ठी; पत्नी के इलाज पर क्या कहा?

इस्लामाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को देश की शीर्ष अदालतों के मुख्य न्यायाधीशों से अपने और पत्नी बुशरा बीबी के लिए उचित चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी बिगड़ती सेहत जानलेवा साबित हो सकती है। इमरान ने पहले दिए गए अदालती आदेशों को लागू करने और जेल में बेहतर सुविधाएं देने की मांग भी की है। इमरान खान के वकील बैरिस्टर सलमान सफदर ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका यह खुला पत्र साझा किया। उन्होंने पिछले सप्ताह अदियाला जेल में इमरान खान से मुलाकात की थी।

'इस हालत में रहा तो जिंदा लौटना मुश्किल हो सकता है'

74 वर्षीय इमरान खान ने सुप्रीम कोर्ट, फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट और इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को संबोधित पत्र में अपनी सेहत को लेकर चिंता जताई। उन्होंने लिखा, 74 साल की उम्र में यह लगातार बनी हुई स्थिति मुझे ऐसी जगह ले जा रही है, जहां से शायद मैं जिंदा वापस न लौट सकूं।

इमरान ने दावा किया कि लंबे समय तक एकांत कारावास में रखने और चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ रही है। उनके मुताबिक, ब्लड प्रेशर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन हैमरेज और हार्ट अटैक का



खतरा भी बताया है। इमरान खान ने अपनी पत्नी बुशरा बीबी की सेहत का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बुशरा की आंखों की रोशनी लगातार कमजोर हो रही है और उन्हें आगे भी आंखों की सर्जरी की जरूरत है।

बुशरा बीबी को अप्रैल में रेटिना डिटैचमेंट की समस्या हुई थी, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई थी। इमरान ने दावा किया कि सर्जरी के बाद उन्हें फिर एकांत कारावास में भेज दिया गया और डॉक्टरों से मिलने तथा मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति नहीं दी गई। इमरान खान ने पत्र में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को अधिकारियों को उन्हें इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनकी जांच के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने और परिवार के सदस्यों से बातचीत की अनुमति देने को भी कहा था। उन्होंने लिखा, मैं आपके माननीय न्यायाधीशों से कोई विशेष कृपा नहीं मांग रहा हूं। न्याय के तौर पर मेरी केवल यही मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को लागू किया जाए और हमारी स्वास्थ्य समस्याओं का उचित इलाज कराया जाए।

दिन में 22 घंटे तक एकांत कारावास में रखने का दावा

इमरान ने आरोप लगाया कि उन्हें दिन में 22 घंटे तक एकांत कारावास में रखा जाता है। परिवार के सदस्यों और वकीलों से मिलने, किताबें पढ़ने और टीवी देखने की सुविधा भी नहीं दी जा रही है। उनके मुताबिक, वकीलों से मुलाकात भी सीमित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जेल के मेडिकल बोर्ड ने उनकी चिंता और मानसिक तनाव का उल्लेख किया था। बोर्ड ने पत्नी और परिवार से अधिक बार बातचीत करने के साथ पढ़ने की सामग्री और टीवी उपलब्ध कराने की सिफारिश की थी।

तोशाखाना-2 मामले में इमरान और बुशरा को 17 साल की सजा

इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना-2 मामले में 17 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यह मामला 2021 में आधिकारिक यात्रा के दौरान सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस की ओर से इमरान को उपहार में दिए गए महंगे बुल्गारी आभूषण सेट की खरीद से जुड़ा है।

एनवीडिया के सीईओ पद पर लौट सकते हैं जेन्सन हुआंग

इलॉन मस्क समेत कई दिग्गज समर्थन में उतरे, कंपनी के बोर्ड पर बना रहे दबाव

सिलिकॉन, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी एआई चिप कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग कंपनी की कमान फिर संभाल सकते हैं।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ इलॉन मस्क समेत सिलिकॉन वैली के कई बड़े कारोबारी उनकी वापसी के समर्थन में उतर आए हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, हुआंग ने भी अपने करीबियों से इस बारे में चर्चा की है। समर्थक चाहते हैं कि उन्हें दोबारा कंपनी की जिम्मेदारी दी जाए।

पिछले हफ्ते जेन्सन हुआंग के 3 महिलाओं से अफेयर होने की खबरें आई थीं। जेन्सन ने चीन की एलिस हुआंग से अफेयर की बात कबूली और 12 नवंबर को सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में उनके एनवीडिया की दो महिला कर्मचारियों से अफेयर की खबरें भी आईं। अमेरिकी एजेंसियों को शक है कि एलिस चीनी जासूस हैं। इलॉन मस्क और एपिक गेम्स



के सीईओ टिम स्वीनी भी जेन्सन हुआंग को वापस लाने के समर्थन में हैं। दोनों ने हुआंग को फिर से सीईओ बनाने की मांग का समर्थन किया है। कंपनी के कई कर्मचारी भी उनकी वापसी चाहते हैं।

एनवीडिया में निवेश करने वाली दो कंपनियों ने भी बोर्ड को चिट्ठी लिखी है। इनके प्रमुख ब्रैड गेर्स्टनर और गेविन बेकर का कहना है कि हुआंग ने कंपनी को काफी आगे बढ़ाया है। इसलिए बोर्ड को उन्हें वापस लाने के बारे में सोचना चाहिए।

फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, हुआंग के समर्थक बड़े कारोबारियों का एक समूह बना रहे हैं। यह समूह कंपनी के बोर्ड और व्हाइट हाउस से उनकी वापसी के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश करेगा।

हुआंग को लेकर पहला विवाद सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की पूर्व अधिकारी एलिस हुआंग से जुड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों की कई बार मुलाकात हुई थी। एलिस पर चीन की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का भी आरोप है।

दूसरा मामला एनवीडिया की हेल्थकेयर वाइस प्रेसिडेंट किम्बर्ली पॉवेल से जुड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि दोनों के बीच संबंध थे। किम्बर्ली सीधे हुआंग को रिपोर्ट करती थीं।

इसके अलावा रॉयटर्स ने दो लोगों के हवाले से एक तीसरी महिला के साथ भी हुआंग के संबंधों का दावा किया था। वह एनवीडिया की कर्मचारी बताई गई हैं। हालांकि, रिपोर्ट में उनकी पहचान नहीं बताई गई।

एलिस के साथ संबंधों की खबर सामने आने के बाद हुआंग ने कंपनी के कर्मचारियों को एक संदेश भेजा था। इसमें उन्होंने माना था कि वे अपनी पत्नी के प्रति वफादार नहीं रहे।

उन्होंने लिखा था, 'मेरे इस कदम से मेरी पत्नी और बच्चों को गहरा दुख पहुंचा है। मुझे इसका पछतावा है। मेरी जिम्मेदारी आप सभी का भरोसा बनाए रखने की थी, लेकिन मैं इसमें नाकाम रहा।' इसके बाद 12 नवंबर को उन्होंने सीईओ पद छोड़ दिया।

ब्रिटिश प्रिंस विलियम ने मुंबई में गली क्रिकेट खेला

सचिन से मुलाकात की, मेट्रो में सफर करेंगे, 18 नवंबर को पीएम मोदी से मिलेंगे

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन तीन दिन के भारत दौरे पर सोमवार को मुंबई पहुंचे। दोनों का स्वागत सचिन तेंदुलकर ने किया।

इस दौरान विलियम और केट ने मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट में गली क्रिकेट भी खेला। दोनों 17 नवंबर को होने वाले अर्थशॉट प्राइज समारोह में शामिल होंगे। इसके अगले दिन यानी 18 नवंबर को वे दिल्ली जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

विलियम और केट का यह दूसरा आधिकारिक भारत दौरा है। इससे पहले दोनों अप्रैल 2016 में भारत आए थे।

प्रिंस विलियम और केट मिडलटन मुंबई दौरे के दौरान शहर की मेट्रो में सफर करेंगे। केट एक अस्पताल भी जाएंगी। दोनों मुंबई के लोगों से मिलेंगे और शहर में पर्यावरण बचाने और नई तकनीक से जुड़े कामों के बारे में जानेंगे।

दोनों मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान क्रिकेट, फैशन और फिल्मों के जरिए भारत और ब्रिटेन



के पुराने रिश्तों को दिखाया जाएगा।

प्रिंस विलियम ने करीब 6 साल पहले अर्थशॉट प्राइज की शुरुआत की थी। इसका मकसद पर्यावरण की समस्याओं के समाधान के नए तरीके खोजने वाले लोगों और संस्थाओं को बढ़ावा देना है। हर साल 5 विजेताओं को चुना जाता है। हर विजेता को 10 लाख पाउंड यानी करीब 11 करोड़ रुपए दिए जाते हैं।

इस साल 17 नवंबर को मुंबई में इस पुरस्कार का छठा समारोह होगा। केंसिंग्टन पैलेस के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। इसके लिए भारत के 24 राज्यों के 15 हजार स्कूलों तक कार्यक्रम पहुंचाया गया है। समारोह से पहले प्रिंस विलियम पुरस्कार के फाइनलिस्ट से मुलाकात करेंगे। इस साल भारत की महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी भी फाइनलिस्ट में शामिल है। यह कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बनाती है।

इस बार पहली बार बच्चों के लिए चिल्ड्रन्स अर्थशॉट अवॉर्ड समारोह भी होगा। इसमें 9 से 17 साल के बच्चों के पर्यावरण बचाने से जुड़े विचारों और कामों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए बच्चों को अपने आसपास की पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। अर्थशॉट प्राइज की अवॉर्ड नाइट में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता रामी मालेक शामिल होंगे। फिल्ममेकर करण जौहर कार्यक्रम को होस्ट करेंगे।

गायिका श्रेया घोषाल ब्रिटिश बैंड टेक दैट के साथ प्रस्तुति देंगी। यह बैंड पहली बार भारत में परफॉर्म करेगा।

मुंबई की संगीतकार मर्लिन डी'सूजा के नेतृत्व में अर्थशॉट ऑर्केस्ट्रा भी प्रस्तुति देगा। इसके अलावा भारत का पहला ऑल-फीमेल हिप-हॉप ग्रुप वाइल्ड वाइल्ड वुमन भी परफॉर्म करेगा।

अर्थशॉट प्राइज के मुताबिक, अब तक भारत से सबसे ज्यादा विजेता और फाइनलिस्ट चुने गए हैं। यह पुरस्कार जलवायु परिवर्तन, कचरे, वायु प्रदूषण, समुद्रों के संरक्षण और पेड़-पौधों व जीव-जंतुओं को बचाने से जुड़े समाधानों के लिए दिया जाता है।

नेतन्याहू को जोरदार झटका, अरब पार्टी के कद्दावर नेता बने डिप्टी स्पीकर

तेल अवीव, 16 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल की संसद में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को जोरदार झटका लगा है और अरब सांसद के कद्दावर नेता अहमद तिबी नये डिप्टी स्पीकर चुन लिए गये हैं।

अहमद तिबी 'ज्वाइंट लिस्ट' पार्टी से सांसद चुने गये हैं और नेतन्याहू के कट्टर विरोधियों में गिने जाते हैं। इसके अलावा दक्षिणपंथी पार्टी 'यिसरायल बेतेनु' के चीफ एविग्डोर लिबरमैन को संसद की विदेश मामलों की रक्षा समिति का चेयरमैन चुना गया है। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री पद के दावेदार गादी आइसेनकोट ने कहा है 'नेतन्याहू अब एक मिनट के लिए भी सरकार के प्रमुख बने नहीं रह सकते हैं।'

उनका ये बयान उस वक्त आया है जब कुछ रिपोर्ट्स में कहा है कि आइजनकोट और नेतन्याहू साथ मिलकर एक 'राष्ट्रीय एकता सरकार' बनाने की संभावना तलाश रहे हैं जिसे आइजनकोट ने खारिज कर दिया है। कुल मिलाकर इजरायल में नई सरकार के गठन को लेकर सस्पेंस बढ़ता जा रहा है और माथापच्ची भी जारी है। आइजनकोट ने कहा है कि 'नेतन्याहू और उनके सहयोगियों का व्यवहार इजरायली लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।'

अहमद तिबी, फिलीस्तीनी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली 'ज्वाइंट प्रार्टी' के नेता हैं और उन्हें दूसरी अरब 'रा'म' पार्टी का समर्थन हासिल है। इन दोनों ही पार्टियों ने पिछले महीने 27 तारीख को हुए चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है और 19 सीटें जीती हैं। अलजजीरा की एक रिपोर्ट में तिबी ने कहा है कि 'ज्वाइंट लिस्ट' के लिए ये एक जायज उपलब्धि है जिसने 11 सीटें हासिल की हैं।

अफगानिस्तान को 5 साल बाद मिला पहला फाइटर जेट

एल-39 ने भरी सफल उड़ान, पाकिस्तान को झटका

काबुल, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कई सालों की मेहनत के बाद फाइटर जेट उड़ाने में कामयाबी पाई है। इस विमान ने काबुल के ऊपर अपनी पहली उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की है। अफगानिस्तान के सोशल मीडिया पर इसके वीडियो शेयर किए गए हैं और बताया गया है कि देश कई सालों बाद काबुल के ऊपर फिर से तैयार किए गए एल-39 जेट को उड़ाया। मौजूदा सरकार ने रूस के इस जेट को मरम्मत करके फिर से उड़ने लायक बनाया है। यह खासतौर से पाकिस्तान के लिए एक झटका है क्योंकि दोनों देशों में काफी समय से तनाव चल रहा है। पाकिस्तान ने कई बार अफगानिस्तान में हवाई हमले किए हैं। अफगानिस्तान के पास कोई जेट ना होने से पाकिस्तान को हवाई हमले करने में अब तक कोई अड़चन नहीं आती रही है।

सोवियत-युग के खराब पड़े 'एरो



एल-39 अल्बाट्रोस' जेट ट्रेनर को काफी कोशिशों के बाद ठीक किया गया और रविवार को इसने काबुल हवाई अड्डे से उड़ान भरी। इसने राजधानी के ऊपर चक्कर लगाए। इसने बहुत कम ऊंचाई पर उड़ान भरी कि इसे जमीन से कई लोगों ने आसानी से देखा। इसके साथ ही करीब पांच साल बाद फिर से काबुल को अपना जेट मिला है।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से जुड़े सोशल अकाउंट्स ने इसे अफगानिस्तान के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया है क्योंकि पांच साल तक बिना जेट के रहने के बाद देश को ये कामयाबी मिली है। सोशल यूजर्स ने इस विमान के पहली उड़ान की कामयाबी को देश में आगे और लड़ाकू विमान बनने का रास्ता कहा है।

सोशल यूजर्स पर कई लोगों ने ये भी कहा है कि इस जेट को दोबारा उड़ने लायक बनाने में शायद रूस और भारत से काबुल को मदद मिली है। कई यूजर्स ने ये भी कहा कि यह जेट केवल एक बेसिक ट्रेनर है, जिसमें आधुनिक लड़ाकू विमानों जैसी क्षमताएं नहीं हैं। ऐसे में अफगानिस्तान की कमजोर एयरफोर्स की चुनौतियां अभी बनी रहेंगी।

एल-39 मल्टी-रोल जेट ट्रेनर

एरो एल-39 अल्बाट्रोस चेक डिजाइन वाला जेट ट्रेनर है, जिसे 1960 के दशक में 'एरो वोडोचोडी' ने बनाया था।

एल-39 अल्बाट्रोस सबसोनिक, टैंडम-सीट (आगे-पीछे बैठने की व्यवस्था) जेट ट्रेनर और हल्का हमलावर विमान है।

नवंबर 1968 में पहली बार उड़ान भरने वाला यह विमान, टर्बोफैन इंजन से चलने वाला दुनिया का पहला जेट ट्रेनर था।

1970 के दशक की शुरुआत में ये सेवा में शामिल हुआ और जल्दी सबसे लोकप्रिय मिलिट्री ट्रेनिंग जेट में एक बन गया।

एल-39 अभी भी रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज में सेवा में है।

क्वॉड को कमजोर कर रहे ट्रंप?

अमेरिका ने तोड़ी चुप्पी, भारत न आकर फिलीपींस में मोदी से मिलेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात के बाद ऐसे अटकलें तेज हो गई हैं। अमेरिका जी-2 बनाने की ओर बढ़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार जी-2 पर जोर दे चुके हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रंप की इस चाल से अमेरिका के क्वॉड के पार्टनर देश हैरान हैं। जिस क्वॉड को चीन की बढ़ती दादागिरी को रोकने के लिए बनाया गया है, उसके सबसे अहम सदस्य अमेरिका ने चीन के साथ गलबहियां करनी शुरू कर दी हैं। इन चुभते सवालों के बीच अमेरिका की ओर से क्वॉड के भविष्य को लेकर सफाई आई है। अमेरिका ने कहा है कि यह कहना गलत है कि ट्रंप सरकार में क्वॉड का पतन हो रहा है। अमेरिका के इस बयान के बीच पीएम मोदी फिलीपींस जा रहे हैं जहां पर मंगलवार शाम को क्वॉड का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। अमेरिका के सहायक वदिश मंत्री डयलान जोहान्सन ने अमेरिकी मीडियो पोलिटिको की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। जोहान्सन ने कहा कि अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया की सदस्यता वाला क्वॉड एक अनौपचारिक और राजनयिक भागीदारी है और यह ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में पतन की राह पर नहीं है। क्वॉड देश मंगलवार शाम को फिलीपींस की राजधानी मनीला में बैठक करने जा रहे हैं। करीब दो साल के लंबे अंतराल के बाद क्वॉड देशों की शिखर बैठक हो रही है। क्वॉड देश समुद्री सुरक्षा, जटिल और उभरती हुई तकनीक, जलवायु परिवर्तन, हेल्थ और आर्थिक सुरक्षा आदि को बढ़ाने पर सहयोग करेंगे।

बालों को गिरने से बचाएगा इलेक्ट्रिक कंघा?

चीनी वैज्ञानिकों ने चूहों पर किए टेस्ट, मिले शानदार नतीजे

बीजिंग, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बालों का झड़ना दुनिया में बहुत से लोगों के लिए बड़ी समस्या है। बाल झड़ने पर कई लोग अक्सर कंघी का इस्तेमाल कम करने लगते हैं। बालों को झड़ने से बचाने के लिए अब शायद कंघी कम करने की जरूरत नहीं होगी। चीनी वैज्ञानिकों की रिसर्च में बालों के झड़ने की समस्या से निपटने का एक नया और असरदार तरीका खोजा है। इस रिसर्च में एक खास कंघी ने सबसे अहम भूमिका निभाई है। दुनियाभर में एक अरब से ज्यादा लोगों को बाल झड़ने की समस्या मानी जाती है।

नेचर कम्युनिकेशंस में छपी स्टडी में पेश किया गया डीटैंगल सिस्टम एक नई किस्म की कंघी पेश करती है। असल में यह कोई आम कंघी नहीं है बल्कि कंघी के आकार का खास बायो-इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है।



फिलहाल डीटैंगल का टेस्ट केवल चूहों पर किया गया है। इसके नतीजे बताते हैं कि यह इलेक्ट्रिक कंघी एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया (एजीए, पैटर्न हेयर लॉस) के इलाज में बहुत कारगर टूल साबित हो सकती है।

बीजिंग की बेइहांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया है कि इस सिस्टम में अलग-अलग लंबाई वाले इलेक्ट्रोड हैं। इसमें दवा डालने के लिए मॉड्यूल दिए गए हैं। यह ऐसा इलेक्ट्रिक फील्ड बनाता है, जो बालों की जड़ों (हेयर फॉलिकल्स) तक बाहरी तौर पर लगाई जाने वाली दवाओं की तुलना में 9 गुना गहराई तक पहुंचता है। साइंस अलर्ट के मुताबिक, यह डिवाइस अलग-अलग लंबाई वाले दांतों (कांटों) के जरिए पल्स्ड इलेक्ट्रिक फील्ड पैदा करता है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि दांतों की लंबाई में यह अंतर एक ऐसा इलेक्ट्रिक फील्ड बनाता है, जो सभी दांतों को एक ही कतार में रखने के मुकाबले में 2.63 गुना ज्यादा ताकतवर होता है।

2 तरह से करता है काम

बालों को दोबारा उगाने के मामले में डीटैंगल दो तरह से काम करता है- **पहला:** इसके दांतों से निकलने वाले इलेक्ट्रिक पल्स बालों की जड़ों (फॉलिकल्स) को उत्तेजित करके बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देते हैं।

दूसरा: इसके छोटे दांतों में दवा पहुंचाने वाला सिस्टम है। यह इलेक्ट्रोपोरेशन प्रक्रिया के जरिए दवा को त्वचा में गहराई तक पहुंचाता है। रिसर्च में इलेक्ट्रिक स्टिमुलेशन के साथ दो तरह के जेनेटिक ट्रीटमेंट का इस्तेमाल किया गया है-

पहला: वीईजीएफए प्लास्मिड बालों की जड़ों के आसपास रक्त वाहिकाओं (ब्लड वेसेल्स) को बढ़ावा देता है। चूहों पर किए गए कई प्रयोगों में पूरे सिस्टम के मिलेजुले असर से बहुत शानदार नतीजे देखने को मिले।

दुनिया के 500 सबसे ताकतवर मुस्लिमों की लिस्ट जारी

मुनीर टॉप पर, एर्दोगन ममदानी और हूती का भी नाम

इस्लामाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को मौजूदा समय में दुनिया की सबसे प्रभावशाली मुस्लिम शख्सियत माना गया है। लिस्ट में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगन भी पहले नंबर पर हैं। रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर ने दुनिया के 500 सबसे प्रभावशाली मुसलमानों की लिस्ट में चार लोगों को संयुक्त रूप से टॉप पर रखा गया है। अम्मान में स्थित शोध संस्थान आरआईएसएससी साल 2009 से हर साल दुनिया के 500 सबसे प्रभावशाली मुसलमानो शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। संस्थान का दावा है कि वह अपनी लिस्ट में लोगों को शामिल करता है, जो बड़ा प्रभाव डालने वाले पदों पर हैं।

थाईलैंड के फुकेट में इमारत में आग, 11 की मौत

बाइक स्टोर से लपटें फैली, पास के ट्रांसफॉर्मर में हुआ था धमाका

बैंकॉक, 16 नवंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड के फुकेट द्वीप पर सोमवार तड़के एक इमारत में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 घायल हुए हैं। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मोटरसाइकिल किराए पर देने की दुकान थी और ऊपर की मंजिलों पर लोग रहते थे। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग लगने से कुछ देर पहले पास के बिजली ट्रांसफॉर्मर में धमाका हुआ था। हालांकि, पुलिस आग लगने की असली वजह की जांच कर रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, आग सुबह करीब 2 बजे लगी। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शुरुआत में किसी विदेशी नागरिक के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

फुकेट के गवर्नर चोडनारिन



कोएडसोम के मुताबिक, इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में करीब 100 मोटरसाइकिलें रखी थीं। वहां गैस, इंजन ऑयल, प्लास्टिक का सामान और टायर भी रखे हुए थे।

गवर्नर ने बताया कि इन ज्वलनशील चीजों की वजह से आग तेजी से फैल सकती है। इनसे उठे घने और जहरीले धुएं ने भी लोगों के लिए खतरा बढ़ा दिया। अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने के बाद लोग बचने के लिए इमारत की ऊपरी मंजिलों की ओर भागे। एक शव तीसरी मंजिल पर मिला, जबकि 10 शव पांचवीं मंजिल पर पाए गए। घटना वाली इमारत फुकेट के पश्चिमी तट पर मशहूर पातोंग बीच के पास एक कस्बे में है। फुकेट दक्षिणी थाईलैंड का एक द्वीप है और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। करीब चार महीने पहले 12 जुलाई को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के चातुचक जिले में एक बार में आग लग गई थी।

शेख हसीना के गृहनगर गोपालगंज में हिंसा भड़की

पुलिस चौकी पर हमला, गाड़ी जलाई, भारत से प्रत्यर्पण को लेकर तनाव



ढाका, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के गृहनगर गोपालगंज में रविवार को हिंसा भड़क गई। सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बख्तरबंद गाड़ी में आग लगा दी और एक पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की।

उन्होंने पुलिस के बैरिकेड तोड़कर शहर की कई सड़कों पर कब्जा कर लिया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तलवारें और भाले भी थे। इस दौरान उन्होंने 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिरने की याद में बनाया गया स्मारक भी तोड़ दिया। गोपालगंज को शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग का मजबूत गढ़ माना जाता है। यहां हिंसा ऐसे समय हुई है, जब हसीना ने बांग्लादेश लौटने का ऐलान किया है। वे अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद अपनी सरकार गिरने पर भारत आ गई थीं। तब से भारत में ही रह रही हैं।

79 साल की शेख हसीना जुलाई से कई बार कह चुकी हैं कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उन्होंने कहा है कि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में हसीना को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने इन आरोपों और मुकदमे को मानने से इनकार किया है।

ईरानी सेना संग संबंधों पर सुन्नी बहरीन का बड़ा ऐक्शन

57 शिया मौलानाओं को आजीवन जेल

मनामा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान युद्ध की तनातनी के बीच बहरीन के हाई कोर्ट ने 64 शियाओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इनमें 57 तो शिया मौलाना हैं। इन सभी पर ईरान की सेना के साथ रश्ते रखकर आतंकी गतिवधियों का आरोप है। बहरीन ने यह कदम ऐसे समय पर हुआ है जब शिया देश ईरान ने हाल ही में उसके यहां मौजूद एक अमेरिकी रडार स्टेशन को उड़ा दिया था। बहरीन हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कुल 69 लोगों को दोषी ठहराया है। इसमें ग्रैंड मुफ्ती अयातुल्ला शेख इसा कासिम भी शामिल हैं। इस सजा के ऐलान के बाद से ही शिया समुदाय में भारी गुस्सा है। बहरीन में कुल आबादी का 45 से 49 फीसदी शिया मुस्लिम हैं और यहां के शासक सुन्नी हैं। अमेरिका



की सेना भी बहरीन में मौजूद है और सऊदी का भी पूरा सपोर्ट रहता है।

बहरीन के लोक अभियोजक ने कहा कि ये सभी जेल भेजे गए लोग ईरानी सेना रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ मिलकर आतंकी गुट चला रहे थे। ब्रिटेन स्थित बहरीन इंस्टीट्यूट फॉर राइट्स एंड डेमोक्रेसी ने एक वकील के हवाले से यह जानकारी दी है। इस वकील ने कोर्ट की कार्रवाई में हस्सिा लिया था। बहरीन के ऐक्शन का असर यह है कि सजा पाने वाले में देश के सबसे वरिष्ठ शिया धर्म गुरु को भी जेल भेज दिया गया है। इस फैसल के बाद दुनियाभर के शिया भड़क उठे हैं। वे बहरीन में प्रदर्शन कर रहे हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही ईरान की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आ सकती है। इन शिया मौलानाओं पर आरोप लगाया गया है कि वे ईरान के साथ मिलकर बहरीन में तख्तापलट करना चाहते थे। कासिम समेत 13 दोषी अदालत में मौजूद नहीं थे। 5 लोगों को 15 साल जेल की सजा भी सुनाई गई है। मानवाधिकार गुटों ने इस सुनवाई की निंदा की है। आशंका जताई जा रही है कि इस फैसले के बाद बहरीन में शिया-सुन्नी विवाद भड़क सकता है। बता दें कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद बहरीन को तेहरान के भीषण हमलों का सामना करना पड़ा है।

बहरीन ने अब अपने देश में मौजूद शियाओं पर सख्त ऐक्शन लेना शुरू कर दिया है। इनमें से कई पर ईरान आईआरजीसी से संबंध रखने का आरोप है। बहरीन एक सुन्नी मुस्लिम देश है और यहां के शियाओं का आरोप है कि उन्हें अलग-थलग करके रखा गया है।

पश्चिम एशिया के हर बड़े संघर्ष में ईरान की भूमिका

रूबियो बोले- तेहरान की विस्तारवादी मानसिकता बड़ा खतरा

वाशिंगटन, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान पर पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लगभग हर बड़े संघर्ष के पीछे ईरान की भूमिका एक साझा कारक के रूप में दिखाई देती है। रुबियो ने ईरान की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को 'असाधारण ऐतिहासिक खतरा' बताते हुए कहा कि इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। फेडरलिस्ट सोसाइटी के नेशनल लॉयर्स कन्वेंशन को संबोधित करते हुए रुबियो ने यमन के हूती विद्रोहियों, इराक के शिया मिलिशिया, सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक बलों और लेबनान के हिजबुल्ला का जिक्र किया।

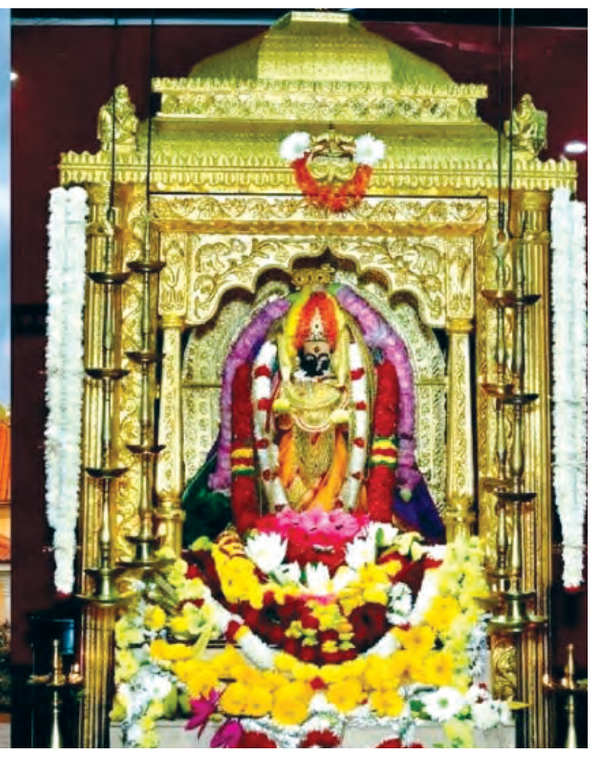




गोवा का अनोखा महालक्ष्मी मंदिर

पुर्तगालियों के अत्याचार से बचाने के लिए भक्तों ने दी थी जान





गोवा का महालक्ष्मी मंदिर अपनी अनूठी और रोमांचक गाथा के लिए प्रसिद्ध है. पुर्तगालियों के अत्याचारों के दौर में जब इस पवित्र मंदिर पर संकट आया, तब भक्तों ने अपनी जान की बाजी लगाकर मां की रक्षा की थी. आज भी इस ऐतिहासिक मंदिर में देवी महालक्ष्मी की दो मूर्तियां एक साथ विराजमान हैं, जो श्रद्धालुओं के अटूट विश्वास और भक्ति का प्रतीक हैं।

भारत में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिनका इतिहास सदियों पुराना है और जिनसे जुड़ी कहानियां आज भी लोगों को हैरान कर देती हैं. ऐसा ही एक मंदिर गोवा के पोंडा के पास बंदोरा (बांदोडे) में स्थित मां महालक्ष्मी का मंदिर है. मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

यह मंदिर अपनी खूबसूरत बनावट, धार्मिक मान्यताओं और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है, लेकिन इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां मां महालक्ष्मी की एक नहीं, बल्कि दो मूर्तियां विराजमान हैं. इसके पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है. आइए जानते हैं इस मंदिर के बारे में खास बातें...

महालक्ष्मी देवी मंदिर का इतिहास

महालक्ष्मी देवी मंदिर का इतिहास 1413 से जुड़ा बताया जाता है. हालांकि, गोवा में पुर्तगालियों के शासन के दौरान 16वीं शताब्दी में कई हिंदू मंदिरों पर संकट आ गया था. उस दौर में मंदिरों को तोड़े जाने और धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाए जाने का खतरा बढ़ गया था. ऐसे में दक्षिण गोवा के साल्सेट इलाके के कोल्वा में स्थित मां महालक्ष्मी के मंदिर से देवी की मूर्ति को सुरक्षित स्थान पर ले जाने का फैसला किया गया।

मां की मूर्ति को बचाई

कहते हैं कि मां की मूर्ति को बचाने की जिम्मेदारी साफ्टो और फातो नाम के दो निष्ठावान भक्तों ने उठाई थी. दोनों भक्तों ने अपनी जान की परवाह किए बिना रात के अंधेरे में देवी की मूर्ति को एक बड़े बक्से में छिपाया और वहां से लेकर निकल पड़े।

दोनों भक्त मां की मूर्ति को लेकर पोंडा के पास स्थित तालाउली गांव पहुंचे. कहा जाता है कि जिस स्थान पर देवी की मूर्ति को कुछ समय के लिए रखा गया था, वहां मां के चरण-चिह्न मौजूद हैं. गांव के लोग आज भी इन चरण-चिह्नों को श्रद्धा के साथ पूजते हैं।

दूसरे मंदिरों से थोड़ा अलग और खास

बाद में कोल्वा से लाई गई मां की मूर्ति को बंदोरा में स्थापित कर दिया गया. खास बात यह थी कि यहां पहले से ही मां महालक्ष्मी की एक दूसरी मूर्ति विराजमान थी. इस तरह मंदिर में देवी की दो मूर्तियां एक साथ स्थापित हो गईं. यही वजह है कि यह मंदिर दूसरे मंदिरों से थोड़ा अलग और खास माना जाता है।

मंदिर की पारंपरिक वास्तुकला और खूबसूरती

मंदिर में प्रवेश करते ही इसकी पारंपरिक वास्तुकला और खूबसूरती ध्यान खींचती है. मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक तोरण और हाथियों की मूर्तियों से सजाया गया है. अंदर की छत पर पुराने जमाने के खूबसूरत झूमर लगे हैं. वहीं, दीवारों पर भगवान गणेश, हनुमान और गरुड़ की सुंदर नक्काशी देखने को मिलती है।

मंदिर की भीतरी दीवारों पर पुराणों से जुड़ी कथाओं को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है. यह मंदिर सिर्फ पूजा-पाठ का स्थान नहीं, बल्कि इतिहास, आस्था और साहस की एक अनोखी कहानी भी समेटे हुए है. यहां मां की दो मूर्तियों के दर्शन के साथ भक्त उन दो निष्ठावान लोगों के बलिदान और श्रद्धा को भी याद करते हैं, जिन्होंने देवी की प्रतिमा को सुरक्षित रखने का बीड़ा उठाया था।

जिस उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन मानते हैं, उसका घर में दिखना शुभ या अशुभ?



उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक परिवार उस वक्त हैरान रह गया, जब उन्हें अपने नवनिर्मित मकान की दुछत्ती में एक साथ 7 उल्लू दिखाई दिए. इतनी बड़ी संख्या में उल्लुओं को देखकर परिवार के लोग घबरा गए. आमतौर पर उल्लू को लेकर लोगों के मन में कई तरह की धारणाएं हैं. कहीं इसे मां लक्ष्मी का वाहन मानकर शुभ संकेत से जोड़ा जाता है, तो कहीं इसकी आवाज या घर के आसपास मौजूदगी को लेकर डर और अशुभ होने की बातें कही जाती हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि नए घर में उल्लुओं का मिलना धार्मिक नजरिए से क्या संकेत देता है? क्या एक साथ सात उल्लुओं का दिखना भी शुभ माना जाता है या इसके पीछे कोई दूसरी मान्यता है?

उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन क्यों माना जाता है?

हिंदू धर्म में उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना गया है. मां लक्ष्मी धन, सुख और समृद्धि की देवी हैं. धार्मिक तस्वीरों और कई धार्मिक परंपराओं में देवी देवताओं को उल्लू के साथ दिखाया जाता है. खासतौर पर बंगाल में मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान उल्लू का विशेष महत्व देखने को मिलता है. उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन मानने के पीछे एक प्राकृतिक वजह भी बताई जाती है. उल्लू खेतों को नुकसान पहुंचाने वाले चूहों को खाता है. इससे फसलों की सुरक्षा में मदद मिलती है।

घर में उल्लू दिखना शुभ है या अशुभ?

उल्लू को लेकर भारत में अलग-अलग लोक मान्यताएं प्रचलित हैं. कुछ जगहों पर घर के आसपास उल्लू दिखाई देना धन और समृद्धि का संकेत माना जाता है. वहीं, कुछ समुदायों में घर की छत पर उल्लू का बैठना या रात में उसकी आवाज सुनना अशुभ समझा जाता है. दिलचस्प बात यह है कि जिस पक्षी को मां लक्ष्मी का वाहन माना जाता है, उसी को कुछ जगहों पर डर और अनहोनी से जोड़ दिया जाता है।

क्या एक साथ 7 उल्लुओं का दिखना कोई खास संकेत है?

हापुड़ की घटना में एक साथ सात उल्लुओं का दिखाई देना लोगों के लिए कौतूहल का विषय जरूर है. सात की संख्या को हिंदू परंपरा में कई जगह खास माना जाता है. सात फेरे, सात ऋषि और सात लोक जैसी अवधारणाएं इसका उदाहरण हैं।

क्या उल्लू मिलने पर कोई पूजा या उपाय करना चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उल्लू मां लक्ष्मी का वाहन है. इसलिए इसे देखकर डरने या किसी खास पूजा-पाठ की जरूरत नहीं होती. लेकिन लोक मान्यताओं के आधार पर 1, 3, 5 या 7 की संख्या में उल्लू दिखने पर दूर से ही दीपक जला कर पूजा की जा सकती है. कुछ घरों में उल्लू को कुल देवता के रूप में भी पूजा जाता है।

जब यमराज भी एक बालक की जिद के आगे झुक गए



जीवन में बड़ी सफलता पाने के लिए उम्र नहीं, बल्कि सही सवाल पूछने का साहस और लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण चाहिए. कठोपनिषद में वर्णित बालक नचिकेता और मृत्यु के देवता यमराज का संवाद इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. यह कथा बताती है कि कैसे एक छोटे से बालक ने अपने धैर्य, निडरता और सत्यनिष्ठा के दम पर न केवल यमराज को प्रसन्न किया, बल्कि जीवन और मृत्यु का सबसे बड़ा रहस्य भी जान लिया।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक मजबूती और फोकस बढ़ाने के लिए नचिकेता की यह कहानी किसी संजीवनी से कम नहीं है. आइए जानते हैं नचिकेता की पूरी कहानी और उससे मिलने वाले जीवन बदलने वाले सबक।

यज्ञ और पिता के क्रोध की शुरुआत:

प्राचीन काल में महर्षि वाजश्रवा (उद्दालक) ने 'विश्वजित' नाम का एक विशाल यज्ञ किया. इस यज्ञ का एक सख्त नियम था कि यजमान को अपनी सारी प्रिय संपत्ति दान करनी होती है. लेकिन महर्षि वाजश्रवा ने मोह में पड़कर केवल बूढ़ी, बीमार और दूध न देने वाली गायें ही दान में देनी शुरू कर दीं.

उनका छोटा पुत्र नचिकेता यह सब देख रहा था. वह समझ गया कि ऐसी कमजोर गायों के दान से पिता को पुण्य के बजाय पाप लगेगा. अपने पिता को इस गलती से बचाने के लिए नचिकेता ने मासूमियत और साहस के साथ बार-बार पूछा, पिताजी, आप मुझे किसे दान में देंगे?

बेटे के बार-बार एक ही सवाल पूछने पर महर्षि वाजश्रवा क्रोधित हो गए और गुस्से में कह दिया, मैं तुझे मृत्यु (यमराज) को देता हूँ।

यमलोक के द्वार पर तीन दिन की कठिन प्रतीक्षा:

नचिकेता एक बेहद आज्ञाकारी और सत्यवादी बालक था. पिता के मुंह से निकले वचनों को सच साबित करने के लिए वह बिना डरे तुरंत यमलोक की ओर चल पड़ा. जब नचिकेता यमराज के द्वार पर पहुँचा, तो उस समय यमराज वहां मौजूद नहीं थे.

बिना हार माने नचिकेता ने बिना कुछ खाए-पिए तीन दिन और तीन रात तक यमराज के दरवाजे पर उनका इंतजार किया. जब यमराज लौटे, तो उन्हें पता चला कि एक तेजस्वी ब्राह्मण बालक उनके दरवाजे पर तीन दिनों से भूखा-प्यासा बैठा है. इसे अतिथि धर्म का बड़ा अपमान मानते हुए यमराज ने नचिकेता से क्षमा माँगी और प्रायश्चित के तौर पर उसे तीन वरदान मांगने को कहा।

नचिकेता ने अपनी उम्र से कहीं अधिक बुद्धिमानी दिखाते हुए अपने तीनों वरदान मांगे:

पहला वरदान (पिता का क्रोध शांत हो): नचिकेता ने सबसे पहले अपने पिता की चिंता की. उसने मांगा कि जब वह पृथ्वी पर वापस लौटे, तो उसके पिता का गुस्सा पूरी तरह शांत हो जाए और वे उसे पहले की तरह प्रेम से अपना लें. यमराज ने तुरंत 'तथास्तु' कह दिया।

दूसरा वरदान (स्वर्ग की अग्नि का ज्ञान): दूसरे वरदान में नचिकेता ने स्वर्ग लोक प्राप्त करने वाली 'अग्नि विद्या' का रहस्य पूछा, जहाँ न भूख लगती है, न प्यास और न ही मृत्यु का कोई भय होता है. यमराज ने प्रसन्न होकर नचिकेता को इस यज्ञ का पूरा ज्ञान दिया और उस अग्नि का नाम ही 'नचिकेत अग्नि' रख दिया।

तीसरा वरदान (मृत्यु के बाद का सत्य): तीसरे वरदान में नचिकेता ने सबसे कठिन सवाल पूछा. उसने जानना चाहा कि मृत्यु के बाद आत्मा का क्या होता है? कुछ लोग कहते हैं कि आत्मा का अस्तित्व रहता है, तो कुछ मानते हैं कि सब खत्म हो जाता है. नचिकेता इसका वास्तविक सत्य जानना चाहता था।

लालच को ठुकराकर पाया आत्मज्ञान:

तीसरा प्रश्न सुनकर स्वयं यमराज भी एक पल के लिए झिझक गए, क्योंकि यह रहस्य देवताओं के लिए भी दुर्लभ था. यमराज ने नचिकेता की परीक्षा लेने और उसे इस प्रश्न से भटकाने के लिए अपार धन, लंबी आयु, विशाल राज्य, रथ और दुनिया के तमाम सुखों का लालच दिया।

लेकिन नचिकेता अपने निश्चय से टस से मस नहीं हुआ. उसने बड़ी विनम्रता से कहा कि ये सभी सांसारिक सुख क्षणभंगुर (नष्ट होने वाले) हैं और इंसान की इंद्रियों को कमजोर बनाते हैं. नचिकेता की इस दृढ़ता और वैराग्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए. अंत में यमराज ने नचिकेता को 'आत्मा की अमरता' और 'ब्रह्मज्ञान' का उपदेश दिया. उन्होंने समझाया कि यह शरीर नश्वर है, लेकिन आत्मा अजर और अमर है, जिसे न कोई शस्त्र काट सकता है और न ही मृत्यु मिटा सकती है।

महाभारत के युद्ध के बाद एक रात में सभी योद्धा जिंदा क्यों हो गए थे?



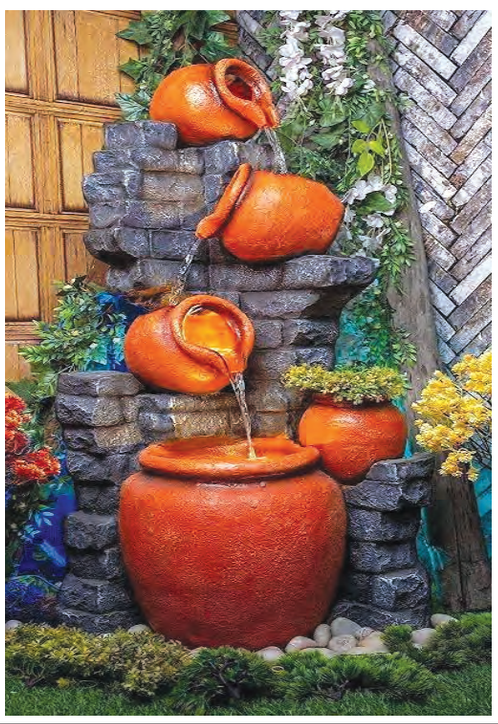
महाभारत की मान्यता के अनुसार कुरुक्षेत्र के युद्ध में मारे गए सभी शूरवीर योद्धा जैसे कि भीष्म, द्रोणाचार्य, दुर्योधन, अभिमन्यु, द्रौपदी के पुत्र, कर्ण, शिखंडी आदि सभी एक रात के लिए पुनर्जीवित हुए थे। यह घटना महाभारत युद्ध खत्म होने के 15 साल बाद घटित हुई थी। यह उस समय की बात है जब धृतराष्ट्र, कुंती, विदुर, गांधारी और संजय वन में रहते थे। एक दिन वन में उनसे मिलने युधिष्ठिर पधारे तभी यह घटना घटी।

विदुरजी के प्राण त्यागने के बाद धृतराष्ट्र के आश्रम में महर्षि वेदव्यास आए। जब उन्हें पता चला कि विदुरजी ने शरीर त्याग दिया तब उन्होंने बताया कि विदुर धर्मराज के अवतार थे और युधिष्ठिर भी धर्मराज का ही अंश हैं इसलिए विदुरजी के प्राण युधिष्ठिर के शरीर में समा गए। महर्षि वेदव्यास ने धृतराष्ट्र, गांधारी और कुंती से कहा कि आज मैं तुम्हें अपनी तपस्या का प्रभाव दिखाऊंगा। तुम्हारी जो इच्छा हो वह मांग लो।

तब धृतराष्ट्र व गांधारी ने युद्ध में मृत अपने पुत्रों तथा कुंती ने कर्ण को देखने की इच्छा प्रकट की। द्रौपदी आदि ने कहा कि वे भी अपने परिजनों को देखना चाहते हैं। महर्षि वेदव्यास ने कहा कि ऐसा ही होगा। युद्ध में मारे गए जितने भी वीर हैं, उन्हें आज रात तुम सभी देख पाओगे। ऐसा कहकर महर्षि वेदव्यास ने सभी को गंगा तट पर चलने के लिए कहा। महर्षि वेदव्यास के कहने पर सभी गंगा तट पर एकत्रित हो गए और रात होने का इंतजार करने लगे।

महर्षि वेदव्यास ने धृतराष्ट्र व गांधारी को दिव्य नेत्र प्रदान किए। अपने मृत परिजनों को देख सभी के मन में हर्ष छा गया। सारी रात अपने मृत परिजनों के साथ बिताकर सभी के मन में संतोष हुआ। अपने मृत पुत्र, भाई, पतियों और अन्य संबंधियों से मिलकर सभी का संताप दूर हो गया। इस प्रकार वह अद्भुत रात समाप्त हो गई।

फेंगशुई: इन 3 बदलावों से घर में आएगा पैसा ही पैसा





क्या आप जानते हैं कि आपके घर की सजावट आपकी जेब पर असर डाल सकती है! फेंगशुई के ये 3 छोटे बदलाव न केवल घर में सकारात्मकता लाते हैं, बल्कि बंद पड़े आय के रास्तों को भी खोल देते हैं। आज ही आज़माएं ये खास फेंगशुई टिप्स...

1. मुख्य द्वार को 'मनी मैग्नेट' बनाएं फेंगशुई में मुख्य द्वार को 'ऊर्जा का मुख' माना जाता है। यहीं से अवसर और पैसा घर में प्रवेश करते हैं।

दरवाजे पर एक सुनहरी नेमप्लेट लगाएं और प्रवेश द्वार को हमेशा चमकदार रोशनी से भरा रखें। द्वार के पास एक 'मनी प्लांट' या 'जेड प्लांट' रखना धन को आकर्षित करता है।

ये बदलाव करें: दरवाजे के पीछे कोई भी कबाड़, पुराने जूते-चप्पल या डस्टबिन न रखें।

2. पानी का सही स्थान

फेंगशुई के अनुसार, 'पानी' धन का प्रतीक है। लेकिन अगर पानी गलत दिशा में हो या टपक रहा हो, तो यह धन हानि का कारण बनता है।

बदलाव: घर के उत्तर या दक्षिण-पूर्व कोने में एक छोटा वाटर फाउंटेन रखें। ध्यान रहे कि पानी हमेशा बहता रहे और साफ हो।

अगर घर में कोई नल टपक रहा है, तो उसे तुरंत ठीक करवाएं, क्योंकि यह पैसे की बर्बादी को दर्शाता है।

3. रसोई में 'चूल्हे' की स्थिति

किचन को घर का 'वेल्थ सेंटर' माना जाता है। चूल्हा सीधे तौर पर आपकी वित्तीय स्थिति से जुड़ा होता है। चूल्हे को हमेशा साफ रखें। फेंगशुई कहता है कि चूल्हे के सभी बर्नर का इस्तेमाल बारी-बारी से करना चाहिए, यह आय के अलग-अलग स्रोतों को सक्रिय करता है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 17 नवंबर - 2026

ढाका की बदलती बिसात और दिल्ली की कूटनीतिक परीक्षा



अशोक भाटिया

दक्षिण एशिया की राजनीति में इतिहास खुद को दोहराता नहीं है, बल्कि कई बार ऐसी करवट लेता है कि पुराने समीकरण धराशायी हो जाते हैं और नई चुनौतियां सामने आ खड़ी होती हैं। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा आगामी दिसंबर में स्वदेश लौटने की घोषणा और इसके तुरंत बाद उनके पैतृक जिले गोपालगंज सहित देश के विभिन्न हिस्सों में भड़की हिंसा ने एक बार फिर इस पड़ोसी देश को अस्थिरता के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन और जनविद्रोह के बाद भारत में निर्वासित जीवन बिता रहीं उनासी वर्षीय शेख हसीना का यह कदम केवल एक व्यक्ति की घर वापसी की इच्छा भर नहीं है, बल्कि यह ढाका की नवनिर्वाचित तारिक रहमान सरकार की प्रशासनिक क्षमता, बांग्लादेश की न्यायिक व्यवस्था और भारत की विदेश नीति के सामने एक बेहद जटिल और संवेदनशील परीक्षा की घड़ी है।

हाल ही में नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग में अपने वकीलों के माध्यम से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र के लिए आवेदन करके शेख हसीना ने स्पष्ट कर दिया है कि वे कानूनी और राजनीतिक मोर्चे पर आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना चुकी हैं। यह जानते हुए भी कि नवंबर 2025 में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने जुलाई-अगस्त 2024 के प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है, हसीना का अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का इरादा कई गहरे राजनीतिक निहितार्थ रखता है। दूसरी ओर, फरवरी के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई प्रधानमंत्री तारिक रहमान की सरकार ने इस आवेदन को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें पासपोर्ट जारी करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने यह कहकर गेंद भारत के पाले में डाल दी है कि ढाका ने प्रत्यर्पण की सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और अब अंतिम निर्णय नई दिल्ली को लेना है। उन्होंने वर्ष 1973 के विशेष कानून का हवाला देते हुए यह भी दोहराया है कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को अपनी सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार नहीं मिल सकता।

इस राजनीतिक और कानूनी रस्साकशी का सीधा असर बांग्लादेश की सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शेख हसीना की वापसी की खबर फैलते ही उनकी प्रतिबंधित पार्टी अवामी लीग और छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज में जिस तरह सुरक्षा बलों के बख्तरबंद वाहनों में आग लगाई, पुलिस चौकियों में तोड़फोड़ की, सत्तारूढ़ बीएनपी के दफ्तरों को निशाना बनाया और अगस्त 2024 की क्रांति के स्मारकों को क्षतिग्रस्त किया, वह इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश का समाज अब भी गहरे ध्रुवीकरण का शिकार है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार को न केवल बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की कई टुकड़ियां तैनात करनी पड़ीं और जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को हटाना पड़ा, बल्कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान को हालात की समीक्षा के लिए आपात कैबिनेट बैठक तक बुलानी पड़ी। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि अवामी लीग को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने और उसके नेताओं पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद, जमीनी स्तर पर हसीना का समर्थक वर्ग पूरी तरह निष्क्रिय नहीं हुआ है। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिशोध की भावना जब संस्थागत रूप लेने लगती है, तो वह स्थायी शांति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा बन जाती है। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में भारत की स्थिति सबसे अधिक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण है। भारत ने दशकों तक शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश के साथ प्रगाढ़ रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध विकसित किए थे। वर्ष 2024 में जब हसीना को जान बचाकर ढाका छोड़ना पड़ा, तब भारत ने मानवीय आधार पर और एक पुराने मित्र के नाते उन्हें शरण दी। लेकिन आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं।

ढाका में एक नई निर्वाचित सरकार है, जिसके साथ भारत को अपने दीर्घकालिक हितों, पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और व्यापारिक संबंधों को बनाए रखना है। बांग्लादेश सरकार बार-बार यह संदेश दे रही है कि द्विपक्षीय संबंधों में सामान्य स्थिति और उच्च स्तरीय यात्राओं के लिए हसीना का प्रत्यर्पण एक आवश्यक शर्त है। कूटनीतिक सूत्रों से मिल रहे संकेतों के अनुसार, भारत भी इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए पर्दे के पीछे रास्ता तलाश रहा है, लेकिन नई दिल्ली ने हसीना की सुरक्षित वापसी के लिए दो स्पष्ट शर्तें सामने रखी हैं। पहली शर्त यह है कि जिस तरह वे अगस्त 2024 में बांग्लादेशी सेना की निगरानी में सुरक्षित भारत आई थीं, उसी तरह उनकी वापसी भी बांग्लादेश की सेना की सीधी निगरानी और सैन्य विमान के जरिए सुनिश्चित की जाए। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि ढाका की सरकार उनकी प्राण रक्षा की गारंटी दे और उन्हें मृत्युदंड के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करने तथा निष्पक्ष सुनवाई का पूरा कानूनी अवसर प्रदान करे। नई दिल्ली के लिए बिना इन शर्तों के किसी भी समझौते पर आगे बढ़ना संभव नहीं है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां कानून का शासन सर्वोच्च है। भारत के प्रत्यर्पण अधिनियम 1962 और वर्ष 2013 की भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत किसी भी व्यक्ति को केवल राजनीतिक दबाव में दूसरे देश को नहीं सौंपा जा सकता। संधि के अनुच्छेद छह में स्पष्ट रूप से यह सुरक्षा कवच मौजूद है कि यदि प्रत्यर्पण का अनुरोध राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित प्रतीत होता है या संबंधित व्यक्ति के साथ निष्पक्ष न्याय न होने की आशंका है, तो भारत उस अनुरोध को अस्वीकार कर सकता है। यदि भारत बिना किसी ठोस कानूनी और सुरक्षा गारंटी के शेख हसीना को सौंपता है, तो इससे न केवल भारत की न्यायिक गरिमा पर प्रश्न उठेंगे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विश्वसनीय मित्र और शरणदाता के रूप में भारत की छवि भी प्रभावित होगी। वहीं, दूसरी ओर यदि भारत हसीना को अनिश्चितकाल तक अपने यहां रखता है और वे भारतीय धरती से राजनीतिक बयानबाजी जारी रखती हैं, तो ढाका में भारत-विरोधी भावनाओं को और हवा मिलेगी। इस कूटनीतिक उलझन के बीच दिसंबर का महीना एक और कारण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। बारह दिसंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि की तीस वर्ष की अवधि समाप्त होने जा रही है। यह संधि उस समय हुई थी जब शेख हसीना पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं। आज जब इस संधि के नवीनीकरण या पुनर्समीक्षा का समय निकट आ गया है, तब दोनों देशों के बीच संवादहीनता और अविश्वास की खाई गहरी होती दिख रही है। भारत के अपने राज्य, विशेषकर बिहार और पश्चिम बंगाल, सिंचाई, पेयजल और कोलकाता बंदरगाह की नौवहन क्षमता बनाए रखने के लिए गंगा के जल में अधिक हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ, बांग्लादेश को अपने कृषि और पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए इस संधि की सख्त आवश्यकता है। यदि राजनीतिक तनाव के कारण जल संधि पर समय रहते सहमति नहीं बन पाती है, तो इसका सीधा नुकसान दोनों देशों के करोड़ों आम नागरिकों और किसानों को उठाना पड़ेगा। बांग्लादेश के मौजूदा संकट का समाधान किसी एक व्यक्ति के प्रत्यर्पण या दमन में नहीं छिपा है, बल्कि समावेशी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली में निहित है।

शेख हसीना की वापसी ?

शेख हसीना की वापसी अब भारत-बांग्लादेश संबंधों की कठिन कूटनीतिक परीक्षा बन गई है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद भारत में हैं। ढाका उनका प्रत्यर्पण चाहता है, जबकि दिल्ली के सामने कानून, सुरक्षा और पड़ोसी देश से रिश्तों का संतुलन साधने की चुनौती है। आखिर भारत और बांग्लादेश का रिश्ता साझा इतिहास से जो जुड़ा है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। पाकिस्तानी सेना के करीब 90 हजार सैनिकों के आत्मसमर्पण के बाद बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र बना और शेख मुजीबुर्रहमान पीएम बने। 1975 में मुजीब और उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों की हत्या के बाद शेख हसीना भारत आईं। 1981 में स्वदेश लौटकर उन्होंने अवामी लीग की कमान संभाली और बांग्लादेश की राजनीति की प्रमुख शक्ति बनीं। लेकिन ऐतिहासिक रिश्ते किसी नेता को कानून और जवाबदेही से ऊपर नहीं रख सकते। 2024 के आंदोलन में हुई हिंसा ने हसीना के शासन पर गंभीर सवाल खड़े किए। विशेष न्यायाधिकरण ने उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मृत्युदंड सुनाया। हसीना ने आरोप नकारे हैं और दिसंबर में लौटने की इच्छा जताई है। नौ नवंबर को उनके कानूनी प्रतिनिधियों ने ढाका स्थित उच्चायोग को नए पासपोर्ट और पहचान-पत्र के लिए पत्र भेजा। बांग्लादेश सरकार ने मांग स्वीकार नहीं की। उसका कहना है कि वापसी का रास्ता पासपोर्ट नहीं, भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया है। सरकार ने यह भी कहा कि कानूनी फर्म ने हसीना की ओर से आवेदन करने का अधिकार साबित नहीं किया। भारत के सामने बड़ा सवाल है कि प्रत्यर्पण की स्थिति में हसीना की सुरक्षा और निष्पक्ष सुनवाई कैसे सुनिश्चित होगी। मृत्युदंड का फैसला चिंता को और गंभीर बनाता है। प्रत्यर्पण पर विचार करते समय भारत को संधि की शर्तों, दस्तावेजों और कानूनी अपवादों की बारीकी से जांच करनी होगी। राजनीतिक दबाव या भावनात्मक आग्रह के आधार पर इतना बड़ा फैसला नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर, बांग्लादेश की मौजूदा सरकार इस मुद्दे को संप्रभुता और न्यायिक प्रक्रिया से जोड़कर देख रही है। उसका कहना है कि हसीना को अदालत के सामने पेश होना चाहिए। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे कानूनी मामला बताते हुए उचित प्रक्रिया के तहत विचार करने की बात कही है। यात्रा के लिए वैध दस्तावेजों की जरूरत भी रेखांकित की गई है। दोनों देशों के बीच स्पष्ट संवाद जरूरी है, ताकि विवाद बड़े कूटनीतिक संकट में न बदले। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब ढाका और दिल्ली के संबंधों में पहले जैसी मिठास नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेश के राजनीतिक समीकरण बदले हैं और नई सरकार प्रत्यर्पण पर जोर दे रही है। भारत की चुनौती है कि वह पुराने राजनीतिक संपर्कों के कारण पक्षपाती न दिखे, लेकिन ऐसा कदम भी न उठाए जिसे न्याय और मानवाधिकारों की अनदेखी माना जाए। सीमा, व्यापार, ऊर्जा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे साझा हित सहयोग की मांग करते हैं। मोदी सरकार को न हड़बड़ी दिखानी चाहिए और न चुप्पी को नीति बनाना चाहिए। प्रत्यर्पण संधि, न्यायिक निष्पक्षता और जीवन की सुरक्षा पर गंभीर विचार जरूरी है। हसीना का भविष्य कानून और न्यायिक प्रक्रिया से तय होना चाहिए, राजनीतिक बदले की भावना से नहीं। भारत की भूमिका किसी व्यक्ति को बचाने या सौंपने भर की नहीं, बल्कि पड़ोस में न्याय, स्थिरता और लोकतांत्रिक भरोसा बनाए रखने की होनी चाहिए।

विद्यार्थियों के सपनों को चाहिए खुला आसमान



योगेश कुमार गोयल

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, संकल्पों और शैक्षणिक सामर्थ्य में आकार लेता है। विद्यार्थी केवल किसी देश के भविष्य के नागरिक ही नहीं होते बल्कि वर्तमान समाज के परिवर्तनकारी प्रतिनिधि भी होते हैं। उनकी प्रतिभा, विचारशीलता, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही किसी राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित करते हैं। इसके बावजूद विडंबना है कि शिक्षा को विकास की सबसे महत्वपूर्ण बुनियाद मानने वाले विश्व में आज भी करोड़ों बच्चे और युवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित हैं। कहीं गरीबी उनकी पढ़ाई में बाधा बनती है तो कहीं सामाजिक भेदभाव, लैंगिक असमानता, युद्ध, विस्थापन और शैक्षणिक संसाधनों का अभाव उनके सपनों को कुचल देता है। ऐसे में प्रतिवर्ष 17 नवम्बर को मनाया जाने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' केवल विद्यार्थियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर नहीं बल्कि उनकी समस्याओं, अधिकारों और भविष्य के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का आत्ममंथन करने का भी महत्वपूर्ण दिन है।

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस का इतिहास स्वतंत्रता, साहस और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए विद्यार्थियों के संघर्ष की एक दर्दनाक गाथा से जुड़ा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान 28 अक्तूबर 1939 को नाजी कब्जे के विरोध में प्राग में हुए प्रदर्शनों में चेक विद्यार्थी और नागरिक शामिल हुए थे। उस दौरान घायल हुए चिकित्सा विद्यार्थी जान ओप्लेटाल की 11 नवम्बर को मृत्यु हो गई। उनके अंतिम संस्कार के दौरान हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद 17 नवम्बर 1939 को नाजी सेना ने चेकोस्लोवाकिया की राजधानी प्राग में विश्वविद्यालयों पर दमनात्मक कार्रवाई की। नौ छात्र नेताओं को फांसी दे दी गई और 1200 से अधिक विद्यार्थियों को गिरफ्तार कर यातना शिविरों में भेज दिया गया। चेक विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया। विद्यार्थियों के इस बलिदान की स्मृति में 1941 में लंदन स्थित इंटरनेशनल स्टूडेंट काउंसिल ने 17 नवम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की। इस प्रकार यह दिवस शिक्षा के अधिकार के साथ-साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों और अन्याय के विरुद्ध युवाओं के साहस का प्रतीक बन गया।

आज दुनिया ज्ञान और तकनीक के जिस दौर में प्रवेश कर चुकी है, उसमें शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अनुसार वर्ष 2024 में दुनियाभर में लगभग 27.3 करोड़ बच्चे और युवा विद्यालयों से बाहर थे। यह आंकड़ा बताता है कि शिक्षा के क्षेत्र में तमाम अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों और सरकारी योजनाओं के बावजूद लक्ष्य अभी बहुत दूर है। शिक्षा से वंचित प्रत्येक बच्चा केवल एक व्यक्तिगत अवसर नहीं खोता बल्कि समाज अपनी एक संभावित प्रतिभा, वैज्ञानिक, शिक्षक, उद्यमी और जिम्मेदार नागरिक खो देता है। इसलिए शिक्षा को केवल विद्यालयों में प्रवेश तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, सुरक्षित वातावरण, प्रशिक्षित शिक्षक, पर्याप्त संसाधन और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के विस्तार और उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार देश में 18 से 23 वर्ष आयु वर्ग का उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात बढ़कर 30 प्रतिशत हो गया है जबकि छात्राओं के मामले में यह अनुपात 31.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह महिला शिक्षा की दिशा में उत्साहजनक उपलब्धि है। इसके बावजूद सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर होते हैं। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में उच्च शिक्षण संस्थानों की सीमित उपलब्धता, गरीब परिवारों की आर्थिक विवशता, डिजिटल संसाधनों का अभाव तथा शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती दूरी आज भी गंभीर चुनौतियां हैं। विशेषकर वंचित वर्गों, दिव्यांग विद्यार्थियों और बालिकाओं के लिए समान शैक्षणिक अवसर सुनिश्चित करना अभी भी बड़ी जिम्मेदारी है।

विद्यार्थियों की समस्याएं केवल विद्यालय या महाविद्यालय में प्रवेश पाने तक सीमित नहीं हैं। आज शिक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती पढ़ाई के बढ़ते दबाव और विद्यार्थियों के बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य की भी है। बेहतर अंक प्राप्त करने, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने और परिवार की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की होड़ ने बच्चों और युवाओं पर असाधारण दबाव पैदा कर दिया है। परीक्षा में असफलता अथवा अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर कई विद्यार्थी निराशा, तनाव और आत्मविश्वास की कमी से जूझने लगते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई बार अभिभावक और शिक्षण संस्थान भी बच्चों की रुचि, क्षमता और मानसिक स्थिति को समझने के बजाय उन पर अपनी अपेक्षाएं थोप देते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक, डिग्री और प्रमाणपत्र हासिल करना नहीं बल्कि व्यक्ति का बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक विकास करना भी है। इसलिए विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षित काउंसलर, मनोवैज्ञानिक सहयोग और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण की उपलब्धता आवश्यक है।

एक अन्य गंभीर समस्या शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ती खाई है। डिग्रियां हासिल करने के बावजूद बड़ी संख्या में युवा अपनी योग्यता और विषय के अनुरूप रोजगार पाने के लिए संघर्ष करते हैं। पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता, संवाद कौशल, उद्यमिता और उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण का अभाव इस समस्या को और गहरा करता है। शिक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि कितने विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि वे जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने और आत्मनिर्भर बनने में कितने सक्षम हुए। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में कौशल विकास, इंटर्नशिप, शोध, नवाचार और व्यावसायिक प्रशिक्षण को पर्याप्त महत्व देना होगा।

डिजिटल युग ने विद्यार्थियों के सामने अवसरों के नए द्वार खोले हैं लेकिन इसके साथ असमानता की नई चुनौती भी पैदा की है।

ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण प्रणालियां ज्ञान तक पहुंच आसान बना सकती हैं किंतु जिन विद्यार्थियों के पास इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और डिजिटल साक्षरता नहीं है, वे इस बदलाव का पूरा लाभ नहीं उठा पाते।

कहीं अयोध्या जाकर अपनों को भी न गंवा दें अखिलेश



राजेश श्रीवास्तव

इन दिनों उप्र की राजनीति में जो मुद्दा सबसे गरम है वह है अखिलेश यादव के 12 दिसंबर को अयोध्या जाने के ऐलान का । जब पूरी दुनिया के कोने-कोने से लोग जा रहे हैं तो अखिलेश के जाने से क्या फर्क पड़ जायेगा. आखिर हंगामा क्यों बरपा है। क्या अखिलेश वहां जाकर कोई नेरेटिव सेट करना चाहते हैं। क्यों उनके दौरे को लेकर संतों में भी दो गुट बंट गये हैं। आज तो कार सेवा में जान गंवाने वालों के परिजनों ने भी अखिलेश के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। तो समझते हैं कि आखिर अखिलेश यादव के राम मंदिर जाने से समाजवादी पार्टी को फायदा होगा या घाटा?

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अयोध्या का राम मंदिर एक बार फिर सियासत के केंद्र में आ गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 12 दिसंबर को परिवार के साथ अयोध्या स्थित राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन करने का संकेत दिया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी अखिलेश की ओर से नहीं हुई है लेकिन पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के बयान और खुद अखिलेश की प्रतिक्रिया ने राजनीतिक चर्चाओं को तेज कर दिया है।

खास बात यह है कि जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान निमंत्रण मिलने के बावजूद अखिलेश यादव समारोह में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने तब कहा था कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद वह परिवार के साथ राम मंदिर जाएंगे। अब करीब तीन साल बाद उनके अयोध्या जाने की चर्चा ऐसे समय में हो रही है, जब यूपी में विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या अखिलेश यादव अपनी राजनीतिक रणनीति बदल रहे हैं? क्या राम मंदिर के दर्शन के जरिए बीजेपी के हिदुत्व वाले नैरेटिव का जवाब देने की तैयारी है? अखिलेश के अयोध्या दौरे की चर्चा समाजवादी पार्टी के अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार और पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के बयान के बाद शुरू हुई। उन्होंने एक निजी चैनल से बातचीत में बताया कि अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिपल यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ 12 दिसंबर को अयोध्या पहुंचेंगे। उनके मुताबिक, इस दौरान अखिलेश यादव हनुमानगढ़ी और राम मंदिर में दर्शन करेंगे। साथ ही साधु-संतों और पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। 11 नवंबर को लखनऊ पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने सीधे तौर पर राम मंदिर का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, "भगवान सबके हैं, केदारेश्वर भी जाएंगे, मथुरा-वृंदावन भी जाएंगे। पहले भी जाते रहे हैं। क्यों नहीं जाएंगे। पहले केदारेश्वर जाएंगे, फिर आगे भी दर्शन करेंगे। पीडीए यानी पहले दर्शन, फिर आशीर्वाद।'' अखिलेश के इस बयान से संकेत मिला कि वह धार्मिक स्थलों पर जाने से परहेज नहीं करेंगे। हालांकि, 12 दिसंबर की तारीख की आधिकारिक पुष्टि उन्होंने नहीं की। राम मंदिर का मुद्दा समाजवादी पार्टी के लिए लंबे समय से राजनीतिक चुनौती बना हुआ है। बीजेपी ने कई मौकों पर उनके अयोध्या नहीं जाने को मुद्दा बनाया। पार्टी ने आरोप लगाया कि अखिलेश मुस्लिम वोट बैंक को ध्यान में रखकर राम मंदिर से दूरी बना रहे हैं। बीजेपी नेताओं ने समाजवादी पार्टी पर हिदू विरोधी और सनातन विरोधी राजनीति करने के आरोप भी लगाए।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि उन्हें 12 दिसंबर के बजाय 6 दिसंबर को अयोध्या जाना चाहिए और 1990 में कारसेवकों पर हुई गोलीबारी के लिए माफी मांगनी चाहिए। यह मामला मुलायम सिह यादव के मुख्यमंत्री रहते कारसेवकों पर हुई पुलिस फायरिग और 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ी राजनीतिक बहस की ओर इशारा करता है। अखिलेश के अयोध्या दौरे की चर्चा के बाद बीजेपी के अलावा एआईएमआईएम और विश्व हिदू परिषद ने भी उन पर निशाना साधा है।

जानकारों की मानें तो अखिलेश का अयोध्या जाना केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से जुड़ी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। उनकी राजनीति में धार्मिक मुद्दों को लेकर बदलाव दिखाई दे रहा है। पहले वह शुभ-अशुभ और धार्मिक प्रतीकों को लेकर अलग रुख रखते थे लेकिन अब धार्मिक स्थलों पर जाने और आस्था से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात कर रहे हैं। उनका मानना है कि बीजेपी ने राम मंदिर और भगवान राम को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। ऐसे में सपा और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को लगातार मुस्लिम तुष्टिकरण और हिदू विरोधी राजनीति के आरोपों का सामना करना पड़ता है। अखिलेश के सामने अपनी पार्टी की इस छवि को बदलने की चुनौती है। राम मंदिर आंदोलन ने बीजेपी को राजनीतिक रूप से मजबूत किया, लेकिन समाजवादी पार्टी के लिए यह हमेशा संवेदनशील मुद्दा रहा है। ऐसे में अखिलेश का इस मुद्दे पर सीधे उतरना जोखिम भरा हो सकता है। अगर वह इस राजनीतिक चुनौती को संभाल लेते हैं तो फायदा हो सकता है, लेकिन संतुलन बिगड़ने पर नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं का अनूठा संगम



रामस्वरूप रावतसरे

राजस्थान राज्य में अरावली श्रेणी की घाटी में अजमेर नगर से पाँच मील पश्चिम अजमेर जिले का एक नगर तथा स्थानीय मंडी है। इसके निकटवर्ती क्षेत्र में ज्वार, बाजरा, मक्का, गेहूँ तथा गन्ने की उपज होती है। कलापूर्ण कुटीर-वस्त्र-उद्योग, काष्ठ चित्रकला, तथा पशुओं के व्यापार के लिए यह विख्यात है। यहाँ पवित्र पुष्कर झील है तथा समीप में ब्रह्मा जी का पवित्र मंदिर है, जिससे प्रति वर्ष अनेक तीर्थयात्री यहाँ आते हैं। अक्टूबर, नवंबर के महीनों में यहाँ एक विशेष धार्मिक एवं व्यापारिक महत्व का मेला लगता है। इसका धार्मिक महत्व अधिक है। यह सागरतल से 2389 फुट की ऊँचाई पर स्थित है। यहाँ कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, जो औरंगजेब द्वारा ध्वस्त करने के बाद पुनः निर्मित किए गए हैं। पुष्कर में पाण्डवों के अज्ञात वास के समय पाण्डवों द्वारा निर्मित पाँच कुण्ड भी है जो कि नगर से पुर्व की ओर नाग पहाड पर स्थित है यह पहाड करीब 11 किमी. लम्बाई में है।

यह पहाड अनेक ऋषी मुनियों की तपोस्थली रहा है। महिर्षी अगस्त एवं वाम देव की गुफा भी है इसी नाग पहाड पर राजा भर्तहरि की तपो स्थली भी है , यह पर्वत नगर के पुर्व से दक्षिण में स्थित है जो कि अनेक जड़ी बूटीयों से युक्त बताया जाता है। इस पहाड के उपर से एक तरफ अजमेर तो दूसरी तरफ पुष्कर का मनोरम द्रश्य देखा जा सकता है। वर्ष में एक बार इसी पहाड पर लक्ष्मी पोळ नामक स्थान पर हरियाली अमावस के दिन भारी मेला लगता है। पुष्कर के उद्भव का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। कहा जाता है, ब्रह्मा जी ने यहाँ आकर यज्ञ किया था। हिंदुओं के प्रमुख तीर्थस्थानों में पुष्कर ही एक ऐसी जगह है जहाँ ब्रह्माजी का मंदिर स्थापित है। ब्रह्मा जी के मंदिर के अतिरिक्त यहाँ देवी गायत्री, देवी सावित्री, श्री बदरीनारायण जी, वाराह जी और शिव जी आत्मेश्वर के मंदिर है, किंतु वे आधुनिक हैं। यहाँ के प्राचीन मंदिरों को मुगल आततायी तानाशाह औरंगजेब ने नष्टभ्रष्ट कर दिया था। पुष्कर झील के तट पर जगह-जगह पक्के घाट बने हैं जो राजपूताना के देशी राज्यों के धनीमानी व्यक्तियों द्वारा बनाए गए हैं। पुष्कर को तीर्थों का मुख माना जाता है। जिस प्रकार प्रयाग को 'तीर्थराज' कहा जाता है, उसी प्रकार से इस तीर्थ को 'पुष्करराज' कहा जाता है। पुष्कर की गणना पंचतीर्थों व पंच सरोवरों में की जाती है। पुष्कर सरोवर तीन हैं - ज्येष्ठ (प्रधान) पुष्कर, मध्य (बूढ़ा) पुष्कर, कनिष्क पुष्कर।

ज्येष्ठ पुष्कर के देवता ब्रह्माजी, मध्य पुष्कर के देवता भगवान विष्णु और कनिष्क पुष्कर के देवता रुद्र हैं। पुष्कर का मुख्य मन्दिर ब्रह्माजी का मन्दिर है। जो कि पुष्कर सरोवर से थोड़ी ही दूरी पर स्थित है। मन्दिर में चतुर्मुख ब्रह्मा जी की दाहिनी ओर देवी सावित्री एवं बायीं ओर देवी गायत्री का मन्दिर है। पास में ही एक और सनकादि की मूर्तियाँ हैं, तो एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर जी तथा नारद जी की मूर्तियाँ हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें रोषपूर्वक शाप दे दिया कि-'तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है, अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे।' तब नारद ने भी दुःखी मन से पिता ब्रह्मा को शाप दिया- 'तात! आपने बिना किसी कारण के सोचे - विचारे मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूँ कि तीन कल्पों तक लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा।' तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

भोंपू और झंडी



डॉ सुरेश मिश्रा

तटीय आपदा प्रबंधन एवं सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र के विशाल वातानुकूलित मुख्यालय के बाहर कंक्रीट के चबूतरे पर बहत्तर साल के करियप्पा हर गुरुवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में पीतल का एक पुराना जंग लगा हाथ से घुमाने वाला चेतावनी सायरन और बांस की खपच्ची पर बंधी एक फटी हुई लाल झंडी हमेशा मौजूद रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे। जब दफ़्तर के नए अर्दली ने उन्हें चबूतरे पर बैठा देखा तो हाथ में पकड़ी गर्म चाय का कुल्हड़ मेज़ पर पटकते हुए ठहाका लगाकर बोला कि बाबा जब आज पूरे प्रदेश में उपग्रह आधारित सुनामी पूर्व चेतावन



ये ब्लड टेस्ट समय से पहले ही बता देते हैं हार्ट अटैक का जोखिम



क्या आपको हार्ट अटैक आ सकता है? अक्सर लोगों के मन में इसको लेकर कई सवाल रहते हैं। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि कुछ लोगों को बेसिक मेडिकल रिपोर्ट अच्छा रहता है उसके बाद भी उन्हें हार्ट अटैक आ जाता है।

मशहूर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए बताया है कि हार्ट हेल्थ के खतरों को अब महीनों पहले ही पता लगाया जा सकता है। उनका कहना है कि कई लोगों के साथ ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हार्ट हेल्थ के बारे में गहराई से बताने वाले कुछ महत्वपूर्ण टेस्ट रेगुलर चेकअप में अक्सर छूट जाते हैं।

ये एडवांस टेस्ट दिल की दीवारों में हो रही सूजन, जेनेटिक जोखिम, और ब्लड वेसेल्स में जमा हो रहे फैट के पैटर्न का पता करते हैं। डॉक्टर सोलंकी ने ऐसे पांच ब्लड टेस्ट के बारे में बताया है जिसे आप अपने दिल को 'डेंजर जोन' में जाने से पहले ही पहचान सकते हैं और समय रहते आवश्यक बचाव के कदम उठा सकते हैं। आइए एक-एक करके जानते हैं।

HsCRP टेस्ट

डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक पहला महत्वपूर्ण टेस्ट है HsCRP (हाई-सेंसिटिविटी सी-रिएक्टिव प्रोटीन)। यह हृदय की दीवारों या रक्त वाहिकाओं में हो रही सूजन को मापता है। डॉक्टर के अनुसार अगर आपके खून में इसका स्तर 2 से ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि आपका हृदय खतरे में है। यह सूजन ही आगे चलकर ब्लॉकेज और हार्ट अटैक का कारण बनती है।

Lip(a) और ApoB

दूसरा है Lip A (लाइपोप्रोटीन-ए), जो एक जेनेटिक कोलेस्ट्रॉल मार्कर है। अगर इसका स्तर 50 से ऊपर है, तो इसका मतलब आपको स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा है। तीसरा टेस्ट है ApoB (एपोबी), अगर यह 130 से ऊपर है, तो आपकी रक्त वाहिकाओं में फैट (वसा) जमा होने की संभावना बहुत बढ़ जाती है।

LDL Particle Size और घनत्व

भले ही आपका सामान्य कोलेस्ट्रॉल लेवल नॉर्मल क्यों न हो, पर यह टेस्ट महत्वपूर्ण है। LDL Particle Size और घनत्व बताता है कि आपके बैड कोलेस्ट्रॉल के कण कितने छोटे और चिपचिपे हैं। यदि छोटे और घने LDL कण ज्यादा हैं, तो ये नस की दीवार पर चिपककर क्लॉट (थक्का) बनाने का खतरा अधिक रहता है।

HOMA-IR टेस्ट

पांचवा टेस्ट है HOMA-IR। अगर इस टेस्ट का स्तर 2.5 से ज्यादा है, तो इसका मतलब आपको इंसुलिन रेजिस्टेंस होने का खतरा ज्यादा है। इंसुलिन रेजिस्टेंस न केवल डायबिटीज बल्कि हार्ट अटैक के खतरे को भी बढ़ाता है। डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक इन पांच ब्लड टेस्ट कराकर आप अपने हार्ट के स्वास्थ्य के बारे में अच्छे से जान सकते हैं। इन रिपोर्ट को किसी हृदय रोग विशेषज्ञ से दिखाकर आप अपने हार्ट हेल्थ के बारे अच्छे से जान सकते हैं।

रोज सुबह चाय के बजाय पी सकते हैं ये चार ड्रिंक्स, दिनभर रहेंगे एनर्जेटिक

हमारे देश में बहुत से लोगों को बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की लेने की आदत होती है। इस आदत को बहुत से लोग 'बेड टी' के नाम से जानते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार खाली पेट कैफीन और टेनिन वाली चाय पीने से पेट में एसिडिटी बढ़ती है और कई आवश्यक पोषक तत्वों का अवशोषण रुक जाता है। यह छोटी-सी आदत आपको लंबे समय में, पोषण की कमी और पाचन समस्याओं को जन्म दे सकती है।

ग्रीन टी



सुबह में दूध की चाय की जगह ग्रीन टी पीना एक शानदार विकल्प है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स (कैटेचिन) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। ग्रीन टी दिमाग को हल्का करता है, जिससे अपकी एकाग्रता बढ़ती है और साथ आपका वजन कम करने में भी मदद करता है।

नींबू पानी

सुबह खाली पेट गुनगुने नींबू पानी से शुरुआत करना शरीर को डिटॉक्स करने का एक बेहतरीन तरीका है। यह विटामिन-सी का बड़ा स्रोत है, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है। नींबू पानी पाचन तंत्र को सक्रिय करता है, लिवर को टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है, और आंतों की सफाई करता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर होती है।

नारियल पानी

नारियल पानी दिन की शुरुआत करने के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक पेय है। यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे पोटैशियम) से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत हाइड्रेट करता है और एनर्जी देता है। यह पेट के लिए बहुत हल्का होता है और एसिडिटी या अपच की समस्या पैदा नहीं करता। यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी सहायक है।

हर्बल टी

अदरक, तुलसी, पुदीना या कैमोमाइल से बनी हर्बल टी आपके पाचन को मजबूत बनाती है। कैमोमाइल चाय तनाव कम करने में सहायक है, जबकि अदरक और तुलसी पाचन को मजबूत बनाते हैं। ये चायें कैफीन-मुक्त होती हैं, इसलिए ये आपकी नींद की गुणवत्ता को खराब किए बिना शरीर को गर्माहट देती है और अंदरूनी आराम प्रदान करती हैं।

सुबह उठकर सबसे पहले क्या करना चाहिए? 90% लोग करते हैं गलतियां



सुबह की शुरुआत हमारे पूरे दिन की सेहत और ऊर्जा को प्रभावित करती है। हममें से ज्यादातर लोग सुबह उठते ही कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका असर हमारी सेहत और दिनचर्या पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि सुबह उठकर सबसे पहले क्या करना चाहिए? क्या खाली पेट पानी पीना फायदेमंद है? क्या सुबह उठते ही मोबाइल देखना सही है?

सुबह उठने के बाद अपनाई जाने वाली 3 जरूरी हेल्दी आदतें, वे आम गलतियां जिनसे बचना चाहिए और एक बेहतर मॉर्निंग रूटीन, जो आपको दिनभर तरोताजा और एक्टिव रहने में मदद कर सकता है।

सुबह उठकर सबसे पहले क्या करना चाहिए?

सुबह जागने के बाद शरीर को धीरे-धीरे एक्टिव करना जरूरी है। रातभर आराम करने के बाद दिन की शुरुआत कुछ अच्छी आदतों के साथ करना फायदेमंद हो सकता है।

सुबह उठते ही पिएं एक गिलास पानी

सुबह उठने के बाद पानी पीना हाइड्रेशन बनाए रखने का एक आसान तरीका है। रातभर सोने के दौरान शरीर को पानी नहीं मिलता। ऐसे में सुबह अपनी प्यास और जरूरत के अनुसार पानी पी सकते हैं। इससे दिन की शुरुआत हाइड्रेशन के साथ होती है।

मोबाइल देखने से बचें

आजकल ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि आंख खुलते ही सबसे पहले मोबाइल चेक करते हैं। कोई व्हाट्सऐप मैसेज देखता है, तो कोई सोशल मीडिया स्क्रॉल करने लगता है। बेहतर है कि सुबह उठने के बाद कुछ समय खुद को दें और जरूरी कामों की योजना बनाएं।

हल्की एक्सरसाइज या योग करें

सुबह 10 से 15 मिनट की वॉक, स्ट्रेचिंग या योग करने से शरीर को एक्टिव रखने में मदद मिलती है। नियमित शारीरिक गतिविधि से फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को फायदा हो सकता है।

सुबह उठते ही ये 3 गलतियां करने से बचें

खाली पेट चाय या कॉफी पीना

कई लोगों की सुबह चाय या कॉफी के बिना शुरू नहीं होती। हालांकि, उठते ही कैफीन लेने के बजाय पहले पानी पीना और अपनी सुबह की दिनचर्या पूरी करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जिन लोगों को एसिडिटी या पेट से जुड़ी परेशानी होती है, उन्हें अपनी आदतों पर खास ध्यान देना चाहिए।

अलार्म बंद करके दोबारा सो जाना

सुबह अलार्म बजते ही उसे बंद करके फिर सो जाना कई लोगों की आदत है। बार-बार नींद टूटने से सुबह सुस्ती महसूस हो सकती है। इसलिए रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं।

सुबह की धूप से दूर रहना

कई लोग सुबह उठने के बाद भी काफी देर तक कमरे के अंदर रहते हैं। जबकि सुबह की प्राकृतिक रोशनी शरीर की आंतरिक घड़ी यानी बॉडी क्लॉक को नियमित रखने में मदद करती है। इसलिए सुबह कुछ समय प्राकृतिक रोशनी में बिताना अच्छा हो सकता है।

सुबह की अच्छी दिनचर्या से मिल सकते हैं ये फायदे

सुबह की हेल्दी आदतें धीरे-धीरे आपकी लाइफस्टाइल में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। दिनभर एनर्जी और एक्टिवनेस बनाए रखने में मदद मिलती है। नियमित एक्सरसाइज से शरीर फिट रहता है। सुबह की धूप नींद-जागने के चक्र को बेहतर बनाने में मदद करती है। मोबाइल से दूरी बनाने पर सुबह का समय बेहतर तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं। नियमित दिनचर्या से मानसिक स्वास्थ्य को भी फायदा मिल सकता है।

लंग्स कैंसर में सबसे पहले दिखते हैं ये लक्षण समय पर हो गई पहचान तो बच सकती है जान

फेफड़ों का कैंसर, दुनियाभर में बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी का अनुमान है कि हर साल 2.38 लाख से अधिक लोगों में फेफड़ों के कैंसर का निदान होता है, 50-60 हजार लोगों की इस कारण से मौत हो जाती है। आमतौर पर माना जाता है कि धूम्रपान करने वालों में इस कैंसर का जोखिम अधिक होता है, पर यह उन लोगों को भी प्रभावित कर सकता है जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया है। धूम्रपान फेफड़ों को लाइन करने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। भारत में इसका जोखिम अधिक देखा गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फेफड़ों के कैंसर से मृत्यु का प्रमुख कारण, इस समस्या का समय रहते निदान न हो पाना है। अधिकांश मामलों में फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती लक्षण नहीं दिखाते हैं, पर कुछ संकेतों पर विशेष ध्यान देते रहने की



आवश्यकता होती है। समय पर निदान और इलाज हो जाने पर जान बचाई जा सकती है।

जानलेवा होता है फेफड़ों का कैंसर

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक फेफड़ों का कैंसर काफी गंभीर होता है, जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। ज्यादातर मामलों में फेफड़े के कैंसर तब तक कोई लक्षण पैदा नहीं करते जब तक कि वे फैल न जाएं। फेफड़ों के कैंसर के कई लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते भी हो सकते हैं, यही कारण है कि लोगों में समय रहते इसका निदान नहीं हो पाता है। हालांकि अपने जोखिम कारकों को समझते हुए सभी लोगों को इससे बचाव करते रहना जरूरी है।

ऐसे शुरुआती संकेतों पर गंभीरता से दें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, यदि आपको लंबे समय से कुछ प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं बनी हुई हैं और सामान्य उपचार से इसमें लाभ नहीं मिल रहा है तो इस बारे में अलर्ट हो जाने की आवश्यकता है।

खांसी जो ठीक न हो रही हो या इसकी समस्या बढ़ रही हो।

खांसी से खून आने की दिक्कत।

सीने में दर्द जो अक्सर गहरी सांस लेने, खांसने या हंसने से बढ़ जाता है।

आवाज में कर्कशता।

अस्पष्टीकृत वजन घटाने की समस्या।

सांस लेने में कठिनाई।

थकान या कमजोरी महसूस होना।

ब्रोंकाइटिस और निमोनिया जैसे संक्रमण जो ठीक नहीं होते हैं या बार-बार हो जाते हैं।

कैंसर बढ़ने पर होने वाले लक्षण

यदि फेफड़ों का कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलता है, तो इस स्थिति में आपको कई गंभीर समस्याओं का अनुभव हो सकता है।

हड्डी में दर्द (जैसे पीठ या कूल्हों में दर्द)

तंत्रिका तंत्र की समस्या जैसे सिरदर्द, कमजोरी या हाथ या पैर की सुन्नता, चक्कर आना, संतुलन की समस्याएं।

त्वचा और आंखों में पीलापन बढ़ना।

लिम्फ नोड्स में सूजन।

बचाव के उपाय करना सभी के लिए जरूरी

फेफड़ों के कैंसर से बचाव करना सभी के लिए जरूरी है, भले ही आपमें इसकी फैमिली हिस्ट्री रही हो या नहीं। यह कैंसर किसी को भी हो सकता है, ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखते हुए इससे बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है। धूम्रपान बिल्कुल न करें और सेकेंडहैंड धूम्रपान से बचें। यदि आप धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के साथ रहते हैं या काम करते हैं, तो इससे आपको भी खतरा हो सकता है।

फलों और सब्जियों से भरपूर आहार लें और व्यायाम जरूर करें। कुछ प्रकार के योग-अभ्यास फेफड़ों को स्वस्थ रखने और इसकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

शिशुओं के विकास के लिए आयुर्वेदिक दवा

प्रश्न : मेरी उम्र 48 वर्ष है। पिछले 2 साल से आंव की शिकायत है। पेट में दर्द रहता है, सुस्ती व कमजोरी रहती है । स्वभाव चिड़चिड़ा हो गया है। कृपया आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।

- हनुमंत राव, करीमनगर

उत्तर : आपकी ये सारे लक्षण संग्रहणी से मिलते हैं। इसमें मंदाग्नि और अपच की तकलीफ रहती है। खाया हुआ अच्छी तरह से पचता नहीं है, इसी कारण कमजोरी और सुस्ती रहती है। आप सुबह शाम ऊंझा कुटजघन वटी एवं औरा ट्रायोगान टेबलेट भोजन के बाद पानी से लेवे। भोजन के बाद ही ऊंझा बिल्वासव 20 मिलीलीटर की मात्रा में 50 मिलीलीटर गुनगुने पानी में मिलाकर भोजन करने के बाद लेवें। गरिष्ठ भोजन, तले हुए पदार्थ, मैदा व बेसन के बने पदार्थ, मसालेदार व्यंजन का सेवन बंद कर दें। यह चिकित्सा कम से कम 2 मंडल तक करें। एक मंडल 40 दिन का होता है। आपको अवश्य आराम मिलेगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 37 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।

- आदित्य शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पी सी खांड या शक्कर



ले वें । ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है । और रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

आयुर्वेद में शिशुओं के लिए अच्छे टॉनिक है जो उनके शरीर का समुचित विकास कर सके?

-श्रीमती वसुंधरा, पटेनचेरु

उत्तर : आयुर्वेद का एक अंग ₹कौमारभृत्य₹ शिशुओं की उचित देखभाल एवं उनकी चिकित्सा को ही समर्पित है। आयुर्वेद का प्राचीन ग्रंथ काश्यप संहिता पेडियाट्रिक्स यानी कौमारभृत्य को समर्पित ग्रंथ है। शिशुओं की दवा सुपाच्य, सरल और मीठी होना आवश्यक है। प्राचीन काल से ही गुडूची, सौंफ, भृंगराज, पिप्पली, कालमेघ, भूमिआमलकी, अश्वगंधा, एला, पुनर्नवा आदि का प्रयोग शिशु चिकित्सा में होते रहा है। ऊंझा अरविंदासव शैशवावस्था कि एक अप्रतिम टॉनिक है। ऊंझा का ₹शिशु साथी₹ बच्चों के विकास को बढ़ाने वाली अपूर्व दवा है। औरा का ₹बेबीबून₹ सैरप भी एक ऐसी ही बेहतरीन औषधी है। शिशु शरीर की मालिश के लिए ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) एक कामयाब नुस्खा है। इससे रिकेट्स या हड्डियों का पोलापन समाप्त होता है। और शिशु शरीर का सही ढंग से विकास होता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

छोटी-छोटी गलतियां बढ़ा सकती हैं बड़ी समस्या, किन वजहों से होता है माइग्रेन अटैक?

सिर में दर्द होना बहुत आम है। तनाव-चिंता, काम के दबाव या फिर कुछ प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियां सिर में दर्द का कारण बन सकती हैं। आमतौर पर सिरदर्द की दिक्कत अपने आप या फिर कुछ सामान्य से उपाय करके ठीक हो जाती है। हालांकि अगर आपको बार-बार ये दिक्कत हो रही है तो सावधान हो जाने की जरूरत है। यहां ये समझना भी जरूरी है कि हर बार सिरदर्द साधारण नहीं होता है। कुछ मामलों में सिरदर्द की समस्या माइग्रेन जैसी गंभीर स्थितियों का संकेत भी हो सकता है। वहीं जिन लोगों को पहले से माइग्रेन की दिक्कत बनी हुई है उन्हें अपनी सेहत को लेकर और भी सर्तकता बरतते रहने की सलाह दी जाती है।

हर सिरदर्द माइग्रेन नहीं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर सिर, गर्दन या मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं या मांसपेशियों में तनाव की समस्या के कारण सिर में दर्द होता है। जबकि माइग्रेन की स्थिति इससे कुछ अलग होती है।

सामान्य सिरदर्द में दर्द हल्का से मध्यम होता है और सिर के दोनों ओर महसूस होता है। वहीं माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल या साइकोसोमेटिक समस्या मानी जाती है जिसमें सिर के एक तरफ तेज दर्द के साथ मितली जैसी दिक्कत भी बनी रह सकती है। माइग्रेन का दर्द कई घंटों से लेकर 2-3 दिन तक रह सकता है।

कहीं ट्रिगर न हो जाए माइग्रेन?

डॉक्टर कहते हैं, माइग्रेन सिर्फ सिरदर्द नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं और नसों पर असर डालता है। लंबे समय तक इसे अनदेखा करने पर यह न्यूरोलॉजिकल समस्याओं



जैसे नींद की गड़बड़ी, चक्कर, दृष्टि संबंधी समस्या और डिप्रेशन तक का कारण बन सकता है। अध्ययन बताते हैं कि गंभीर माइग्रेन वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ सकता है।

क्या आप जानते हैं कि कुछ स्थितियां माइग्रेन की समस्या को ट्रिगर करने वाली होती हैं? इनसे बचाव करते रहना बहुत जरूरी है।

ज्यादा तनाव लेना ठीक नहीं

तनाव माइग्रेन का सबसे आम कारण है। जब हम मानसिक दबाव में होते हैं, तो शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन बढ़ जाते हैं, जिससे दिमाग की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती और फैलती हैं। यह असंतुलन माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है।

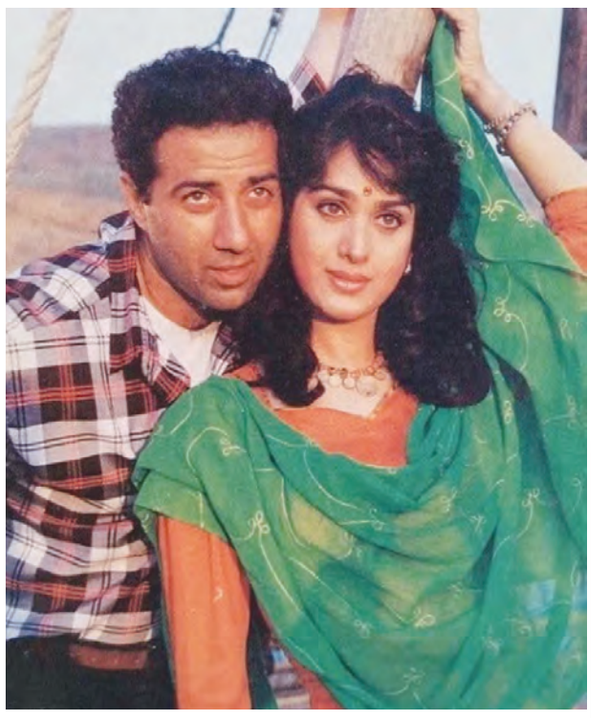
नींद की कमी

रात में पर्याप्त नींद न लेना भी माइग्रेन का कारण बन सकते हैं। नींद के दौरान मस्तिष्क अपनी कार्यप्रणाली को मैनेज करता है, लेकिन जब नींद पूरी नहीं होती, तो मस्तिष्क में कुछ हार्मोन्स का स्तर प्रभावित हो जाता है इससे माइग्रेन अटैक का खतरा हो सकता है।

तेज रोशनी या शोर

लंबे समय तक मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन देखना, तेज रोशनी या बहुत ज्यादा आवाज के कारण भी माइग्रेन अटैक होने का जोखिम बढ़ सकता है। इस तरह की स्थितियां मस्तिष्क की नसों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ाने वाली हो सकती हैं। इससे आंखों में तनाव और सिरदर्द दोनों बढ़ने लगता हैं, जिससे माइग्रेन ट्रिगर हो सकता है। माइग्रेन वाले लोगों में ये स्थितियां सबसे आम ट्रिगर वाली मानी जाती हैं।

मीनाक्षी शेषाद्रि @63: सनी के साथ धर्मेंद्र-हेमा जैसी जोड़ी



बोलीं- डकैत' का लिप टू लिप किस सीन सेंसर ने हटवाया: अनिल कपूर से था कॉम्पिटिशन



फिल्म 'हीरो' से पहचान बनाने वाली मीनाक्षी शेषाद्रि आज 63 साल की हो गई हैं। 80 और 90 के दशक में उन्होंने 'डकैत', 'घर हो तो ऐसा', 'घायल' और 'दामिनी' जैसी फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर राज किया। सनी देओल के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। एक इंटरव्यू में मीनाक्षी ने अपनी और सनी की जोड़ी को धर्मेंद्र-हेमा मालिनी की जोड़ी जैसा बताया। उन्होंने 'डकैत' के लिपलॉक सीन का किस्सा भी सुनाया, जिसे सेंसर बोर्ड ने हटवा दिया था। उन्होंने अनिल कपूर के साथ कॉम्पिटिशन, फ्लॉप फिल्मों के बाद 'पनौती' कहलाने और अमिताभ बच्चन से पहली मुलाकात के किस्से भी साझा किए। करीब 30 साल बाद वह अभिनय की दुनिया में दूसरी पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं।

मीनाक्षी शेषाद्रि के बर्थडे पर जानिए उनके करियर और फिल्मों से जुड़ी खास बातें...

मीनाक्षी शेषाद्रि ने करियर में सफलता और असफलता दोनों दौर देखे। फरीदून शाहरयार को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि एक समय उनकी लगातार कई फिल्में फ्लॉप हुई थीं। तब गॉसिप मैगजीन और कुछ पत्रकार उन्हें 'जिंक्स' यानी पनौती कहने लगे थे। लोगों का मानना था कि मीनाक्षी की फिल्म नहीं चलेगी।

मीनाक्षी ने इन बातों को खुद पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में भगवद्गीता की सीख ने उन्हें सहारा दिया। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि कर्म करो, फल की चिंता मत करो। फल की इच्छा से कर्म नहीं करना चाहिए, बल्कि कर्म को ही अपना सब कुछ मानना चाहिए।

मीनाक्षी ने इसी सोच के साथ काम जारी रखा। 1990 में उनकी दो बड़ी फिल्में 'घायल' और 'घर हो तो ऐसा' सफल रहीं।

मीनाक्षी बताती हैं कि पहले वह इन फिल्मों की सफलता का पूरा क्रेडिट लेने से हिचकिचाती थीं। अब वह खुलकर कहती हैं कि 'घायल' और 'घर हो तो ऐसा' उनकी वजह से हिट हुई थीं।

आठ साल तक बॉक्स ऑफिस पर टॉप पर रहीं, फिर भी नहीं की अपनी तारीफ

1985 से 1993 तक मीनाक्षी के करियर का सबसे शानदार दौर रहा। करीब आठ साल तक वह बॉक्स ऑफिस पर लगातार सफल अभिनेत्रियों में शामिल रहीं। उन्होंने कभी अपनी उपलब्धियों पर खुलकर बात नहीं की। मीनाक्षी बताती हैं कि उस दौर में श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित और जूही चावला जैसी शानदार अभिनेत्रियां भी काम कर रही थीं। वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इन प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों के दौर का हिस्सा बनने का मौका मिला।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम चारों ने मिलकर एक ऐसा प्रभाव बनाया, जिसे आज भी याद किया जाता है।'

मीनाक्षी ने बताया कि उनका स्वभाव विनम्र और अंतर्मुखी रहा है। उन्हें अपनी तारीफ करना पसंद नहीं था। अब दूसरी पारी में वह अपने बारे में खुलकर बात करने लगी हैं।

स्कूल बस से देखा अमिताभ-रेखा का शूट, सालों बाद अमिताभ के साथ बाइक पर बैठीं

मीनाक्षी ने अमिताभ बच्चन से जुड़ा एक किस्सा साझा किया। जब वह 12वीं कक्षा में थीं, तब स्कूल बस से घर लौट रही थीं। इसी दौरान दिल्ली की सड़कों पर अमिताभ बच्चन और रेखा मोटरसाइकिल पर फिल्म 'सिलसिला' की कर रहे थे।

स्कूल बस में बैठे बच्चे दोनों सितारों को देखकर उत्साहित हो गए। वे चाहते थे कि शूटिंग रुके और उन्हें पसंदीदा कलाकारों से ऑटोग्राफ मिल जाए, लेकिन शूटिंग शुरू हो चुकी थी।

कई साल बाद मीनाक्षी को अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म 'शहंशाह' के एक गाने की शूटिंग के दौरान वह उनके पीछे मोटरसाइकिल पर बैठी थीं।

तब उन्होंने अमिताभ बच्चन से कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने उन्हें रेखा के साथ बाइक पर देखा था। आज वह खुद अमिताभ के पीछे बैठी हैं और रेखा की जगह ले चुकी हैं। मीनाक्षी के मुताबिक, अमिताभ ने उन्हें मेहनत करने और अच्छा काम करते रहने की सलाह दी। वह सेट पर रिहर्सल और अनुशासन को बहुत महत्व देते थे। मीनाक्षी ने उनसे सीखा कि कलाकार को सह-कलाकार के काम करने के तरीके के मुताबिक खुद को ढालना चाहिए।

धमकियों के बीच अमिताभ बच्चन की क्रिप्टिक पोस्ट

फायरिंग की साजिश करने वाले 2 शूटर्स की गिरफ्तारी के बाद लिखा- बच गए; 3 बार मिलीं धमकियां

बंगले जलसा को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने के बीच अमिताभ बच्चन रविवार को फैंस से मिलने बंगले से बाहर आए। इसके बाद उन्होंने सर्वाइवल पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की। अमिताभ बच्चन ने आधिकारिक X अकाउंट से लिखा, सर्वाइव्ड (बच गए)। महानायक की इस पोस्ट को लगातार मिल रहीं धमकियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

बता दें कि गुरुवार सुबह उनके बंगले को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल मिला था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने उनके घर के बाहर फायरिंग की साजिश रचने वाले दो शार्पशूटर्स गिरफ्तार किए हैं।इन तमाम धमकियों के बीच अमिताभ बच्चन रविवरा को कड़ी सुरक्षा घेरे में जलसा के मुख्य गेट पर आए और बड़ी संख्या में जुटे फैंस का अभिवादन किया।

संडे दर्शन में कड़ी सुरक्षा के बीच अमिताभ हमेशा की तरह शांत नजर आए। उन्होंने सफेद कुर्ते के साथ ऑरेंज, नीले और सफेद रंग के प्रिंट वाली जैकेट और मैचिंग टोपी पहन रखी थी। इस दौरान भी पिछले 2 हफ्तों की तरह बेटे अभिषेक पीछे सतर्क खड़े दिखे।



अमिताभ ने जलसा के मुख्य गेट पर बड़ी संख्या में जुटे फैंस का अभिवादन किया।

गुरुवार को मिला था तीसरी बार बम से उड़ाने का ईमेल

मुंबई पुलिस के मुताबिक, गुरुवार (12 नवंबर) सुबह अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में 27 नवंबर और 31 दिसंबर समेत कई तारीखों का जिक्र किया गया है। यह एक महीने के भीतर तीसरी बार है जब बच्चन के आवास को निशाना बनाने की धमकी दी गई है।

इससे पहले 6 नवंबर को जलसा को बम से उड़ाने का ईमेल मिला था। वहीं, 23 अक्टूबर को मुंबई की मेयर रितु तावड़े को भेजे गए एक ईमेल में भी बच्चन के बंगले को बम से उड़ाने की बात लिखी गई थी।

फायरिंग की साजिश रचने वाले दो शूटर दिल्ली में गिरफ्तार

बम की धमकियों के साथ ही अमिताभ बच्चन के घर पर फायरिंग की साजिश का भी खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में दो शार्पशूटर्स को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान जालंधर निवासी विकास ठाकुर और तरनतारन निवासी दीपक सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था, हालांकि अमिताभ ऐसा कोई बयान देने से इनकार कर चुके हैं।

आलिया की मां ने प्रेग्नेंसी में पी थीं 100 सिगरेट

सोनी राजदान बोलीं- 'गुमराह' की शूटिंग में नहीं पता था कि आलिया गर्भ में हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी के दिनों का एक पुराना किस्सा शेयर किया है। स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में सोनी ने बताया कि क्राइम थ्रिलर फिल्म 'गुमराह' की शूटिंग के दौरान उन्होंने एक ही दिन में करीब 100 सिगरेट पी ली थीं।

उस समय उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि वे आलिया के साथ प्रेग्नेंट हैं। सोनी ने यह भी बताया कि उन्होंने अपनी दोनों बेटियों शाहीन और आलिया की प्रेग्नेंसी के दौरान लगातार काम जारी रखा था।



'सीन के बाद सिगरेट की तलब लगने लगी थी'

सोनी राजदान ने साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'गुमराह' की शूटिंग को याद करते हुए कहा, 'मैं उस समय एक स्मोकिंग सीन शूट कर रही थी और मैंने एक ही दिन में करीब 100 सिगरेट पी ली थीं। मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि आलिया मेरे गर्भ में हैं। मैं स्मोकर नहीं हूं, लेकिन उस सीन के बाद मुझे सिगरेट की तलब लगने लगी थी। उन्होंने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान ही उन्होंने फिल्म का चर्चित फांसी वाला सीन भी शूट किया था।

पांच महीने के ब्रेक के बाद लौटीं तो बदलने पड़े थे कॉस्ट्यूम

'गुमराह' के उस शेड्यूल के बाद शूटिंग में एक लंबा ब्रेक आ गया था। सोनी ने बताया कि जब वे पांच महीने बाद दोबारा सेट पर लौटीं, तो उनके पुराने कपड़े उन्हें फिट नहीं आ रहे थे।

उस समय तक उनका बेबी बंप दिखने लगा था। इस वजह से प्रोडक्शन टीम को उनके सभी कॉस्ट्यूम में बदलाव करने पड़े थे। बता दें कि उनकी बेटी आलिया भट्ट ने भी अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काम जारी रखा था और हॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग पूरी की थी।

प्रेग्नेंसी में 'बुनियाद' के मेकर्स ने सुबह 6 बजे भेजी थी कार

सोनी राजदान पहली बार साल 1986 के टीवी शो 'बुनियाद' की शूटिंग के दौरान प्रेग्नेंट हुई थीं। उन्होंने बताया कि शो के निर्माता सिप्पी परिवार ने उनकी सुविधा का पूरा ध्यान रखा। उस दौर में सोनी मुंबई के लोखंडवाला इलाके में रहती थीं, जो तब पूरी तरह विकसित नहीं हुआ था और सुबह-सुबह टैक्सी मिलना मुश्किल था। सोनी और महेश भट्ट की नई-नई शादी हुई थी और उनके पास अपनी कार नहीं थी।

दिलजीत दोसांझ बोले- किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है

इंदौर कॉन्सर्ट से पहले बम विस्फोट की धमकी मिली थी 4गानों पर भी विवाद था



इंदौर में रविवार को पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट हुआ। उन्होंने राहत इंदौरी का मशहूर शेयर पढ़ते हुए कहा- सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में। किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है।दिलजीत का ये शेर इंटरनेट पर वायरल है। इंदौर कॉन्सर्ट से पहले अलग-अलग संस्थानों को करीब 9 धमकी भरे ई-मेल मिले थे। इनमें RDX विस्फोट की धमकी दी गई थी। इस पर दिलजीत बोले- इंदौर जिला प्रशासन ने दिलजीत के चार गानों- 'पटियाला पैग', '5 तारा ठेके', 'जेब विचों अफीम' और 'जट्ट फायर करदा' पर आपत्ति जताते हुए उन्हें न गाने को कहा था। लेकिन, दिलजीत ने इनमें से 3 गाने 'पटियाला पैग', '5 तारा ठेके' और 'जट्ट फायर करदा' कॉन्सर्ट में गाए।

दिलजीत ने 'खुदा गवाह', 'सांसों की माला' और 'किन्नी किन्नी' जैसे हिट गानों पर दर्शकों को झुमाया। रात 10 बजे आखिरी गाना गाकर शो खत्म हुआ।

धमकी के मद्देनजर पुलिस ने यहां बम डिस्पोजल टीम तैनात की थी। ड्रोन से भी निगरानी की जा रही थी।

7 करोड़ से ज्यादा के टिकट बिकने का दावा

BookMyShow के मुताबिक, इंदौर शो में 7 करोड़ रुपए से ज्यादा के टिकट बिके। कॉन्सर्ट के टिकट 1,500 रुपए से शुरू हुए थे। सबसे महंगी GOAT टेबल 8 लाख रुपए और Born To Shine टेबल 5 लाख रुपए की थी। नगर निगम को आयोजन से 60 लाख रुपए से ज्यादा टैक्स मिला।

पहले पोहा खाएंगे, फिर एनर्जी लेकर चक देंगे चट्ट दे फट्टे

इससे पहले इंदौर कॉन्सर्ट रद्द होने की बात सामने आने पर दिलजीत ने लाइव आकर कहा था, 'मैं 15 तारीख को इंदौर आ रहा हूं। सबसे पहले हम आकर खाएंगे पोहा। 101 %, फिर एनर्जी लेकर चक देंगे चट्ट दे फट्टे। आपको फिक्र नहीं करनी है और न ही कोई खबर सुननी है।'

रामायण ने 11 दिन में वर्ल्डवाइड 1384 करोड़ कमाए



रविवार को 75 करोड़ कलेक्शन धुरंधर को पीछे छोड़ा, इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी हिंदी फिल्म

रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' ने 11 दिन में बॉक्स ऑफिस पर 1384 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। फिल्म ने 11वें दिन यानी दूसरे रविवार को 75 करोड़ रुपए का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। यह 10वें दिन के 72.90 करोड़ रुपए के कलेक्शन से करीब 2.9% ज्यादा है।

ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म की भारत में कुल नेट कमाई 760.60 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, भारत में ग्रॉस कलेक्शन 909 करोड़ रुपए और ओवरसीज कलेक्शन 475.50 करोड़ रुपए है। इस तरह फिल्म की कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कमाई 1,384.50 करोड़ रुपए पहुंच गई है।

दूसरे रविवार को कमाई में 33% से ज्यादा उछाल

फिल्म ने दूसरे रविवार को पहले रविवार के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया। रिलीज के चौथे दिन यानी पहले रविवार को फिल्म ने 56.15 करोड़ रुपए कमाए थे। दूसरे रविवार को इसकी कमाई बढ़कर 75 करोड़ रुपए हो गई। इस तरह एक हफ्ते में फिल्म की कमाई में करीब 33.6% का उछाल आया। दूसरे वीकेंड के तीन दिनों में फिल्म ने भारत में कुल 196 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। शनिवार को फिल्म ने 72.90 करोड़ रुपए कमाए थे। रविवार को इसकी कमाई बढ़कर 75 करोड़ रुपए हो गई।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी हिंदी फिल्म बनी

रामायणः पार्ट- 1 ने महज 11 दिन में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की लिस्ट में तीसरा स्थान बना लिया है। इसने शाहरुख की जवान, पठान और धुरंधर के ऑलटाइम कलेक्शन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। दंगल और धुरंधर 2 अब भी इससे आगे हैं। यश और रणबीर के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म फिल्म में रावण बने यश की ये सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

अब तक ये रिकॉर्ड फिल्म 'KGF 2' के पास था, जिसने दुनियाभर में करीब 1,215 करोड़ रुपए कमाए थे। 'रामायण' ने 11 दिनों में 1,384.50 करोड़ रुपए कमाकर इसका लाइफटाइम कलेक्शन पीछे छोड़ दिया। वहीं ये रणबीर कपूर के करियर की भी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

समुक: हाथ में बंदूक, सामने खूंखार राक्षस... अक्षय कुमार की फिल्म का फर्स्ट लुक जारी

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया और रोमांचक लेकर आने की तैयारी में हैं। दरअसल, अभिनेता अपनी आने वाली फिल्म 'समुक' को लेकर चर्चा में आ गए हैं। आज सोमवार को फिल्म का पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसमें अक्षय कुमार एक ऐसे दुश्मन से मुकाबला करते नजर आ रहे हैं, जो इंसान नहीं बल्कि एक खौफनाक रहस्यमयी जीव है। फिल्म की पहली झलक ने कहानी को लेकर दर्शकों के मन में उत्सुकता बढ़ा दी है। इसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में जबरदस्त एक्शन, रोमांच और डर का मेल देखने को मिलने वाला है।

क्या देखने को मिला फिल्म के पहले लुक में?

फिल्म के मेकर्स ने इसके पहले लुक के साथ एक दिलचस्प कैप्शन भी शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'दुश्मन इंसान नहीं है, लेकिन लड़ाई इंसानियत के लिए है। पीछे हटने का कोई विकल्प नहीं है।' इस कैप्शन से साफ संकेत मिलता है कि फिल्म की कहानी किसी ऐसे खतरनाक जीव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका सामना करना पूरी मानवता के लिए जरूरी है।



बता दें कि जारी किए गए वीडियो में अक्षय कुमार गहरे रंग के फॉर्मल सूट में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में एक बड़ी बंदूक है और वह घने, धुंध से भरे जंगल में किसी अनदेखे निशाने पर अपनी बंदूक ताने दिखाई देते हैं। इसके बाद वीडियो में उस रहस्यमयी जीव की झलक दिखाई जाती है, जिसका चेहरा बेहद डरावना है। उसके बड़े और खतरनाक जबड़े, नुकीले टेढ़े-मेढ़े दांत और मुंह से टपकता गाढ़ा काला तरल उसे और भी डरावना बनाता है। फिलहाल फिल्म की कहानी और इस रहस्यमयी जीव के बारे में फिलहाल मेकर्स ने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि, पहली झलक से इतना जरूर पता चलता है कि फिल्म में इंसान और किसी अनजान ताकत के बीच खतरनाक मुकाबला देखने को मिलेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अक्षय कुमार इस फिल्म में किस तरह की चुनौती का सामना करते नजर आएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

अक्षय कुमार के अलावा फिल्म में रुक्मिणी मैत्रा, विनीते कुमार सिंह, बनिता संधू और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। 'समुक' सिनेमाघरों में 28 मई, 2027 को रिलीज होगी।

साई पल्लवी ने मंच से लिया सीएम विजय का नाम

धनुष से कहा- प्लीज, उनकी तरह राजनीति के लिए एक्टिंग मत छोड़िएगा

साई पल्लवी के सितारे इन दिनों सातवें आसमान पर हैं। एक तरफ वह नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी 'रामायणः पार्ट 1' की सफलता का जश्न मना रही हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी अगली फिल्म 'ओमः चैप्टर वन' भी रिलीज होने वाली है। 'रामायण' की माता सीता, साई पल्लवी अपनी इस नई फिल्म में एक निडर IPS अधिकारी का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ धनुष और ममूटी हैं। फिल्म की रिलीज की तैयारियों के बीच, चर्चा यह भी है धनुष अब राजनीति में एंट्री करने वाले हैं। यदि ऐसा होता है तो तमिल इंडस्ट्री से मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के बाद यह लगातार एक और सुपरस्टार की पॉलिटिकल यात्रा की शुरुआत होगी। मजेदार बात यह है कि साई पल्लवी ने इस बीच धनुष से एक भावुक गुजारिश की है। 34 साल की एक्ट्रेस ने धनुष से कहा है कि वह अपना एक्टिंग करियर भी जारी रखें, थलपति विजय की तरह राजनीति में आने के बाद फिल्मों में काम करना बंद न करें।



साई पल्लवी हाल ही फिल्म के एक प्री-रिलीज इवेंट में मंच पर थीं। वहां धनुष भी मौजूद थे। इस दौरान जहां धनुष ने साई पल्लवी की जमकर तारीफ की और 'रामायण' में मां सीता के तौर पर उनकी कास्टगि को सपोर्ट किया, वहीं साई पल्लवी ने को-स्टार से कहा वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर विजय की तरह एक्टिंग छोड़कर राजनीति में न जाएं।

अनंत सिंह के गढ़ में नीरज कुमार को पहनाया गया चांदी का मुकुट

समर्थक बोले– 'बड़े सरकार' की जय हो

पटना, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद चुनाव परिणाम के बाद सियासत तेज है। एमएलसी चुनाव में पटना से जदयू के नीरज कुमार को जीत मिली। इस चुनाव में मोकामा विधायक अनंत सिंह ने जन सुराज प्रत्याशी अनुज कुमार को समर्थन दिया था। अनंत सिंह उनकी जीत को लेकर काफी आश्वस्त नजर आ रहे थे। पटना स्थित आवास पर मिठाईयां भी बनाई गई, लेकिन चुनाव परिणाम से अनंत सिंह के समर्थकों में मायूसी छा गई।

चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को पहली बार नीरज कुमार अनंत सिंह के गढ़ पंडारक गांव में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायक नीरज कुमार को उनके समर्थकों ने चांदी का मुकुट पहनाया।

मोकामा विधायक अनंत सिंह के गढ़ पंडारक पहुंचने पर जदयू-एनडीए कार्यकर्ताओ और नीरज कुमार के समर्थकों की ओर से न सिर्फ चांदी का मुकुट पहनाया



गया, बल्कि 'छोटे सरकार' के गढ़ में 'बड़े सरकार' के जयकारे के नारे लगाए गए। पटना स्नातक सीट चुनाव में छोटे सरकार अनंत सिंह ने जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार की जगह अनुज कुमार को समर्थन दिया, लेकिन एमएमसी चुनाव में जीत हासिल करने के बाद नीरज कुमार उनके गढ़ पंडारक में पहुंचे। नीरज कुमार का खुलकर विरोध करने के कारण अनंत सिंह को जदयू से निष्कासित भी कर दिया गया। हालांकि तब अनंत सिंह का कहना था कि वो पार्टी का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि व्यक्ति विशेष का विरोध कर रहे हैं। नीरज कुमार के विरोध की बात होगी, तो विदेश में भी जाकर उनका विरोध करेंगे। अनंत सिंह को पूरे इलाके में 'छोटे सरकार' के नाम से जाना जाता है। वहीं नीरज कुमार की जीत के बाद उनके समर्थकों ने उन्हें 'बड़े सरकार' का दर्जा देकर जमकर नारेबाजी की।

आपस में टकराईं दो बाइकें, दो युवकों की मौत व युवती घायल

रायबरेली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रायबरेली-सुल्तानपुर हाईवे पर सोमवार दोपहर छेदी का पुरवा गांव के मोड़ के पास दो बाइकें आपस में टकरा गईं। इससे बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवती घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहनों की रफ्तार तेज थी इसलिए बाइकें अनियंत्रित होकर आमने-सामने से टकरा गईं। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे। घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की खबर सुनकर परिजनों में रोना पिटना मच गया।

डीह थाना क्षेत्र के जिलेदार पूर्व कोडी निवासी अमरेश (22) पुत्र बाबूलाल खेती करते थे। अमरेश बाइक से जायस से रायबरेली आ रहे थे। वहीं, अमेठी जिले के फुरसतगंज थाना क्षेत्र के सरवन गांव निवासी राममिलन उर्फ सोनू (28) पुत्र सत्यनारायण अपनी बहन कंचन (27) के साथ बाइक से रायबरेली से घर जा रहे थे।

हरिद्वार में नहर की सफाई पूरी

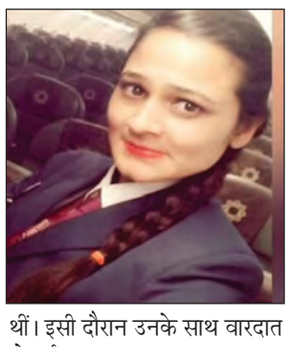
नोएडा के लाखों लोगों की पानी की किल्लत होगी खत्म, आज से फिर शुरू होगी गंगाजल की सप्लाई

नोएडा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। नोएडा में पिछले 20 दिनों से पानी की किल्लत का सामना कर रहे लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। सोमवार से नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति दोबारा शुरू होने की उम्मीद है। हरिद्वार में गंग नहर की वार्षिक सफाई का काम पूरा होने के बाद नहर में पानी छोड़ दिया गया है। इसके बाद गंगाजल की आपूर्ति बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, गंगाजल नोएडा तक पहुंचने के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से शहर के विभिन्न सेक्टरों और आवासीय क्षेत्रों में पहुंचाया जाएगा। इससे पिछले कई दिनों से कम दबाव और सीमित समय तक पानी मिलने की समस्या से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, हर साल दशहरा और दिवाली के बीच हरिद्वार में गंग नहर की सफाई और रखरखाव का काम किया जाता है।

दिवाली पर घर आई पुणे की एयर होस्टेस की जंगल में हत्या

दोस्त के साथ गई थी घूमने, हमले के बाद जीजा को किया था फोन

पुणे, 16 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में दिवाली मनाने घर आई पुणे की एक एयर होस्टेस की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय वर्षा तुरकर का शव महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा के पास वैनगंगा नदी किनारे मिला। उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। घटना के समय वर्षा अपने एक पुराने दोस्त के साथ घूमने गई थीं। शुरुआती जानकारी में लूटपाट के दौरान अज्ञात हमलावरों द्वारा हत्या किए जाने की आशंका जताई गई है। हालांकि, महाराष्ट्र पुलिस को मामले की परिस्थितियां संदिग्ध लग रही हैं और वह हर पहलू से जांच कर रही है। वर्षा की पढ़ाई के दौरान उनकी पहचान गोंदिया निवासी रितेश अग्रवाल से हुई थी। बताया गया है कि दोनों पुराने दोस्त थे। 14 नवंबर को रितेश किन्ही गांव आया था। उसी दिन शाम को वर्षा उसके साथ महाराष्ट्र के बोंद्रानी गांव में वैनगंगा नदी के किनारे स्थित मंदिर के पास जंगल की ओर घूमने गई



थीं। इसी दौरान उनके साथ वारदात हो गई।

शाम करीब 6 बजे वर्षा ने अपने जीजा पप्पू पटेल को फोन किया। उन्होंने बताया कि उनके साथ लूटपाट और मारपीट की घटना हुई है। जानकारी मिलते ही पप्पू पटेल परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां वर्षा गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। उनके शरीर पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे। परिजन उन्हें मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन शाम करीब 7 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच के मुताबिक, लूटपाट के इरादे से पहुंचे मास्क पहने अज्ञात हमलावरों ने वर्षा पर धारदार हथियार से हमला किया। हालांकि, पुलिस अभी इस घटनाक्रम की पुष्टि करने के लिए जांच कर रही है। वारदात महाराष्ट्र के दौनीवाड़ा थाना क्षेत्र में हुई है। घटना के बाद दौनीवाड़ा पुलिस वर्षा के दोस्त रितेश अग्रवाल और उनके जीजा पप्पू पटेल को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। दोनों के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले और बाद में क्या-क्या हुआ था। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह और हमलावरों की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है। वर्षा तुरकर मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के किन्ही गांव की रहने वाली थीं और पुणे में एयर होस्टेस के तौर पर काम करती थीं। वर्षा ने 2024 में समर सैयद से शादी की थी। शादी के बाद से वह अपने पति के साथ पुणे में रह रही थीं। उनकी ढाई साल की एक बेटी भी है।

छठ का प्रसाद बनाते समय लगी आग, 8 लोग झुलसे

फुलवारीशरीफ, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पटना में रविवार की रात छठ पूजा का प्रसाद बनाते समय घर में आग लग गई। गैस लीक होने से हादसा हुआ और आग की लपटें घर के दूसरे कमरों तक पहुंच गई।

जहां कपड़े जलकर राख हो गए। एक फ्रिज भी जल गया। अगलगी में परिवार के 8 लोग झुलस गए हैं। इनमें 3 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष हैं। महिलाओं की स्थिति गंभीर है। जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच ले जाया गया है।

परिवार ने सुबह का अर्घ्य भी नहीं दिया। घटना परसा बाजार थाना क्षेत्र के खैराटाली गांव की है। घायलों की पहचान रूबी देवी (43), रेशमी देवी (40), सीमा देवी (35), सूरज कुमार केसरी (38), मनीष केसरी (32), गुड़िया रानी (1), प्रियांशु कुमार (8) और प्रियांशु कुमार (10) के रूप में हुई है। परिवार के विमल कुमार ने बताया कि घर में जहां छठ पूजा की तैयारियां चल रही थीं, वहीं हादसे के बाद चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

परिवार की महिलाएं मां रीता देवी और बहन सोनी देवी छठ व्रत कर रही थीं, लेकिन घर के कई सदस्यों के झुलसने और अस्पताल में भर्ती होने के कारण छठ पूजा पूरा नहीं कर पाए।

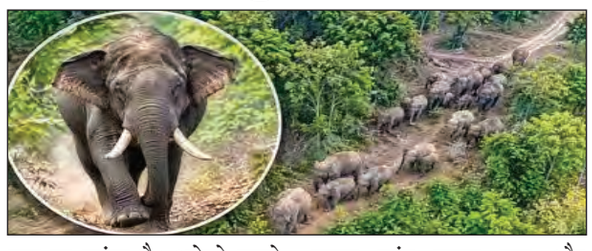
घायल विमल कुमार ने बताया कि आग लगने के बाद परिवार के लोग एक-दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे थे। कमरे में मामी रूबी देवी, भाभी रेशमी देवी और सीमा देवी, भाई सूरज कुमार केसरी और मनीष केसरी, भतीजी गुड़िया रानी और भतीजा प्रियांशु मौजूद थे। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य में जुट गए। परसा बाजार थाने की पुलिस भी रात करीब 12 बजे घटनास्थल पर पहुंची।

फॉरेस्ट अफसरों से चतुर निकला कातिल गजराज कबरा

'तीरथ राम' और 'दुर्योधन' भी नहीं ढूंढ सके, झुंड में छिपकर दे दी गोली

रायपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सरगुजा और सूरजपुर के जंगलों में खौफ का दूसरा नाम बन चुका 'कबरा' हाथी अपनी चालबाजियों से वन विभाग की पूरी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। पिछले छह महीनों से अकेले घूम-घूम कर 19 बेकसूरों की जान लेने वाला यह हाथी अब खुद को बचाने के लिए मास्टरस्ट्रोक खेल चुका है। वन विभाग द्वारा उसे पकड़ने के लिए व्यापक 'रेस्क्यू ऑपरेशन' शुरू किए जाने के बाद, वह अचानक 17 हाथियों के एक बड़े दल में शामिल हो गया। थर्मल ड्रोन की फुटेज से यह खुलासा हुआ है कि कबरा ने झुंड में एंट्री पाने के लिए दूसरे नर हाथी के साथ भीषण संघर्ष किया और उसे हराने के बाद ही दल ने उसे स्वीकार किया।

उदयपुर के सायर जंगल से शुरू हुआ हाथियों का यह सफर 20 किलोमीटर पैदल चलकर रामगढ़ पहाड़ी की 'पार्वती गुफा'



तक जा पहुंचा है। अकेले घूमने के दौरान एक रात में 30 से 40 किलोमीटर का फासला तय करने वाला कबरा अब झुंड के साथ होने की वजह से धीमी गति से चल रहा है। रविवार को मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) डॉ. प्रणय मिश्रा, सरगुजा और सूरजपुर के डीएफओ, तथा वन्यजीव विशेषज्ञों डॉ. पीके चंदन और डॉ. जय किशोर जड़िया की मौजूदगी में दो प्रशिक्षित कुमकी हाथियों 'तीरथ राम' और 'दुर्योधन' को मैदान में उतारा गया। हालांकि, जब कुमकी हाथियों को आगे किया गया, तो कबरा तुरंत समझ गया और हथिनियों तथा बच्चों के झुंड के ठीक बीच में छिपकर और घने जंगल में अंदर घुस गया।

वन विभाग की टीम ने शाम ढलते-ढलते आखिरी दांव के रूप में 'स्काई शॉट' पटाखों का सहारा लिया, ताकि पूरे दल को भड़काकर या प्रभावित कर कबरा को बाकी हाथियों से अलग किया जा सके। लेकिन यह तरकीब भी नाकाम साबित हुई और पूरा 18 हाथियों का दल पार्वती गुफा के सघन वन क्षेत्र में ओझल हो गया। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन में 100 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस बल और ट्रैकर्स लगातार पसीना बहा रहे हैं। हाथियों के इस इलाके में लगातार मूवमेंट के कारण आसपास के ग्रामीण दहशत में हैं और बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों में लगातार छुट्टियां घोषित करनी पड़ रही हैं।

वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब कोई एकल नर हाथी 'मस्त' की अवस्था में होता है, तो उसका हार्मोनल असंतुलन उसे अत्यधिक आक्रामक और हिंसक बना देता है। ऐसे हाथी अक्सर अपने झुंड से अलग होकर इंसानी बस्तियों या रास्तों पर हमला करते हैं। हालांकि, जब उन पर दबाव बढ़ता है या रेस्क्यू टीम का घेरा कसता है, तो वे अपनी सुरक्षा और वर्चस्व के लिए पुनः किसी मजबूत दल का सहारा ले सकते हैं।

छठ का अर्घ्य देने घाट गया परिवार, क्वार्टर में चोरी

जमशेदपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छठ महापर्व पर परिवार के साथ संध्या अर्घ्य देने घाट जाना डीसी ऑफिस के क्लर्क बबलू कुमार को महंगा पड़ गया। घर को सूना पाकर चोरों ने उनके क्वार्टर में धावा बोला और करीब 15 लाख रुपए के सोने के आभूषण समेत मोबाइल फोन चोरी कर लिए। घटना साकची थाना क्षेत्र के जेल चौक के पास की है। इस वारदात का पता परिवार के सदस्यों को घाट से लौटने के बाद चला।

चोरों ने उस समय घर को निशाना बनाया, जब परिवार के सभी सदस्य छठ पूजा के लिए नदी घाट गये हुए थे। घर में किसी के मौजूद नहीं रहने का फायदा उठाकर बदमाशों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि चोर क्वार्टर में घुसे और सीधे घर के सामानों की तलाशी लेने लगे। उन्होंने अलमारी समेत अन्य सामानों को खंगाला और कीमती आभूषण लेकर फरार हो गए।

परिवार के सदस्यों के घाट से लौटने के बाद चोरी की घटना का खुलासा हुआ। क्वार्टर पहुंचने पर दरवाजे की स्थिति देखकर उन्हें कुछ अनहोनी होने का संदेह हुआ। इसके बाद जब वे घर के अंदर गये, तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। घर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी और अन्य सामानों की जांच करने पर सोने के आभूषण गायब मिले।

इसके अलावा घर में रखा एक मोबाइल फोन भी चोर अपने साथ ले गये थे। परिवार के सदस्यों ने जब कीमती सामानों की स्थिति देखी, तो चोरी की पुष्टि हुई। इसके बाद घर में अफरा-तफरी मच गयी।

चोरी गये सोने के आभूषणों की कीमत करीब 15 लाख रुपए बतायी जा रही है। एक साथ इतनी बड़ी कीमत के गहने चोरी होने से परिवार के सदस्य सदमे में हैं।

महिला के कंधे पर बैठा बंदर, हार्ट अटैक से मौत

छत पर कपड़े सुखाने गई थी, चेहरे और पीठ पर मारा पंजा

कोटा, 16 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा में बंदर के हमले में महिला की मौत हो गई। महिला छत पर कपड़े सुखाने गई थी, तभी बंदरों का झुंड पहुंचा और एक बंदर महिला के ऊपर कूदकर कंधे पर बैठ गया। पीठ और चेहरे पर पंजे मार दिए। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर घर वाले पहुंचे तो वह छत पर बेहोश पड़ी थी।

परिजन बंदरों को भगाकर विवाहिता रेनू भट्ट (28) पत्नी प्रदीप भट्ट को हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने रेनू को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने जांच के दौरान साइलेंट अटैक आने की बात बताई। महिला के 6 साल की बेटी है। मामला उद्योग नगर थाना क्षेत्र के जागाओं के मोहल्ले का है। कंसुआ इलाके के जागाओं के मोहल्ले में रहने वाली रेनू भट्ट (28) रविवार दोपहर छत पर कपड़े सुखाने गई थी। अचानकर बंदरों की टोली आ



रेनू भट्ट (मृतका)

गई। इनमें से एक बंदर ने उस पर हमला कर दिया। महिला ने बचाव के लिए लकड़ी उठाई लेकिन बंदर उसके कंधों पर चढ़ गया और चेहरे व पीठ पर पंजा मारने लगा। अचानक हुए हमले से महिला घबरा गई और अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ी। महिला के जेठ अर्जुन भट्ट ने बताया कि रेनू की चीख सुनकर हम लोग छत पर पहुंचे। रेनू जमीन पर गिरी हुई थी। उसके चेहरे और पीठ पर बंदरों के नाखूनों के निशान थे। हॉस्पिटल लेकर गए। तब तक उसकी मौत हो गई थी। जेठ ने बताया कि डॉक्टरों ने साइलेंट अटैक से मौत होना बताया है। घटना की सूचना पर कांग्रेस पार्षद विनोद कुमार भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे।

उन्होंने बताया कि इलाके में बंदरों की समस्या को लेकर पहले भी शिकायत की जा चुकी है। अब इस मामले में नगर निगम महापौर को ज्ञापन देकर बंदरों को पकड़ने की मांग की जाएगी। नगर निगम के हेल्थ ऑफिसर मोतीलाल ने बताया कि शहर के जिन इलाकों से भी शिकायत मिलती है, वहां पिंजरे लगवाए जाते हैं। कंसुआ इलाके में भी पिंजरे लगवाए थे लेकिन बंदर उसमें कैद नहीं हुए। अब वापस पिंजरे लगवाए जाएंगे।

कोटा नगर निगम कमिश्नर ओपी मेहरा ने बताया- इस साल कोटा के नॉर्थ और साउथ के अलग-अलग इलाकों में बंदर पकड़ने की कार्रवाई की है।

पिता बोले-'बेटे की कमाई से ही घर चलता था'

सड़क हादसे ने ली ओसामा की जान, अगले महीने थी बहन की शादी

बेतिया, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ओसामा के पिता उसे याद करते हुए रो पड़े, थोड़ा रुककर बोले- मैं पहले चायपत्ती का कारोबार करता था, लेकिन लकवा मारने के बाद मजबूरन काम छोड़ना पड़ा। इसके बाद ओसामा ने पूरे परिवार की जिम्मेदारी संभाल ली। वह होम ट्यूशन पढ़ाकर 4 बहनों और 4 भाइयों समेत 11 सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी कमाई से ही घर का खर्च चलता था। ये कहना है बेतिया के मझौलिया सड़क हादसे में जान गंवाने वाले ओसामा के पिता नेयाज अहमद का बेतिया के मझौलिया में रविवार देर शाम एक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवार दो दोस्तों को ऐसी टक्कर मारी कि इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

हादसे में बच्चों और बुजुर्गों समेत सात अन्य लोग भी घायल हो गए। मृतकों की पहचान बेतिया नगर थाना क्षेत्र के द्वार देवी चौक निवासी मोहम्मद ओसामा और मोहम्मद खालिद उर्फ सोनू (दोनों करीब 26 वर्ष) के रूप में हुई है।

इनमें ओसामा की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता को लकवा मारने के बाद घर की जिम्मेदारी उनके कंधों पर थी। पांच भाइयों में सबसे बड़े ओसामा होम ट्यूशन पढ़ाकर 11 सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे।

अब उनके जाने से परिवार के सामने न सिर्फ अपनों को खोने का दुख है, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी चलाने का संकट भी खड़ा हो गया है। ओसामा के पिता नेयाज अहमद पहले चायपत्ती का कारोबार करते थे। लेकिन लकवा मारने के बाद उन्हें काम छोड़ना पड़ा। इसके बाद परिवार की जिम्मेदारी ओसामा ने संभाल ली।

परिवार में माता-पिता के अलावा पांच भाई और चार बहनें हैं। भाई-बहनों में सबसे बड़े होने के कारण ओसामा घर की आर्थिक जरूरतें पूरी करते थे। इसके लिए वह बच्चों को होम ट्यूशन पढ़ाते थे। इससे होने वाली आमदनी से पूरे परिवार का खर्च चलता था।

ओसामा की शादी करीब छह महीने पहले किशुनबाग में हुई थी। परिवार में नई खुशियां आई थीं और जिंदगी को लेकर कई सपने थे। लेकिन रविवार को हुए हादसे ने सबकुछ बदल दिया। जिस बेटे के सहारे पूरा परिवार चल रहा था, उसकी अचानक मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार में अगले महीने यानी दिसंबर में ओसामा की बहन की शादी होनी थी।

सूअर–काला कहने पर दोस्त को फावड़े से काट डाला

बलौदाबाजार, 16 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में सूअर और काला-कुरूप कहकर चिढ़ाने से नाराज दोस्त ने अपने साथी की हत्या कर दी। किशन साहू (19) और को शक था कि आदित्य टंडन (19) उसकी बहन पर गलत नीयत रखता था और उसे नीचा दिखाता था। इसी गुस्से में आकर उसने आदित्य को मार डाला।

आरोपी किशन ने लोहे के फावड़े से आदित्य के सिर और चेहरे पर कई वार किए। इसके बाद शव को गिधौरी और घटमड़वा के बीच स्थित बांध के पानी में फेंक दिया।

14 नवंबर को युवक का शव मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा और मृतक का मोबाइल भी जब्त किया है। मामला गिधौरी थाना क्षेत्र का है।

किशन साहू (19) और आदित्य टंडन (19) दोनों बचपन के दोस्त थे और साथ में मजदूरी करते थे। दोनों का एक-दूसरे के घर भी आना-जाना था। दोस्ती के बावजूद उनके बीच चिढ़ाने और आपसी विवाद को लेकर तनाव था।

पुलिस के मुताबिक, 14 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे सूचना मिली कि गिधौरी और घटमड़वा के बीच डैम के पानी में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही गिधौरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान गिधौरी के आदित्य टंडन (19) के रूप में हुई। आदित्य के सिर और माथे पर चोट के निशान देखकर पुलिस को हत्या का शक हुआ।

डायन बताकर मार दी गई महिला

बेटे की मौत के बाद परिजनों ने लगाया था आरोप, लाठी–डंडे से पीटा, टांगी से काटा

गिरिडीह, 16 नवंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बासाबुदा गांव में डायन होने का आरोप लगाकर 59 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। घटना 14 नवंबर की सुबह की है। पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में गांव के शिवलाल मुर्मू (48) और उनकी पत्नी बड़की देवी (43) शामिल हैं। मृतका के देवर मोतीलाल मुर्मू, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामले में नामजद किया गया है।

सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के अनुसार, घटना सुबह करीब छह से सात बजे के बीच हुई। मृतका के देवर मोतीलाल मुर्मू का बेटा कई दिनों से बीमार था। गंभीर हालत में उसे रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया था, जहां 13 नवंबर की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद परिजनों ने मृतका पर डायन होने का आरोप लगाया।

इसी बात को लेकर अगले दिन सुबह उस पर लाठी-डंडे और टांगी से हमला कर दिया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के पति लखीराम मुर्मू के बयान पर मुफ्फसिल थाने में कांड संख्या 330/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने हत्या और डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम समेत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की जांच और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सदर एसडीपीओ जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस के मुताबिक, सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी कर शिवलाल मुर्मू और उनकी पत्नी बड़की देवी को गिरफ्तार किया गया।

अन्य नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। कार्रवाई में मुफ्फसिल थाना प्रभारी ज्ञान रंजन, पुलिस अवर निरीक्षक गौतम कुमार, संजय कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रायगढ़ के छात्र की बिलासपुर में मिली लाश

बिलासपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर के लालखदान स्थित संत नगर के पास सोमवार को सड़क किनारे एक युवक की लाश मिली। मृतक की पहचान रायगढ़ जिले के घरघोड़ा निवासी उत्तम कुमार गुप्ता (29) के रूप में हुई है। वह बिलासपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था।

शुरुआती जांच में पुलिस को जहर पीकर खुदकुशी करने की आशंका है। हालांकि, मौत की असल वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी। बताया जा रहा है कि उत्तम रविवार सुबह अपने कमरे से निकला था। इसके बाद सोमवार को उसका शव मिला। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, उत्तम कुमार बिलासपुर के दयालबंद में अपने एक दोस्त के साथ किराए के मकान में रहता था। सोमवार को उसका शव लालखदान के संत नगर के पास सड़क किनारे मिला।

युवक की लाश देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

युवक की मौत की खबर मिलने पर घरघोड़ा से उसके परिजन भी बिलासपुर पहुंचे। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि उत्तम ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर खुदकुशी की है।

हालांकि, उसने जहर कहां और किन हालात में पिया, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस उसके दोस्त और परिचितों से पूछताछ कर रही है। साथ ही किराए के मकान से जुड़े पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

बिक रही प्रतिबंधित पाकिस्तानी 'गोरी' क्रीम

कॉस्मेटिक दुकानों पर छापा, दुकानदार ने कहा था- ऑनलाइन कीमत 800, लेकिन 300 रुपये में दे देंगे



रायपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के गोल बाजार में पाकिस्तान में बनी प्रतिबंधित गोरी क्रीम की बिक्री की सूचना पर ड्रग डिपार्टमेंट की टीम ने दुकानों में छापा मारा है। ओम ब्यूटी और तमन्ना कॉस्मेटिक शॉप पर दबिश दी गई। ओम ब्यूटी में जांच के दौरान प्रतिबंधित पाकिस्तानी क्रीम मिली है। वहीं, तमन्ना कॉस्मेटिक शॉप में जांच जारी है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केंद्र सरकार के पाकिस्तानी उत्पादों के आयात पर बैन के बावजूद बाजार में यह क्रीम 300 से 550 रुपए तक में बेची जा रही थी। दुकानदार ग्राहकों को चेहरा गोरा करने का दावा कर इसे बेच रहे थे। इस क्रीम में खतरनाक मात्रा में मरकरी यानी पारा होने की चेतावनी है। इसके इस्तेमाल से किडनी और नर्वस सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। पाकिस्तान में बनी इस क्रीम की बिक्री को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि, आयात पर प्रतिबंध के बाद भी यह रायपुर के बाजारों तक कैसे पहुंची। गोल बाजार में ड्रग डिपार्टमेंट की टीम ने दुकानों में पहुंचकर जांच की। टीम इस बात की पड़ताल कर रही है कि प्रतिबंधित क्रीम कहां से लाई गई और इसकी सप्लाई किस माध्यम से हो रही थी।

दुकानदार ग्राहकों को क्रीम लगाने से चेहरे का रंग गोरा होने का दावा कर रहे थे। इसकी कीमत 300 से 550 रुपए तक बताई जा रही है।

हालांकि, क्रीम में मरकरी यानी पारा होने की चेतावनी दी गई है। इसका इस्तेमाल किडनी और नर्वस सिस्टम के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।



भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का रखा लक्ष्य



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है। साथ ही, दोनों देश तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) या मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की शर्तों पर विचार करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह का गठन करेंगे। यह जानकारी सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। दोनों देशों के बीच यह सहमति सोमवार को मिस्र की नई प्रशासनिक राजधानी में भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) के सातवें सत्र के दौरान बनी।

इसकी सह-अध्यक्षता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डॉ. मोहम्मद फरीद सालेह ने की। बयान के अनुसार, संयुक्त कार्य समूह तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की शर्तों पर विचार करेगा। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, दोनों देशों के बाजारों तक पहुंच बेहतर बनाना और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है। इस बैठक के साथ पहली बार द्विपक्षीय संस्थागत तंत्र की बैठक मंत्री स्तर पर आयोजित हुई। यह भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी के आर्थिक आयाम को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैठक से पहले दोनों मंत्रियों के बीच द्विपक्षीय चर्चा हुई, जिसमें व्यापार विस्तार, निवेश को सुविधाजनक बनाने और दीर्घकालिक औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संबंध विकसित करने पर बातचीत हुई। संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में मौजूदा व्यापारिक संबंधों की समीक्षा की गई, कारोबारियों के सामने आने वाली चुनौतियों का आकलन किया गया और सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान की गई। समिति ने भारत-मिस्र व्यापार में हुई वृद्धि की समीक्षा की। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार 35 प्रतिशत बढ़कर 6.5 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार सालाना आधार पर 65 प्रतिशत बढ़कर 5.04 अरब डॉलर पहुंच गया। यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते वाणिज्यिक आदान-प्रदान और व्यापार के दायरे को और विविध बनाने की संभावनाओं को दर्शाता है। बयान में कहा गया कि औद्योगिक वस्तुओं, ऊर्जा एवं उर्वरकों, रसायनों, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, कपड़ा और कृषि उत्पादों के क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। चर्चा मुख्य रूप से व्यापार विस्तार, आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने और व्यापार के लिए स्पष्ट एवं भरोसेमंद रास्ते तैयार करने पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को आसान बनाने, मानकों एवं अनुरूपता मूल्यांकन को मजबूत करने और बाजार तक पहुंच बेहतर बनाने के उपायों पर विचार किया। इसके अलावा, उत्पाद पंजीकरण और व्यापार से जुड़े नियामकीय नियमों सहित कारोबार संचालन को प्रभावित करने वाले व्यावहारिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई।दोनों देशों के बीच कारोबारी आदान-प्रदान को मजबूत करने एवं संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी चर्चा हुई। इसके लिए फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिकल उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई। स्वेज नहर के निकट स्थित होने और अफ्रीकी, अरब तथा यूरोपीय बाजारों से बेहतर संपर्क के कारण मिस्र निर्यात आधारित विनिर्माण और क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक; सेंसेक्स 512 अंक चढ़ा, निफ्टी 25250 पार



मुंबई,, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों ने सोमवार को तेजी के साथ कारोबार किया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बढ़ी हुई खरीद ने बाजार को सहारा दिया। इसके साथ ही तेल कीमतों में गिरावट की उम्मीदों से भी बाजार को मजबूती मिली। यह तेजी शुक्रवार को अपनी जीत की लय तोड़ने के बाद आई है।सेंसेक्स 512.34 अंक यानी 0.62 फीसदी की वृद्धि के साथ 82,104.79 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 146.80 अंक यानी 0.58 फीसदी बढ़कर 25,291.10 पर पहुंच गया। आईटीसी और टाटा कंस जैसे शेयरों में 3 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

किन सेक्टरों में दिखी तेजी और गिरावट?

बाजार में क्षेत्रीय रुझान मिले-जुले रहे। पीएसयू बैंक, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग और सीमेंट शेयरों ने तेजी में सबसे आगे रहे। इन सेक्टरों में निवेशकों ने अच्छी खरीदारी की। दूसरी ओर, धातु और रियल्टी शेयरों को सबसे अधिक बिकवाली का दबाव झेलना पड़ा। तेल और गैस शेयरों में भी गिरावट के साथ कारोबार हुआ।

क्या बाजार में दिखी चौतरफा मजबूती?

आईटी, एफएमसीजी, फार्मा और निजी बैंकिंग शेयर मजबूत बने रहे। यह दर्शाता है कि बाजार में चुनिंदा खरीदारी हुई। बाजार में व्यापक मजबूती के बजाय कुछ खास सेक्टरों में ही निवेश देखा गया। निवेशकों ने सोच-समझकर कुछ क्षेत्रों में ही पैसा लगाया।

वैश्विक बाजारों का क्या रहा हाल?

वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। लंदन समय के अनुसार सुबह 8:30 बजे तक स्टॉक्स यूरोप 600 लगभग अपरिवर्तित रहा। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक 100 फ्यूचर्स भी 0.8 फीसदी गिरे। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स लगभग अपरिवर्तित रहे। एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 2.2 फीसदी की गिरावट आई। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स भी 2.7 फीसदी नीचे बंद हुआ।

मुकेश अंबानी की बढ़ने वाली है कमाई

दुनिया में डीजल की किल्लत से भारतीय रिफाइनरियों पर बरसेगा पैसा



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। दुनियाभर में डीजल का स्टॉक तेजी से घट रहा है। इससे भारतीय तेल रिफाइनरी कंपनियों को फायदा हो सकता है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद इन कंपनियों की कमाई मजबूत बनी रह सकती है। इसकी वजह चीन से डीजल का निर्यात घटना और अमेरिका समेत बड़े बाजारों में डीजल का भंडार कम होना है। ब्रोकरेज फर्म इक्विरस रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में डीजल की कम होती सप्लाई से इसकी कीमतों और रिफाइनिंग मार्जिन को सपोर्ट मिल सकता है।

इसका फायदा खासतौर पर मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी उन कंपनियों को हो सकता है, जिनका मुख्य कारोबार तेल रिफाइनिंग से जुड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से डीजल का निर्यात नवंबर 2026 में घटकर 8 लाख टन से नीचे रहने का अनुमान है। अगस्त में चीन ने 13.3 लाख टन और सितंबर में 18 लाख टन डीजल का निर्यात किया था। यानी कुछ ही महीनों में चीन से डीजल की सप्लाई में बड़ी गिरावट आई है। इसके अलावा चीन में डीजल का घरेलू स्टॉक भी कम हो रहा है। रिफाइनिंग मार्जिन से पता चलता है कि कच्चे तेल को पेट्रोल, डीजल और दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों में बदलकर रिफाइनरी कंपनी कितना मुनाफा कमा रही है। कच्चे तेल की कीमत और उससे तैयार होने वाले डीजल की कीमत के बीच के अंतर को डीजल क्रैक कहा जाता है। डीजल की कीमत कच्चे तेल के मुकाबले ज्यादा होने पर रिफाइनरी कंपनियों को बेहतर कमाई हो सकती है। इक्विरस रिसर्च के मुताबिक, डीजल की मजबूत मांग और सीमित सप्लाई से डीजल क्रैक ऊंचा बना रह सकता है। इससे भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर भी उनका रिफाइनिंग मार्जिन मजबूत रह सकता है।जहां डीजल की कम होती सप्लाई से रिफाइनरी कंपनियों को फायदा मिलने की उम्मीद है, वहीं तेल उत्पादन करने वाली कंपनियों के सामने कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं।

चांदी 11 महीने में सबसे सस्ती, 1.69 लाख पर आई

आज 8720 दाम गिरे, सोना भी 1,429 घटकर 1.34 लाख पर आया

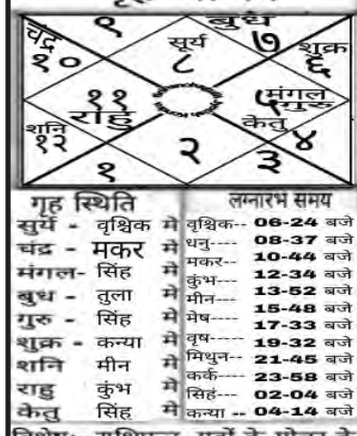


नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चांदी के दाम में आज बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो चांदी की कीमत 8,720 रुपए गिरकर 1.69 लाख रुपए पर आ गई है। चांदी के दाम 11 महीने बाद 1.70 लाख रुपए के नीचे आए हैं। इससे पहले 1 दिसंबर 2025 को 1.64 लाख रुपए थे। 2 दिसंबर 2025 को चांदी के रेट 1.73 लाख थे। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,429 गिरकर 1.34 लाख रुपए पर आ गए हैं। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 13 नवंबर को सोना 1.36 लाख रुपए और चांदी 1.78 लाख रुपए पर थी।

ऑल टाइम हाई से 2.17 लाख रुपए सस्ती हुई चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.17 लाख रुपए सस्ती हो गई है। वहीं, 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 42 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

दैनिक पंचांग



गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य -	वृश्चिक मे	वृश्चिक--	06-24 बजे
चंद्र -	मकर मे	धनु----	08-37 बजे
मंगल-	सिंह मे	मकर--	10-44 बजे
बुध -	तुला मे	कुंभ---	12-34 बजे
गुरु -	सिंह मे	मीन----	13-52 बजे
शुक्र -	कन्या मे	मेष----	15-48 बजे
शनि	मीन मे	वृष----	17-33 बजे
राहु	कुंभ मे	मिथुन--	19-32 बजे
केतु	सिंह मे	कर्क----	21-45 बजे
		सिहं---	23-58 बजे
		कन्या --	02-04 बजे
			04-14 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948**, सूर्य दक्षिणायने /दक्षिण , ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2553** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-23**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **17-37**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष मंगलवार **17 Nov 2026**
तिथि - अष्टमी **06-05** अहोरात्र तक
नक्षत्र - धनिष्ठा **04-34** तक उपरान्त शतभिषा
योग - वृद्धि **07-53** तक उप ध्रुव
करण - विष्टी (भद्रा) **17-17** तक उप बव
व्रत गोपाष्टमी
त्योहार पंचक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 14-50 से 16-14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
रोग	06-23 - 07-48 अशुभ	काल	17-37 - 19-14 अशुभ
उत्पात	07-48 - 09-12 अशुभ	लाभ	19-14 - 20-50 शुभ
चंचल	09-12 - 10-37 शुभ	उत्पात	20-50 - 22-26 अशुभ
लाभ	10-37 - 12-01 शुभ	शुभ	22-26 - 00-01 शुभ
अमृत	12-01 - 13-25 शुभ	अमृत	00-01 - 01-37 शुभ
काल	13-25 - 14-50 अशुभ	चंचल	01-37 - 03-13 शुभ
शुभ	14-50 - 16-14 शुभ	रोग	03-13 - 04-48 अशुभ
रोग	16-14 - 17-37 अशुभ	काल	04-47 - 06-23 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

एक संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में सुधार करें। पैसों से जुड़ा कोई मामला आज सुलझ सकता है और आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। आज आप जिस समारोह में शामिल होंगे उसमें नई मित्रता विकसित होगी। अगर आप अपने समूह में घूमते-फिरते हैं, तो आप किसी ख़ास की नज़रों में आ सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

यदि आवश्यक हो तो निवारक दवाएं लें, क्योंकि आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम होगी। कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है, जिसके चलते आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं और काफी धन खर्च होने की भी संभावना है। अपने घर में सद्भाव लाने के लिए तालमेल से काम करें।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

फ़ायदेमंद दिन है और आप किसी लंबी बीमारी से राहत पा सकते हैं। अगर आप शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि उनकी सेहत बिगड़ने के आसार हैं। परिणामस्वरूप उनके स्वास्थ्य पर आपको काफी धन खर्च करना पड़ सकता है। ज़िद्दी व्यवहार न करें- क्योंकि आप आसानी से दूसरों को नाराज़ कर देंगे।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

बाहरी गतिविधियों से आपको लाभ होगा। एक दृढ़ जीवन शैली में प्यार करना और हमेशा सुरक्षा के बारे में चिंता करना आपके शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करेगा। यह आपको एक नर्वस व्यक्ति भी बना देगा। पैसों के मामले में ग्रहों की स्थिति आज आपके लिए अनुकूल नहीं लग रही है। इसलिए अपने पैसे को सुरक्षित रखें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

जब आप अपनी लंबी बीमारी से लड़ते हैं तो यह समझें कि आत्म-विश्वास वीरता का सार है। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं। कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित करेगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। जो लोग दूध उद्योग से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ होने की संभावना है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने कोई ऐसी स्थिति पेश करेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपनी ऊर्जा वापस पाने के लिए पूरा आराम करें। अपने लिए धन संचय करने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। अपने परिवार को उचित समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनकी परवाह करते हैं। उनके साथ अपना क्वालिटी टाइम स्पेंड करें। शिकायत का कोई मौका न दें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नु, नो, या, यी ,यु,

अपने झगड़ालू व्यवहार पर क़ाबू रखें, क्योंकि इससे आपका रिश्ता हमेशा के लिए बिगड़ सकता है। आप खुले दिमाग को बढ़ावा देकर और किसी के प्रति पूर्वाग्रहों को दूर करके इस पर काबू पा सकते हैं। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपका एनर्जी लेवल हाई रहेगा। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं से बचें। परिवार के किसी सदस्य के व्यवहार से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरूरत है। प्यार एक ऐसा एहसास है जिसे महसूस किया जाता है और अपने प्रिय के साथ साझा किया जाता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पुनः आरंभ करने का सबसे अच्छा दिन। जिन लोगों ने पहले अपना धन निवेश किया था आज उस निवेश का लाभ मिलने की संभावना है। परिवार के सदस्यों के साथ सुकून के कुछ पल बिताएं। अपने मामलों में यथार्थवादी बनने की कोशिश करें। आज का दिन हाई परफॉर्मेंस और हाई प्रोफाइल का है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

डर आपकी खुशियों को बर्बाद कर सकता है। आपको यह समझने की आवश्यकता है कि यह हमारे अपने विचारों और कल्पना का उत्पाद है। यह सहजता को मारता है- जीने के आनंद को मिटा देता है और हमारी दक्षता को बाधित करता है-इसलिए बेहतर होगा कि इसे कली में ही काट लें, इससे पहले कि यह आपको कायर बना दे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। कारोबारी कामकाज के सिलसिले में दूसरे राज्य का दौरा कर सकते हैं, जहां उनका बेवजह का खर्चा होगा। अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को अपने वित्त का प्रबंधन न करने दें या आप जल्द ही अपना बजट पार कर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

थोक महंगाई दर अक्टूबर में 12 प्रतिशत के पार

ईंधन और बिजली की कीमतों में आया बड़ा उछाल



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। थोक महंगाई दर अक्टूबर में सालाना आधार पर बढ़कर 12.29 प्रतिशत हो गई है, जो कि सितंबर 2026 में 11.39 प्रतिशत थी। इसकी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में सालाना आधार पर 32.84 प्रतिशत के उछाल को माना जा रहा है।

इससे अक्टूबर 2026 के लिए सभी वस्तुओं का थोक महंगाई का सूचकांक बढ़कर 113.3 हो गया है, जबकि सितंबर 2026 में यह 112.5 था। यह जानकारी सोमवार को सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में दी गई। इससे पहले अक्टूबर 2026 में थोक महंगाई दर -1.18 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में बताया गया कि अक्टूबर में प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन और बिजली और विनिर्मित वस्तुओं में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर क्रमशः 9.24 प्रतिशत, 32.84 प्रतिशत और 9.54 प्रतिशत थी। सितंबर में यह क्रमशः 8.67 प्रतिशत, 25.85 प्रतिशत और 9.76 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2026 में मिनरल ऑयल (जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं), कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, खाद्य वस्तुएं, मूल धातुओं का निर्माण, रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्माण, खाद्य उत्पादों का निर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, कपड़ा निर्माण, और रबर तथा प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण जैसे समूहों ने थोक महंगाई को बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाई। थोक खाद्य महंगाई दर (कुल थोक महंगाई में 24.99 प्रतिशत हिस्सेदारी) अक्टूबर 2026 में सालाना आधार पर 8.58 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जबकि सितंबर 2026 में यह 8.66 प्रतिशत थी। थोक खाद्य महंगाई सूचकांक में 'प्राथमिक वस्तुओं' के मुख्य समूह से 'खाद्य वस्तुएं' और 'विनिर्मित उत्पादों'के मुख्य समूह से 'खाद्य उत्पादों का विनिर्माण' शामिल हैं।इससे पहले शुक्रवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए गए थे। भारत में खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में सालाना आधार पर बढ़कर 6.09 प्रतिशत (प्रोविजनल) हो गई है, यह सितंबर 2026 में दर्ज 5.54 प्रतिशत (फाइनल) के मुकाबले 0.55 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने बताया कि देश में अक्टूबर में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 6.63 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी इलाकों में यह 5.41 प्रतिशत रही है।

आरबीआई माइक्रोफाइनेंस लेनदारों के लिए 3 लाख रुपए की आय सीमा की करेगा समीक्षा : डिप्टी गवर्नर



मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर शिरीष चंद्र मुर्मु ने कहा कि केंद्रीय बैंक माइक्रोफाइनेंस लेनदारों के लिए निर्धारित की गई 3 लाख रुपए की आय सीमा की समीक्षा करेगा।

आरबीआई डिप्टी गवर्नर का यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री लेनदारों के लिए तय 3 लाख रुपए की आय सीमा को लंबे समय से बढ़ाने की मांग कर रही है। देश की आर्थिक राजधानी में माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुर्मु ने कहा कि आय सीमा में बदलाव हमारे आकलन और इंडस्ट्री में हो रहे घटनाक्रमों की समीक्षा के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने इंडस्ट्री से आगे कहा कि वे घरेलू आय के आकलन और रिपोर्टिंग की प्रक्रियाओं को मजबूत करें, ताकि विश्वसनीयता बनी रहे और नियामक सीमाओं में किए गए किसी भी बदलाव का गलत इस्तेमाल न हो सके। माइक्रोफाइनेंस इंडस्ट्री ने मांग की है कि किसी परिवार के मासिक ऋण पुनर्भुगतान और आय के अनुपात (यानी 'फिक्स्ड ऑब्लिगेशन-टू-इनकम रेशियो' - एफओआईआर) पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा की समीक्षा की जाए। उनका सुझाव है कि इस अनुपात की गणना करते समय कुछ ऋणों के मूलधन वाले हिस्से को बाहर रखा जाए। हालांकि, मुर्मु का कहना है कि गणना से कुछ ऋणों को बाहर रखने से इस सीमा का उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा, इसकी अहमियत कम हो जाएगी और परिवारों पर मौजूद कर्ज का वास्तविक बोझ कम करके दिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत की सीमा तय करने का उद्देश्य यह है कि कर्ज लेने वाले लोग अत्यधिक कर्ज के बोझ तले न दब जाएं, और साथ ही यह सुनिश्चित हो सके कि परिवार की आय का एक उचित हिस्सा जरूरी उपभोग और जीवन-यापन के अन्य खर्चों के लिए बचा रहे।

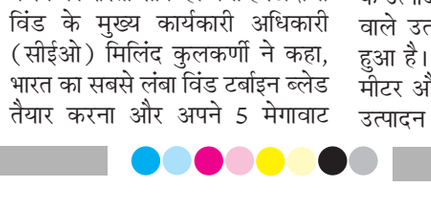
पीएलआई योजना का असर, भारत की सोलर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता 15 गुना बढ़कर 116 गीगावाट हुई



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत समर्थित परियोजनाओं ने भारत की सोलर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता में करीब 24 गीगावाट का योगदान दिया है। इससे देश की सोलर मॉड्यूल उत्पादन क्षमता लगभग 8 गीगावाट से 15 गुना बढ़कर करीब 116 गीगावाट हो गई है। यह जानकारी नीति आयोग की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की मौजूदा सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता का करीब 20.7 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर पीएलआई योजना के तहत समर्थित परियोजनाओं से जुड़ा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई योजना का कुल बजट 24,000 करोड़ रुपए है। इसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, उन्नत तकनीकों को प्रोत्साहित करना और आयात पर निर्भरता कम करना है। इस साल मार्च तक इस योजना के तहत कुल निवेश बढ़कर 64,873 करोड़ रुपए हो गया था। उत्पादन क्षमता में यह विस्तार आयात में गिरावट और निर्यात में वृद्धि के साथ देखने को मिला है। सोलर पीवी मॉड्यूल का आयात 2023-24 में लगभग 4.35 अरब डॉलर से घटकर 2024-25 में 2.15 अरब डॉलर रह गया। वहीं, निर्यात 2021-22 में 8.3 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 1.97 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, 2024-25 में इसमें नरमी आई और यह करीब 1.12 अरब डॉलर रहा। इस योजना ने घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहन से जोड़कर निर्माताओं को स्थानीय स्तर पर कच्चे माल और अन्य जरूरी सामग्री की खरीद बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया है। इसका उद्देश्य सोलर विनिर्माण का एक अधिक एकीकृत इकोसिस्टम विकसित करना है। रिपोर्ट में कहा गया है, कुल मिलाकर, सोलर पीवी पीएलआई योजना ने निवेश जुटाने, विनिर्माण क्षमता विकसित करने, आयात के विकल्प तैयार करने और निर्यात बढ़ाने के मामले में शुरुआती स्तर पर मजबूत परिणाम दिखाए हैं।

अदाणी ग्रुप ने मुंद्रा प्लांट में भारत के सबसे लंबे विंड टर्बाइन ब्लेड का उत्पादन किया शुरु



अहमदाबाद, 16 नवंबर (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात के मुंद्रा स्थित अपने इंटीग्रेडेट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 91.2 मीटर लंबे ऑनशोर विंड टर्बाइन ब्लेड का उत्पादन शुरू कर दिया है।

91.2 मीटर लंबे ये ब्लेड भारत में निर्मित अब तक के सबसे लंबे विंड टर्बाइन ब्लेड हैं। इनका इस्तेमाल ऐसे टर्बाइन में किया जाएगा, जिसका रोटर व्यास 185 मीटर है।

यह भारत में सबसे बड़ा रोटर व्यास है। वहीं, इसकी हब की ऊंचाई 140 मीटर होगी।अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) ने कहा कि उसे अपने 'एमडब्ल्यूएल185-5.0 मेगावाट' विंड टर्बाइन प्लेटफॉर्म के लिए प्रमाणन भी मिल गया है। इससे अब इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।अदाणी विंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मिलिंद कुलकर्णी ने कहा, भारत का सबसे लंबा विंड टर्बाइन ब्लेड तैयार करना और अपने 5 मेगावाट प्लेटफॉर्म के लिए प्रमाणन हासिल करना अदाणी विंड और देश के पवन ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बड़े ब्लेड और अधिक क्षमता वाले टर्बाइन प्रत्येक मशीन को अधिक ऊर्जा हासिल करने में सक्षम बनाते हैं।

इसमें कम हवा की गति वाले स्थान भी शामिल हैं।कुलकर्णी ने कहा, इससे पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए उपलब्ध भौगोलिक क्षेत्रों का दायरा बढ़ाने में मदद मिलती है। देश की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हम भारत में उन्नत पवन ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास और विनिर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस टर्बाइन का रोटर लगभग 26,600 वर्ग मीटर क्षेत्र में हवा को कवर करता है, जो साढ़े तीन से अधिक मानक फुटबॉल मैदानों के बराबर है। 'एमडब्ल्यूएल185-5.0 मेगावाट' प्लेटफॉर्म अलग-अलग गति वाली हवाओं का इस्तेमाल करने में सक्षम है। इससे बिजली उत्पादन अधिक स्थिर रहता है, उपलब्ध पवन संसाधनों का बेहतर उपयोग होता है और समग्र क्षमता उपयोग कारक (सीयूएफ) में सुधार होता है। नए ब्लेड के उत्पादन से मुंद्रा प्लांट में निर्मित होने वाले उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार हुआ है। फिलहाल इस प्लांट में 78.6 मीटर और 80.5 मीटर लंबे ब्लेड का उत्पादन किया जाता था। 91.2 मीटर लंबे ब्लेड का उत्पादन ब्लेड डिजाइन, सामग्री इंजीनियरिंग, विनिर्माण में सटीकता और उन्हें संभालने की क्षमता के क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति को दर्शाता है। इससे अगली पीढ़ी के विंड टर्बाइन के लिए बड़े आकार के पुर्जों का निर्माण करने की भारत की क्षमता मजबूत होगी।

किसी भी विंड टर्बाइन से बिजली उत्पादन उसकी रोटर द्वारा कवर किए जाने वाले क्षेत्र, निर्धारित क्षमता, हब की ऊंचाई और संबंधित स्थान पर उपलब्ध हवा के संसाधनों पर निर्भर करता है।

लगभग 185 मीटर रोटर व्यास और करीब 26,600 वर्ग मीटर के कवरेज क्षेत्र वाला एमडब्ल्यूएल185-5.0 मेगावाट प्लेटफॉर्म कम और मध्यम गति वाली हवाओं वाले स्थानों पर भी अधिक ऊर्जा हासिल करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इससे पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अधिक स्थान तकनीकी और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य हो सकते हैं।

अदाणी विंड के तीन विंड टर्बाइन प्लेटफॉर्म नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची (एएलएमएम-विंड) में शामिल हैं।

अदाणी समूह से बाहर के स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) से अदाणी विंड को मिले कुल ऑर्डर अब 1 गीगावाट से अधिक हो गए हैं।



मोहन भागवत ने कहा- अलगाववाद को बढ़ावा देकर भारत को बांटने की कोशिशें जारी, एकजुट रहें

> अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।
>
> *मोहन भागवत, संघ प्रमुख*



जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया।

भागवत जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर 'मरु निनाद 2026' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो। भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कॉलेजों में रैगिंग की बढ़ती घटनाओं से मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर नाराज, कहा- दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई



जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों के साथ रैगिंग, दुर्व्यवहार और किसी भी प्रकार का मानसिक अथवा शारीरिक उत्पीड़न किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए और दोषी विद्यार्थियों के साथ-साथ लापरवाही बरतने वाले संस्थान के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज शिक्षा और संस्कार के केंद्र हैं। यहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना संस्थान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ विद्यार्थियों को प्रताड़ित करना, उन पर अनुचित दबाव बनाना, देर रात तक जगाना, जबरन गतिविधियां करवाना अथवा किसी भी प्रकार से अपमानित करना गंभीर अनुशासनहीनता है। ऐसी घटनाओं को किसी भी स्तर पर नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजमेस) के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजकीय एवं निजी मेडिकल कॉलेजों में जारी एंटी रैगिंग एक्शन प्लान की अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। कॉलेज प्रशासन रैगिंग की प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई करे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने निर्देश दिए कि रैगिंग संबंधी शिकायतों की जांच के दौरान पीड़ित विद्यार्थियों की पहचान एवं परिवारों की जानकारी गोपनीय रखी जाए। शिकायतकर्ताओं को डराने-धमकाने अथवा शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने वालों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई हो। जांच निष्पक्ष हो और किसी भी विद्यार्थी के साथ भेदभाव नहीं किया जाए।

उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेजों को निर्देश दिए कि कॉलेज परिसर, छात्रावासों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की नियमित निगरानी की जाए। किसी भी शिकायत की स्थिति में संबंधित फुटेज एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखते हुए समयबद्ध जांच की जाए। छात्रावास वार्डन, सुरक्षा कर्मियों और संबंधित जिम्मेदार कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाए। मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि विद्यार्थियों से नियमित रूप से गोपनीय साक्षात्कार किए जाएं तथा उनकी समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए। नए विद्यार्थियों की नियमित काउंसलिंग की जाए और उन्हें रैगिंग की शिकायत दर्ज कराने के उपलब्ध माध्यमों की जानकारी दी जाए। एंटी रैगिंग कमेटी एवं एंटी रैगिंग स्क्वॉड सक्रिय रहकर नियमित निगरानी करें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने स्पष्ट किया कि भविष्य में रैगिंग की कोई घटना सामने आती है और जांच में संस्थान प्रशासन की लापरवाही अथवा उदासीनता पाई जाती है, तो संबंधित कॉलेज प्रशासन को जिम्मेदार माना जाएगा।

15 दिन में 4 अफसरों ने लिया वीआरएस, पूर्व मंत्री बोले- भ्रष्टाचार चरम पर; मंत्री सुमित गोदारा ने किया तीखा पलटवार

जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 4.46 लाभार्थियों को गेहूं वितरण करने वाले खाद्य विभाग में अधिकारियों के लगातार स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने से खलबली मची हुई है। अधिकारी दबी जुबां में उच्च अधिकारियों की प्रताड़ना की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने प्रताड़ना के आरोपों को खारिज करते हुए काम के दबाव और स्वास्थ्य कारणों को वीआरएस की वजह बताया है। वहीं, विपक्ष ने आरोपों की जांच की मांग की है। महज 15 दिन में एक डिप्टी कमिश्नर, डीएसओ स्तर के दो अधिकारियों और एक प्रवर्तन अधिकारी के वीआरएस लेने तथा 1 अन्य के कतार में होने के बीच मंत्री ने यह भी कहा कि विभाग में काम बढ़ा है, तो करना ही होगा।

विभाग की ओर से जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार उपायुक्त संजय झाला, अलवर में डीएसओ पद पर तैनात महेश शर्मा, उप निदेशक उपभोक्ता मामले पवन अग्रवाल और डूंगरपुर में तैनात प्रवर्तन अधिकारी विपिन जैन वीआरएस ले चुके हैं। एक डीएसओ और दो प्रवर्तन अधिकारी भी कतार में हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो अधिकारियों की वीआरएस संबंधी पत्रावलियां उच्च स्तर पर पहुंच चुकी हैं और आगामी सप्ताह में इन्हें मंजूरी मिल सकती है। अधिकारी दबी जुबां में इस सिलसिले के पीछे उच्च अधिकारियों की ओर से अपने खास निर्देशों की पालना नहीं होने पर की जा रही प्रताड़ना को बड़ा कारण बता रहे हैं।

विभाग में उच्च अधिकारियों के खास काम करने का दबाव बनाया जा रहा है और अधिकारी ऐसे काम करने के बजाय अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर वीआरएस ले रहे हैं। विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है, अधिकारियों का वीआरएस लेना गंभीर मामला है, सरकार को इसकी जांच करानी चाहिए ताकि सच सामने आ सके।

काम का दबाव तो लगातार बढ़ ही रहा है। स्वास्थ्य कारणों से भी अधिकारियों ने वीआरएस लिया होगा। उच्च अधिकारियों की ओर से अफसरों को प्रताड़ित करने या केवल एक वर्ग विशेष के अधिकारियों के ही वीआरएस लेने जैसी कोई बात मेरे सामने नहीं आई है। डीपीसी हो गई है और हमें नए अधिकारी मिल गए हैं। पूर्व मंत्री विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन यह भी सभी को पता है कि उनके कार्यकाल में विभाग में क्या-क्या हुआ। मंत्री ने यह भी कहा कि विभाग में काम बढ़ा है, तो करना ही होगा।

'गब्बर' के एनकाउंटर के बाद फिरोजपुर झिरका फिर आया सुर्खियों में, पहले भी गोतस्करी के कई मामले आ चुके सामने



अलवर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान और हरियाणा की सीमा से सटे मेवात क्षेत्र में गोतस्करी का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में तड़के पुलिस और कथित गोतस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आरोपियों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल है। खास बात यह है कि मारे गए आरोपियों में एक अलवर जिले के टहला थाना क्षेत्र के राजपुरा बड़ा गांव का रहने वाला गब्बर पुत्र भूरा भी शामिल है। घटना के बाद मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों के नूंह पहुंचकर विरोध करने की आशंका के चलते राजस्थान पुलिस को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। नौगांवा क्षेत्र में सीमा पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई है।

अलवर में गोतस्करी के संदेह में हुई मॉब लिंचिंग और पुलिस व कथित गोतस्करों के बीच मुठभेड़ की घटनाओं का इतिहास काफी पुराना और संवेदनशील रहा है। खासकर 2017 से 2019 के बीच अलवर देशभर में चर्चा में रहा। इन घटनाओं में पहलू खान, उमर खान, रकबर खान और तालीम के मामले प्रमुख हैं।

दिसंबर 2017 में शहर की जनता कॉलोनी में पुलिस और कथित गोतस्करों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस के अनुसार, मिनी ट्रक में गाय ले जा रहे 5-7 लोगों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस का दावा था कि आरोपियों ने गोलीबारी की, जिसके जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। इसमें हरियाणा निवासी तालीम की मौत हो गई। ट्रक में पांच गाय मिली थीं, जिनमें एक मृत थी। इस मामले की जांच सीआईडी-सीबी को सौंपी गई थी।

पहलू खान मामला: अप्रेल 2017 में बहरोड़ के पास गोवंश ले जा रहे पहलू खान और उनके साथियों को भीड़ ने रोककर पीटा। दो दिन बाद 3 अप्रेल को पहलू खान की मौत हो गई। उन्होंने मरने से पहले अपने बयान में छह लोगों के नाम बताए थे। यह मामला पूरे देशभर में छाया था।

उमर खान मामला: नवंबर 2017 में उमर खान की गोवंश परिवहन के दौरान गोली लगने से मौत हुई। पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर को कथित गो-रक्षकों और गोवंश ले जा रहे लोगों के बीच गोलीबारी हुई थी। उमर का शव रामगढ़ क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर मिला। उनके साथी ताहिर घायल हुए थे और जावेद फरार हो गया था।

रकबर खान मामला: जुलाई 2018 में रामगढ़ के लालवंडी गांव में गोवंश ले जा रहे रकबर खान और असलम खान को भीड़ ने रोककर पीटा। रकबर की मौत हो गई, जबकि असलम बच निकला।

खुशखेड़ा मामला: 27 मार्च 2024 में खुशखेड़ा थाना क्षेत्र में गोतस्करी के संदेह में हरियाणा के चार लोगों की पिटाई की गई। चारों घायल मिले और अस्पताल में भर्ती कराए गए। मौके से सात गाय बरामद कर गोशाला भेजी गईं।

पुष्कर मेले में आकर्षण का केंद्र बना 71 इंच का सफेद घोड़ा बादल



अजमेर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। पुष्कर मेला मैदान में इस बार पिछले वर्ष की अपेक्षा ऊंट वंश की अब तक दो गुनी आवक हो चुकी है। हालांकि यह घोड़ों से काफी कम है। पशुपालन विभाग के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2001 में सबसे ज्यादा 15460 ऊंट आए थे। इसके बाद आवक लगातार घटती रही। पिछले 25 सालों में सबसे कम ऊंट वर्ष 2025 में कुल 1576 आए। इस बार संख्या बढ़ी है। मेला मैदान में 3411 ऊंट आ चुके हैं। जो पिछले वर्ष की अपेक्षा लगभग दोगुने है। मेला मैदान में वर्ष 2017 में एक भी अश्व वंश की आवक दर्ज नहीं बताई गई। उसके बाद से आवक शुरू हुई। वर्ष 2024 में पुष्कर मेले का स्वरूप बदल गया।

चुनावी रंजिश में युवक की हत्या

ग्रामीणों ने बनाई पोलिंग बूथ से दूरी; 7 घंटे बाद भी नहीं पड़ा एक भी वोट

धौलपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। धौलपुर जिले की बरौली ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव से पहले हुई हिंसा और युवक की हत्या के बाद सोमवार को मतदान पर भी इसका असर देखने को मिला। गांव में दहशत के चलते सुबह से ही पोलिंग बूथ पर सन्नाटा पसरा रहा। दोपहर 2 बजे तक एक भी मतदाता वोट डालने नहीं पहुंचा। प्रशासन की ओर से मृतक पक्ष के लोगों से बातचीत के बाद मतदान में भाग लेने पर सहमति बन गई है। हालांकि, दोपहर 2 बजे बाद भी पोलिंग बूथ पर मतदान प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है।

गौरतलब है कि सरपंच प्रत्याशियों के समर्थकों के बीच विवाद के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान हुई फायरिंग में पीतम पुत्र कल्याण की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे पक्ष का रिंकू घायल हो गया था। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। आक्रोशित लोगों ने दूसरे पक्ष के घरों पर हमला कर आगजनी भी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली और गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया।

धौलपुर एसपी विकास सांगवान ने बताया कि युवक की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी रिंकू को डिटेन कर लिया गया है। उसके पैर में चोट लगी है। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सुरक्षा के लिए पुलिस गार्ड तैनात किया गया है। पुलिस ने अब तक मुख्य आरोपी समेत 10 लोगों को डिटेन किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। सोमवार सुबह मृतक के शव का पोस्टमार्टम शुरू कराया गया। इसके बाद प्रशासन ने पीड़ित पक्ष के लोगों से बातचीत की। मतदान में शामिल होने पर सहमति बनने के बाद प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया शुरू कराने की तैयारी की है।

मृतक पीतम 3 भाईयों में सबसे छोटा था। सबसे बड़ा खुशीलाल, उसके बाद श्याम सिंह और तीसरा बेटा पीतम था। पीतम अविवाहित था। जो अपने भाइयों के साथ खेती बाड़ी करता था। घायल रिंकू के भाई की पत्नी रजनी गांव की निवर्तमान सरपंच हैं। इस बार सरपंच पद की सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित है और रजनी फिर से चुनाव मैदान में हैं।

श्रीगंगानगर ट्रेक ब्लास्ट केस: पुलिस को मिला जिंदा बम

रामसिंहपुर स्टेशन के पास से हुई बरामदगी

श्रीगंगानगर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट के मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ नए खुलासे हो रहे हैं। 3 नवंबर को अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलवे ट्रैक पर हुए ब्लास्ट की जांच के दौरान पुलिस को रामसिंहपुर रेलवे स्टेशन के पास दो और बम मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से एक बम सक्रिय हालत में था, जबकि दूसरा डिफ्यूज मोड में मिला। गिरफ्तार आरोपी महिला महकदीप कौर और उसके साथी देविंदर सिंह की निशानदेही पर ये बरामदगी हुई है। इससे पहले एटीएस की जांच में इस मामले के कथित पाकिस्तानी कनेक्शन और एक यात्री ट्रेन को निशाना बनाने की साजिश की बात सामने आई थी।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस टीम गिरफ्तार महकदीप कौर और देविंदर सिंह को रामसिंहपुर रेलवे स्टेशन के पास लेकर पहुंची थी। पूछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर उन स्थानों की जानकारी दी, जहां बम छिपाए गए थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों बम बरामद किए।

अधिकारियों ने बताया कि बरामद बमों में से एक लाइव मोड में था, जबकि दूसरा डिफ्यूज मोड में मिला। अधिकारी नितिन चौधरी ने कहा कि मामले में आगे की जांच और आवश्यक कार्रवाई जारी है। सक्रिय बम मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों की जांच भी अहम हो गई है। इससे पहले एटीएस की जांच में सामने आया था कि पाकिस्तान में बैठे एक कथित हैंडलर ने पंजाब के गुरदासपुर की रहने वाली तलाकशुदा महिला महकदीप कौर को अपने संपर्क में लिया था। जांच एजेंसी के मुताबिक, महिला को पैसों का लालच देकर रेलवे ट्रैक पर विस्फोट करने की साजिश में शामिल किया गया। आरोप है कि महकदीप ने अपने प्रेमी देविंदर सिंह को भी पैसों और शादी का वादा करके इस साजिश में शामिल किया। एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन ने बताया था कि यह साजिश कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर रची गई थी। इसका मकसद एक यात्री ट्रेन को विस्फोट से निशाना बनाना था।

एटीएस के अनुसार, विस्फोटक को इस तरह लगाया गया था कि एक यात्री ट्रेन इसकी चपेट में आ सकती थी। हालांकि, टाइमिंग में चूक के कारण ट्रेन के गुजरने के लगभग 30 मिनट बाद विस्फोट हुआ। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया और यात्री ट्रेन इसकी चपेट में नहीं आई।

एटीएस की जांच में महकदीप के पूर्व पति करण का नाम भी सामने आया था। एजेंसी के मुताबिक, महकदीप ने करीब दो साल पहले करण से शादी की थी और 24 दिसंबर 2024 को दोनों का तलाक हो गया था। फरवरी 2025 में करण को हेरोइन तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जेल में मुलाकात के दौरान करण ने कथित तौर पर महकदीप को पाकिस्तान में बैठे 'लवली' नाम के एक तस्कर का फोन नंबर दिया था। बताया गया कि इसके जरिए वह पैसों का इंतजाम कर सकती थी। इसके बाद महकदीप ने लवली से संपर्क किया। आरोप है कि लवली ने उसे अपने साथी 'शाह' से मिलवाया और शाह ने धीरे-धीरे उसे इस साजिश में शामिल कर लिया।

खेत में सिंचाई के दौरान करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

बचाने दौड़ा बेटा भी चपेट में आया

जयपुर, 16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर जिले के बस्सी क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। नया पालका गांव में खेत में सिंचाई कर रहे पिता-पुत्र की करंट लगने से मौत हो गई। खेत की मेड़ पर लगे नीम के पेड़ की टहनियां 33 केवी बिजली लाइन के तारों को छू रही थीं। इससे खेत में भरे पानी में करंट फैल गया। हादसे में 62 वर्षीय सोहनलाल धाकड़ और उनके 40 वर्षीय बेटे गोपाल लाल धाकड़ की जान चली गई। घटना के बाद बस्सी थाना पुलिस दोनों को बस्सी उप जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शी गोवर्धन लाल धाकड़ के अनुसार, सोहनलाल धाकड़ और उनके बेटे गोपाल लाल खेत में पानी लगा रहे थे। इसी दौरान खेत की मेड़ के पास लगे नीम के पेड़ की टहनियां 33 केवी बिजली लाइन के तारों के संपर्क में आ गईं। इससे खेत में भरे पानी में करंट फैल गया। सिंचाई के दौरान सोहनलाल पानी में गिर गए और करंट की चपेट में आ गए।

पुलिस की डिजिटल स्ट्राइक, 30 हिस्ट्रीशीटरों के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक, हथियारों की रील्स पर शिकंजा

झालावाड़16 नवंबर (एजेंसियां)। हथियारों के साथ फोटो और रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर रौब जमाना, गैंगस्टरों का महिमामंडन करना और अपराध को ग्लैमर के रूप में पेश करना अब हिस्ट्रीशीटरों और हार्डकोर अपराधियों पर भारी पड़ रहा है। झालावाड़ पुलिस ने ऐसे अपराधियों के खिलाफ डिजिटल कार्रवाई करते हुए जिले के 30 हिस्ट्रीशीटरों और हार्डकोर अपराधियों के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक करवा दिए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सोशल मीडिया के जरिए दहशत फैलाने और युवाओं को अपराध की ओर आकर्षित करने की कोशिशों पर रोक लगाना है। पुलिस की कार्रवाई अब केवल सड़क पर होने वाले अपराधों तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराधियों के उस डिजिटल मंच तक भी पहुंच गई है, जहां वे अपनी आपराधिक छवि को ताकत और रुतबे के तौर पर पेश कर रहे थे। साइबर निगरानी के दौरान पुलिस को ऐसे कई सोशल मीडिया अकाउंट मिले, जिनके जरिए अवैध हथियारों का प्रदर्शन, गैंग कल्चर का प्रचार और आमजन में डर पैदा करने की कोशिश की जा रही थी।

जिले के कुछ आदतन अपराधियों ने सोशल मीडिया को अपनी पहचान और दबदबा दिखाने का माध्यम बना रखा था। वे इंस्टाग्राम पर हथियारों के साथ फोटो और वीडियो पोस्ट करते थे। इसके अलावा आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी रील्स बनाना, कुख्यात गैंगस्टरों का महिमामंडन करना और सड़कों पर खतरनाक स्टंट के वीडियो डालना भी उनके अकाउंट की पहचान बन गया था। इन पोस्ट के जरिए आमजन में भय पैदा करने के साथ ही युवाओं को अपराध की दुनिया के प्रति आकर्षित करने की कोशिश की जा रही थी।

एसपी अमित कुमार ने बताया कि जिले के चिन्हित हिस्ट्रीशीटरों और हार्डकोर अपराधियों की सोशल मीडिया गतिविधियां सामने आने के बाद साइबर पुलिस स्टेशन और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने निगरानी शुरू की।

64 लाख रुपये का डोडाचूरा और हथियार जब्त

स्कॉर्पियो छोड़कर जंगल में भागा चालक

प्रतापगढ़16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देवगढ़ थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने एक सफेद स्कॉर्पियो से 429 किलो 200 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया है। जब्त डोडाचूरा की अनुमानित कीमत करीब 64 लाख 38 हजार रुपये बताई गई है। गाड़ी की तलाशी में एक देसी पिस्टल, मैगजीन और दो जिंदा कारतूस भी मिले हैं। पुलिस की नाकाबंदी देखकर चालक स्कॉर्पियो को चालू हालत में छोड़कर पास के घने जंगल में फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

देवगढ़ थाना अधिकारी कानाराम सिरवी पुलिस टीम के साथ पुंगा तालाब पुलिस चौकी के सामने नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान देवगढ़ की तरफ से एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो आती दिखाई दी। पुलिस टीम को देखकर चालक ने गाड़ी को तुरंत ग्यासपुर फंटा की तरफ मोड़ दिया और भागने की कोशिश करने लगा।

पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए स्कॉर्पियो को आगे और पीछे से घेरकर रोकने का प्रयास किया। खुद को घिरता देख चालक गाड़ी को चालू हालत में ही छोड़कर पास के घने जंगल में भाग गया। पुलिस टीम ने जंगल में उसकी तलाश की, लेकिन अंधेरे और घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर वह फरार होने में सफल रहा।

सरपंच चुनाव से पहले दो पक्षों में फायरिंग, युवक की मौत; 2-3 लोग घायल, गांव में पुलिस बल तैनात

धौलपुर, 16 नवंबर (एजेंस\यिां)। धौलपुर जिले के सरमथुरा थाना क्षेत्र के बरौली गांव में सरपंच चुनाव से पहले दो पक्षों के बीच विवाद के बाद फायरिंग हो गई। रात करीब 9 बजे हुई इस घटना में गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो से तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। गांव में सरपंच चुनाव से पहले दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच फायरिंग शुरू हो गई। इस दौरान एक युवक की जान चली गई। वहीं, गोलीबारी में दो-तीन अन्य लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। गांव में तनावपूर्ण हालात को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके और स्थिति पर नजर रखी जा सके। सरपंच चुनाव से ठीक पहले हुई इस फायरिंग की घटना ने गांव में चिंता बढ़ा दी है।

आपसी रंजिश में किशोर की हत्या का आरोप, दादी के सामने दंपती ने गर्दन मरोड़ी; केस दर्ज

बांसवाड़ा16 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कोटड़ा गांव में आपसी रंजिश को लेकर एक किशोर की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की दादी ने एक दंपती पर घर में घुसकर किशोर को पीटने और उसकी गर्दन मरोड़ने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कोटड़ा गांव में आपसी रंजिश में एक दंपती पर किशोर की हत्या करने का आरोप लगा है। मृतक की दादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 13 नवंबर की शाम की है। आरोप है कि दंपती घर में घुसा और किशोर को बाहर ले जाकर उसके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आई दादी और पोती के साथ भी मारपीट की गई। कुशलगढ़ थानाधिकारी प्रवीण सिंह सिसोदिया के अनुसार, थावरी पत्नी हरदार निनामा निवासी कोटड़ा ने कमलेश पिता विरहींग निनामा निवासी टिमेड़ा बड़ा और उसकी पत्नी हका के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थावरी ने 14 नवंबर को दी रिपोर्ट में बताया कि घटना 13 नवंबर की शाम करीब सात बजे की है। उस समय वह अपनी पोती मायावती और पोते अक्षय के साथ घर के अंदर खाना खा रही थीं। इसी दौरान दोनों आरोपी कथित तौर पर जबरन उनके घर में घुस आए। दोनों आरोपी अक्षय को पकड़कर घसीटते हुए घर से बाहर सीसी सड़क पर ले गए। वहां उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों से मारपीट की। दादी थावरी और पोती मायावती ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

राहुल गांधी समेत आयोजकों पर मामला दर्ज करने की मांग

* 'भारत सम्मेलन' की आड़ में हुआ 'भारत विरोधी सम्मेलन'
* रामचंदर राव ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर शिकायत सौंपी

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने हैदराबाद में आयोजित 'भारत सम्मेलन' में देश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले इटली के यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी (पीईएस) के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक सहित कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सम्मेलन के आयोजकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की मांग की है।



इस संबंध में उन्होंने सोमवार शाम पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ राज्य के पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर शिकायत सौंपी। शिकायत सौंपने के बाद पत्रकारों से बातचीत में रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि विदेशी नेता ने भारतीय लोकतंत्र को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपमानित करने वाले बयान दिए। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और राहुल गांधी की मौजूदगी में ऐसी टिप्पणियों को रोकने के बजाय प्रोत्साहित किया गया।

उन्होंने कहा कि विदेशी नागरिकों को भारत के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आव्रजन एवं विदेशी नागरिक अधिनियम, 2025 की धारा 23 के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए सम्मेलन के आयोजक समृद्धि भारत फाउंडेशन, सह-प्रायोजक प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और प्रायोजक बेंगलुरु की कंपनी फेज 1 के खिलाफ भी मामले दर्ज करने की मांग की। उन्होंने तेलंगाना सरकार की भूमिका की जांच करने और राहुल गांधी को कथित रूप से मुख्य उकसाने वाला बताते हुए उनके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि सम्मेलन में शामिल होने के लिए कुछ विदेशी नागरिकों ने भारत आने का गलत उद्देश्य बताया था और केंद्र सरकार ने अंतिम समय में 115 लोगों के वीजा रद्द किए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की शिकायत पर पुलिस महानिदेशक ने कानूनी राय लेकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। कार्रवाई नहीं होने पर पार्टी अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री डॉ. एन. गौतम राव, वीरेंद्र गौड़ और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बस्वापुरम लक्ष्मीनरसैया सहित अन्य नेता शामिल थे।

जीएचएमसी के प्रजावाणी कार्यक्रम में 53 शिकायतें प्राप्त

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के मुख्य कार्यालय में सोमवार को प्रजावाणी जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नागरिकों से कुल 53 शिकायतें प्राप्त हुईं।

कार्यक्रम में जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन), अतिरिक्त आयुक्त (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता), अतिरिक्त आयुक्त (शहरी सामुदायिक विकास एवं संपदा), मुख्य नगर नियोजक, शहरी जैव विविधता निदेशक, संयुक्त आयुक्त (राजस्व), मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधीक्षण अभियंता (विद्युत), संपदा अधिकारी, व्यक्तिगत अधिकारी तथा ठोस कचरा प्रबंधन विभाग के कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे।

तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के लिए यूएई के मंत्री को न्योता

अजहरुद्दीन ने अबू धाबी में शेख नाहयान से की मुलाकात



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सोमवार को अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता एवं सहअस्तित्व मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। अजहरुद्दीन ने शेख नाहयान को 7 से 9 दिसंबर तक हैदराबाद में आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट 2026 में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना को वैश्विक निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों की जानकारी दी। दोनों नेताओं ने तेलंगाना और यूएई के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन ने शेख नाहयान को हस्ताक्षरित क्रिकेट बल्ला भेंट किया। उन्होंने अगले महीने तेलंगाना में यूएई के मंत्री की मेजबानी करने की उम्मीद जताई।

नारायणपेट मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में आग; छात्राओं का सामान जलकर खाक

नारायणपेट, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में आग लग गई। सोमवार (16 नवंबर) को शाम करीब 5:30 बजे, इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित एक कमरे में आग लग गई। इस घटना में एमबीबीएस तीसरे वर्ष की 20 से अधिक छात्राएं प्रभावित हुईं। उनका निजी सामान पूरी तरह जल गया।

हालांकि, किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।नारायणपेट स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज ने छात्रों के रहने के लिए शहर से लगभग 10 किमी दूर एक निजी इमारत किराए पर ली है। इसमें एमबीबीएस तीसरे वर्ष की छात्राएं रहती हैं। सोमवार को अचानक एक कमरे में आग लग गई, जो तेजी से फैल गई। छात्राओं ने बताया कि आग करीब 30 से 40 मिनट तक धधकती रही। बाद में, दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आरोप है कि किराए की इस इमारत में आग बुझाने के उपकरण (फायर एक्सटिंग्विशर) जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इमारत में हवा के आने-जाने (वेंटिलेशन) की उचित व्यवस्था न होने के कारण, कुछ छात्राओं को धुएं की वजह से सांस लेने में दिक्कत हुई। माना जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट या वॉटर हीटर में किसी खराबी के कारण लगी होगी। इस हादसे में छात्राओं के कपड़े, किताबें और अन्य निजी सामान जल गए। कॉलेज में स्थायी हॉस्टल भवन के निर्माण के लिए आधारशिला तो रखी जा चुकी है, लेकिन काम 2024 में पूरा होगा। छात्राओं का कहना है कि निर्माण कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है।

एक छात्रा ने सवाल उठाया कि नर्सिंग कॉलेज की इमारत पूरी होने के बाद भी क्या उन्हें हॉस्टल की उचित सुविधाएं मिल पाएंगी? हेल्थकेयर रिफॉर्म्स डॉक्टर्स एसोसिएशन के कार्तिक नागुल ने इस घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकारी मेडिकल कॉलेज में आग लगने की यह दूसरी घटना है। उन्होंने कहा कि सरकार नए मेडिकल कॉलेज खोल रही है और एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रही है, लेकिन बुनियादी ढांचे, हॉस्टल की सुविधा और छात्रों की सुरक्षा को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। उन्होंने सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के हॉस्टलों में फायर सेफ्टी (अग्नि सुरक्षा) के इंतजाम न होने का आरोप लगाया और सभी हॉस्टलों की सुरक्षा जांच कराने की मांग की। पूर्ण सुरक्षा सुविधाओं के साथ स्थायी हॉस्टल भवनों का निर्माण जल्द पूरा किया जाए और सरकार से आग्रह है कि इन्हें छात्रों के लिए उपलब्ध कराया जाए। छात्रों की सुरक्षा को लेकर कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए; वहां आग बुझाने के बुनियादी उपकरण तक मौजूद नहीं हैं। कार्तिक नागुल ने कहा कि छात्रों को ऐसी इमारतों में रखना चिंता का विषय है।

मोइनाबाद टाउन प्लानिंग ऑफिसर के खिलाफ एसीबी को 6.76 करोड़ रुपये की संपत्ति मिली

हैदराबाद,16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रंगारेड्डी जिले की मोइनाबाद नगर पालिका की टाउन प्लानिंग ऑफिसर गुंडू वाणी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज करने के बाद, सोमवार को शहर और अन्य जगहों पर कई स्थानों पर तलाशी ली।



एसीबी ने वाणी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने भ्रष्टाचार और गलत तरीकों से इतनी संपत्ति जुटाई है, जो उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक है। उनके आवास, कार्यालय और उनके रिश्तेदारों, सहयोगियों तथा संदिग्ध बेनामीदारों से जुड़ी संपत्तियों सहित कुल आठ जगहों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, अधिकारियों को जडचेरला और पालाकुर्थी में दो खाली प्लॉट, अट्टापुर में एक फ्लैट और G+2 आवासीय इमारत, तथा कोइलकोंडा मंडल में 1.10 एकड़ कृषि भूमि मिली। इन अचल संपत्तियों की कीमत 4.25 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, तलाशी में 5.47 लाख रुपये नकद, महबूबनगर में 'तुलजा भवानी वाइन' में 50 लाख रुपये का निवेश, 1.30 करोड़ रुपये के शेयर, बैंक खातों में 7.97 लाख रुपये, 175.1 ग्राम सोने के आभूषण, 50 लाख रुपये की गाड़ियां और 5.10 लाख रुपये कीमत का घरेलू सामान भी मिला।

इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत 6,76,45,738 रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इन संपत्तियों की बाजार कीमत इससे काफी अधिक हो सकती है और अभी इनकी और जांच-पड़ताल की जा रही है। अधिकारी वाणी को 30 सितंबर को एसीबी अधिकारियों ने रंगे हाथों पकड़ा था।

आरोप है कि वह एक पंचायत सचिव के ज़रिए 75,000 रुपये की रिश्वत मांग रही थी और ले रही थी। वह अभी न्यायिक हिरासत में है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में, उसे 'प्रिजनर ट्रांजिट वारंट' के ज़रिए हैदराबाद की विशेष एसीबी अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की जांच चल रही है।

नामपल्ली अदालत ने 6 साल पुराने मामले में वेंकटस्वामी को किया बरी

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले बीआरएस सरकार के कार्यकाल में दर्ज एक मामले में एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष वेंकटस्वामी को नांपल्ली अदालत से बड़ी राहत मिली है। करीब 6 वर्षों से अदालत में विचाराधीन इस मामले में न्यायालय ने हाल ही में फैसला सुनाते हुए वेंकटस्वामी को निर्दोष घोषित कर दिया और मामला खारिज कर दिया। इस मामले में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के विधि प्रकोष्ठ के संयोजक एवं अधिवक्ता कूर्मा नरेंद्र ने वेंकटस्वामी की ओर से अदालत में पैरवी की। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अदालत का फैसला आने से वेंकटस्वामी को राहत मिली है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व का समापन



हैदराबाद, 16 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति द्वारा छठ पूजा का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न । अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने बताया कि हर साल कि तरह इस साल भी तेलंगाना बिहार सहयोग समिति की ओर से बंडा चेरु, लालवानी नगर, आनंद बाग में छठ महापर्व का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया की पहली दिन डूबते सूर्य को अर्थ दिए और दुसरे दिन सोमवार को उगता सूर्य को अर्थ देकर 36 घंटे का उपवास तोड़े तथा परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

छठ पूजा के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और लोगों ने पूरे उत्साह एवं आस्था के साथ इस महापर्व को मनायें इस आयोजन ने बिहार। इस मौके पर मलकाजगीरी एमएलए राजशेखर रेड्डी, बिनायक नगर कॉरपोरेटर राजलक्ष्मी मैडम मलकाजगीरी कॉरपोरेटर सरवन कुमार, रेलवे के अदाकारी शकिल सर निजर लैंड से आए आफिसर अमित, अपने पत्नी के साथ आकर अर्घ्य दिए और बिहार,युपी, झारखंड के बहुत से गन मान लोग ने भाग लिया समिति के सदस्यों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने इस मौके पर समीती कि ओर से बिहार के ठेकुआ प्रसाद और सागर भगत द्वारा सभी लोगों के लिए चाय , इंतजाम किया गया ,इस मौके पर नॉर्थ पिपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राज नारायण सिंह,जन सेवा संघ के छठ प्रभारी अजय कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय गौरव हमारा पहला कर्तव्य है हम भारत-विरोधी टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे!



हैदराबाद, 16 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। चाहे वे विदेशी प्रतिनिधि हों जो भारत आकर हमारे राष्ट्र की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली बातें कहते हैं, या फिर कांग्रेस के नेता जो ऐसे बयानों को बढ़ावा देते हैंउन्हें हमारे लोकतांत्रिक विरोध का सामना करना ही होगा!

जब बात हमारे राष्ट्र के सम्मान और स्वाभिमान की आती है, तो कोई समझौता नहीं हो सकता। भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करना हर भारतीय की जिम्मेदारी है। हमारे राष्ट्र का हित सर्वोपरि है, और 'राष्ट्रीय गौरव' ही हमारा नारा है! इस अवसर पर, हैदराबाद के जामबाग डिवीजन के पूर्व कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने कांग्रेस पार्टी के रुख का विरोध करते हुए ये नारे लगाए। इस विरोध प्रदर्शन में महेश यादव, नरसिंह ठाकुर, शंकर कुबेर, राजू यादव, अमित, बाबू राज, साई राम और भाजपा के अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने मिलकर अपना विरोध दर्ज कराया।

उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ छठ महापर्व संपन्न



हैदराबाद, 16 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार को उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ हैदराबाद एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के तत्वावधान में शहर के 30 से अधिक छठ घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। एसोसिएशन के अध्यक्ष हरे राम सिंह एवं कार्यकारिणी मंडल के मार्गदर्शन में विभिन्न घाट समितियों और कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की। व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर 36 घंटे के निर्जला व्रत का विधिवत पारण किया।

प्रमुख घाटों पर आयोजन में सक्रिय रहे पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता: टैंक बंड पर मानवेंद्र मिश्रा, हरे राम सिंह, भरत सिंह एवं अजय ओझा; जलविहार में उत्तम यादव एवं साथी; सफेलगुड़ा में जितेंद्र , सुनील, हरे राम यादव, बालचन्द्र एवं विनोद गुप्ता; नागोल बतुकम्मा में उप्पल बतुकम्मा में रविशंकर सिंह, प्रभास कुमार, दिलीप कुमार, अशोक प्रसाद सिंह, पी.के. सिंह एवं श्री अरविंद सिंह यादव; शमशाबाद में नंदलाल चौहान एवं श्री संजय यादव तथा बोंड उप्पल-बतुकम्मा में शत्रुघ्न राम एवं सहयोगियों ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद ने सभी घाट समितियों, कार्यकर्ताओं, स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। एसोसिएशन ने कहा कि 30 से अधिक घाटों पर छठ महापर्व का सफल आयोजन बिहार एवं पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

बिहार अग्रवाल संघ द्वारा भव्य छठ महापर्व का आयोजन

> तेलंगाना सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने परिवार सहित अर्घ्य अर्पित किया



हैदराबाद, 16 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। बिहार अग्रवाल संघ द्वारा बेबी पोंड, नेकलेस रोड स्थित छठ घाट पर लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिमय वातावरण में किया गया। आयोजन के दूसरे दिन बड़ी संख्या में बिहार एवं पूर्वांचल मूल के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर छठी मैया की पूजा-अर्चना की। पूरे घाट पर भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

इस पावन अवसर पर तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव श्री विकास राज जी एवं प्रधान वित्त सचिव श्री संदीप सुल्तानिया जी ने अपने परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित होकर छठी मैया को अर्घ्य अर्पित किया। बिहार अग्रवाल संघ की ओर से दोनों वरिष्ठ अधिकारियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। दोनों अधिकारियों ने काफी समय तक छठ घाट पर रुककर श्रद्धालुओं के बीच की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संघ द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, अनुशासन एवं आयोजन की भव्यता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर कर्नल सुमित सिंह जी भी अपने परिवार सहित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और उन्होंने भी आयोजन की सराहना करते हुए संघ के प्रयासों की प्रशंसा की। इस विशाल आयोजन को सफल बनाने के लिए बिहार अग्रवाल संघ की पूरी टीम पिछले लगभग एक महीने से दिन-रात अथक परिश्रम कर रही थी।

संघ के अध्यक्ष श्री रमेश जी गोयल, उपाध्यक्ष विक्की सर्राफ, महामंत्री भीम फिटकरीवाला, सह मंत्री रवि लाडिया, कोषाध्यक्ष हरि मोहन सर्राफ एवं आईपीपी विकास केसान जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के संयोजक विकास हिसारिया, श्री अनूप जी झुनझुनवाला, मनीष फिटकरीवाला, अर्जुन फिटकरीवाला एवं श्री विनय जैन ने आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुचारू व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चप्पल स्टैंड की जिम्मेदारी श्री संदीप अग्रवाल ने संभाली, जबकि यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था का दायित्व पवन अजीत सरिया ने बखूबी निभाया। जलपान एवं भोजन की व्यवस्था श्री सज्जन सर्राफ, विकास सर्राफ, मनीष अग्रवाल एवं संतोष टाटिया की देखरेख में संपन्न हुई। घाट पर गंगाजल एवं दूध की व्यवस्था अनिल अग्रवाल ने संभाली। वहीं प्रसाद वितरण की जिम्मेदारी मनीष तालुका, सुनील केजरीवाल, मधुसूदन झुनझुनवाला, मुकेश चौधरी, नीरज अग्रवाल, अजय नवेतिया एवं अनिल जैन ने पूरी निष्ठा के साथ निभाई। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी श्री अमित अग्रवाल ने सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के साथ सहयोग प्रदान किया, उसके लिए बिहार अग्रवाल संघ हृदय से आभार व्यक्त करता है। सरकारी विभागों के सहयोग एवं संघ के सदस्यों के सामूहिक प्रयासों से हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण में छठ महापर्व मनाने का अवसर प्राप्त हुआ।

बिहार अग्रवाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि छठ महापर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता, पारिवारिक परंपराओं एवं सेवा भावना का प्रतीक है। इस आयोजन के माध्यम से हैदराबाद में रहने वाले बिहार एवं पूर्वांचल के लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिला।

संघ ने आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं, श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं समाज के सभी सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। संघ ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी तेलंगाना सरकार एवं प्रशासन का इसी प्रकार सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलता रहेगा, ताकि आने वाले वर्षों में भी इस पावन पर्व का आयोजन और अधिक भव्यता एवं गरिमा के साथ किया जा सके।

रामंतापुर में भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व



हैदराबाद, 16 नवंबर स्वतंत्र वार्ता)। रामंतापुर स्थित गंगा भवानी मंदिर के पीछे, सत्यनारायण स्वामी मंदिर, छोटा चेरुवु परिसर में सरस्वती पूजा समिति के तत्वावधान में छठ महापर्व श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। छठ पूजा कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उप्पल विधायक बी. लक्ष्मा रेड्डी, पूर्व विधायक बी सुभाष रेड्डी , बीआरएस नेता गंडम नागेश्वर राव , कांग्रेस नेता एम.डी. रफीक , भाजपा नेता संतोष गुप्ता एवं जाकिर भाई उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं में सुरेश सिंह, कमलेश पांडेय, भगवान सिंह, सुनील सिंह, धर्मेंद्र कुशवाहा, मंजूनाथ गुप्ता, राजीव कुमार, हरेंद्र चौबे, अजय शर्मा, राजेश शर्मा अन्य सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।



हसमतपेट की छठ घाट पर उगते सूर्य को अर्घ्य देते रंजीत शर्मा, बबीता देवी, प्रियंका शर्मा, राहुल शर्मा, करीना कुमारी, करिश्मा कुमारी, कृष्ण शर्मा, रियांशु यश राज व बडी संख्या में श्रद्धालु।

आवाज का नमूना देने से जुड़ी विधायक कौशिक रेड्डी की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को कानूनी झटका देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को हुजूराबाद के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी की याचिका खारिज कर दी। विधायक ने जांच के सिलसिले में आवाज का नमूना देने संबंधी पुलिस के नोटिस और निचली अदालत के निर्देशों को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। यह मामला करीमनगर जिले के वीनावंका पुलिस थाने में दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इसमें कौशिक रेड्डी पर तत्कालीन करीमनगर पुलिस आयुक्त के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

जय शाह लगातार दूसरी बार निर्विरोध आईसीसी चेयरमैन

यह पद संभालने वाले 5वें भारतीय, शशांक मनोहर दो बार चेयरमैन रहे

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। जय शाह लगातार दूसरी बार इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बने हैं। आईसीसी के बोर्ड और कमेटी की बैठकों में उन्हें निर्विरोध चुना गया।

इंडोनेशिया के बाली में हुई बैठक में डायरेक्टर्स ने जय शाह को फिर चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव दिया था। जय शाह लगातार दो बार यह पद संभालने वाले दूसरे भारतीय हैं।

आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना बड़ी जिम्मेदारी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा।

2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे लिए नए दर्शकों तक पहुंचने का बड़ा मौका है।

हमें क्रिकेट का भविष्य मजबूत बनाना है। इसके लिए खिलाड़ियों, फैंस, कमर्शियल पार्टनर्स और खेल से जुड़े सभी लोगों के हितों का ध्यान रखना होगा।

जय शाह 2024 में पहली बार



आईसीसी के चेयरमैन बने थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह ली थी। 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने थे।

आईसीसी चीफ को 2015 से पहले तक प्रेसिडेंट कहा जाता था। इसके बाद से इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।

जय शाह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर यह पद संभाल चुके हैं। शशांक मनोहर लगातार 2 बार आईसीसी चेयरमैन रहे हैं।

शशांक ने नवंबर 2015 से मई 2016 तक बीसीसीआई प्रेसिडेंट रहते हुए अंतरिम चेयरमैन के रूप में यह जिम्मेदारी संभाली थी। फिर वे मई 2016 में आईसीसी चेयरमैन चुने गए। वे मई 2018 में दोबारा निर्विरोध चुने गए। उन्होंने 30 जून 2020 को दूसरा कार्यकाल पूरा किया।

जय शाह ने 2009 में अहमदाबाद के केंद्रीय क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बने थे। सितंबर 2013 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव बने।

2015 में बीसीसीआई की वित्त समिति के सदस्य बने। 2019 में पहली बार बीसीसीआई के सेक्रेटरी बने। उसके बाद 2022 में दोबारा आईसीसी के सेक्रेटरी चुने गए।

शाह 2021 में एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट बने। जनवरी 2024 में उन्हें दोबारा एसीसी प्रेसिडेंट चुना गया।

2022 में वह इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के फाइनेंस एंड कॉर्मशियल अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन नियुक्त किए गए। उन्हें ओलिंपिक गेम्स के लिए आईसीसी ओलिंपिक वर्किंग ग्रुप का मेंबर भी बनाया गया।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे



नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।''

शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था। रिंकू सिंह ने वनडे इंटरनेशनल में 27.50 के औसत 134.14 के स्ट्राइक रेट से 2 मैच में 55 रन बनाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर 55 रन है। वहीं टी20 इंटरनेशनल में रिंकू सिंह ने 36.94 के औसत और 156.34 के स्ट्राइक रेट से 702 रन बनाए हैं। टी20 इंटरनेशनल में उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 69 रन है।

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने टेनिस डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता

यूक्रेन की स्वितोलिना को सीधे सेटों में हराया; इनाम में 28 करोड़ और मर्सिडीज मिली

इंडियन वेल्स, 16 नवंबर (एजेंसियां)। रूस की 19 साल की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने डब्ल्यूटीए (विमेंस टेनिस एसोसिएशन) फाइनल्स का खिताब जीत लिया।\ अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल में उन्होंने यूक्रेन की 32 साल की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ एंड्रीवा करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। चैंपियन बनने पर उन्हें 33.7 लाख डॉलर (करीब 28.4 करोड़ रुपए) की इनामी राशि और अल्ट्रावॉयलेट पर्पल रंग की मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार मिली। मैच के बाद मर्सिडीज-बेंज कार को कोर्ट पर लाया गया। एंड्रीवा खुशी-खुशी उसकी ड्राइविंग सीट पर बैठ गईं। हालांकि, 19 साल की इस खिलाड़ी के पास अभी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है।

एंड्रीवा ने कहा, 'यह मेरे लिए जल्द से जल्द ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का शानदार मोटिवेशन है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेरी टीम में पांच लोग हैं। मैं हमेशा के लिए पैसेंजर प्रिंसेस बनकर रह सकती हूं। यह भी एक विकल्प है।' एंड्रीवा बिना कोई सेट गंवाए डब्ल्यटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ी भी यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इस उपलब्धि पर एंड्रीवा ने कहा, 'इस खास ग्रुप में अपना नाम शामिल कर मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं।'



अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान एंड्रीवा ने एक खास जैकेट पहनी थी, जिस पर लिखा था- 'आई वांट टू थैंक माईसेल्फ' यानी मैं खुद को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वे कड़ी मेहनत करने, कभी हार नहीं मानने, खुद पर भरोसा रखने और हर दिन अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए मेहनत करने पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हैं।

इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन के स्टेडियम-2 पर खेला गया फाइनल करीब दो घंटे चला। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। एंड्रीवा ने आखिरी छह में से पांच गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी दो गेम में वे सिर्फ दो पॉइंट ही जीत सकीं। मैच के आखिरी पॉइंट पर उनका स्मैश नेट में उलझ गया और एंड्रीवा चैंपियन बन गईं। जीत के बाद एंड्रीवा ने स्टैंड्स में बैठीं अपनी कोच कोंचिता मार्टिनेज को गले लगा लिया। मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों ने साथ में फोटो नहीं खिंचवाई। मैच के बाद भी उन्होंने परंपरा के मुताबिक हाथ नहीं मिलाया। दरअसल, 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद यूक्रेन टेनिस फेडरेशन ने अपने खिलाड़ियों को रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने की नीति अपनाने को कहा था।

फाइनल में हार के बाद एलिना स्वितोलिना को उपविजेता के तौर पर 15 लाख डॉलर (करीब 12.6 करोड़ रुपए) मिले। पुरस्कार समारोह में उन्होंने यूक्रेन के लोगों का आभार जताया। स्वितोलिना ने कहा, 'मैं यूक्रेन के लोगों का जितना शुक्रिया अदा करूं, कम है। वे मेरे मैच देखने आए और घर से भी मेरा समर्थन किया।' उन्होंने बाद में कहा कि उन्होंने कोर्ट पर अपना सब कुछ दिया, लेकिन एंड्रीवा ने शानदार खेल दिखाया।

वहीं, एंड्रीवा ने स्वितोलिना की तारीफ करते हुए कहा, 'आप एक शानदार मां हैं। मां बनने के बाद वापसी करना और इस स्तर पर खेलना बेहद मुश्किल है। आपने शानदार सीजन खेला है। अगले सीजन के लिए आपको शुभकामनाएं।'

भारत में 9 अक्टूबर से होगा वर्ल्ड कप

आईसीसी ने 12 टूर्नामेंटों की तारीखों का किया ऐलान

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट फैंस को बेसब्री से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2027 और वनडे वर्ल्ड कप 2027 का इंतजार है. इन दोनों ही बड़े आईसीसी इवेंट्स में एक साल से भी कम वक्त बचा है और इनका काउंटडाउन शुरू हो गया है. मगर फैंस की बेकरारी को बढ़ाने के लिए अब आईसीसी ने अगले 12 टूर्नामेंटों की तारीखों का भी ऐलान कर दिया है. आईसीसी ने 2028 से 2035 के बीच 7 साल के अंदर मेंस क्रिकेट के वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े आयोजनों की तारीखों का खुलासा किया है.

आईसीसी ने ये बड़ा ऐलान किया. इंडोनेशिया के बाली में कुछ दिनों पहले हुई बैठक में



आईसीसी आने वाले बड़े मेंस टूर्नामेंटों की अवधि और शेड्यूल विंडो पर चर्चा की और इन पर मुहर लगाई. इसमें 2028 में ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से लेकर 2035 के वनडे वर्ल्ड कप तक शामिल हैं. हालांकि इनमें 2032 से 2035 के बीच 2 टी20 वर्ल्ड कप, 2 डब्ल्यूटीसी फाइनल और एक-एक चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड कप की मेजबानी का ऐलान अभी नहीं हुआ है.

सबसे पहले बात भारत में होने वाले टूर्नामेंट्स की. 2028 से 2035 के बीच मौजूदा योजना के तहत भारत में चैंपियंस ट्रॉफी 2030 और वनडे वर्ल्ड कप 2031 आयोजित होना है. ये दोनों ही टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर के दौरान होंगे. चैंपियंस ट्रॉफी 2030 का आयोजन 9 से 28 अक्टूबर के बीच होगा. वहीं वर्ल्ड कप 2031 के लिए 9 अक्टूबर से 23 नवंबर का वक्त तय किया गया है. वर्ल्ड कप में भारत के साथ बांग्लादेश भी मेजबान होगा.

आईपीएल 2027 ऑक्शन से पहले दीपक चाहर को रिटेन कर सकती है मुंबई इंडियंस

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गेंदबाजी से मचा रहे कोहराम

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2027 ऑक्शन का दिसंबर में आयोजन होना है. इससे पहले सभी टीमों को 17 नवंबर तक अपनी रिटेंशन लिस्ट जारी करनी है. दीपक चाहर पिछले दो सीजन से मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे हैं. हालांकि, चाहर की गेंदबाजी निराशाजनक रही है और उनकी आईपीएल सैलरी को देखकर लगता है कि उन्हें रिलीज किया जा सकता है. रिटेंशन को लेकर फैसला लेने से ठीक पहले दीपक चाहर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं. उनके प्रदर्शन को देखकर मुंबई इंडियंस उन्हें रिटेन कर सकती है.

दीपक चाहर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान की टीम की कप्तानी कर रहे हैं. टूर्नामेंट के पहले मैच में उन्होंने एक विकेट झटका था और राजस्थान की जीत में अहम किरदार निभाया था. चाहर ने दूसरे मैच में और बेहतर गेंदबाजी की. उन्होंने झारखंड के



खिलाफ हालिया मैच में 2 विकेट झटके.

चाहर ने सटीक गेंदबाजी का प्रदर्शन किया और 4 ओवर में सिर्फ 18 रन खर्च किए. उनकी इकॉनमी 4.50 की रही. चाहर ने पहले ही ओवर में झारखंड के उत्कर्ष सिंह और शिखर मोहन को अपनी शानदार गेंदबाजी से चकमा देकर विकेट अपने नाम किए. IPL 2026 के बाद दीपक चाहर ने सीधे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के जरिए मैदान पर वापसी की. आते ही दीपक अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं.

मुंबई इंडियंस को पिछले साल जसप्रीत बुमराह के साथ एक अच्छे तेज गेंदबाज की कमी खल रही है. इसी वजह से उन्होंने ट्रेड के जरिए अर्शदीप सिंह को अपने स्क्वाड में शामिल किया है. अर्शदीप की एंट्री के बाद दीपक चाहर का रिलीज होना लगभग तय नजर आ रहा है. अर्शदीप न सिर्फ शुरुआती ओवर में कारगर साबित होते हैं, बल्कि डेथ ओवर्स में भी गेंदबाजी का विकल्प प्रदान करते हैं. दीपक के पास अंतिम ओवरों में गेंदबाजी करने की काबिलियत नहीं है. वह शुरुआती ओवरों में ही बेहतर गेंदबाजी करते हैं.

दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस एक आईपीएल सीजन खेलने के 9.25 करोड़ रुपये देती है. अगर दीपक चाहर रिलीज हो जाते हैं, तो मुंबई के पास ऑक्शन में खरीदारी करने के लिए पर्स में पैसे बच जाएंगे. हालांकि, फॉर्म को देखते हुए एमआई दीपक को रिटेन भी कर सकती है.

रजत पाटीदार ने धमाकेदार शतक जड़कर रच दिया इतिहास

लगाए कुल 13 गगनचुंबी छक्के



मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 मौजूदा समय में खेला जा रहा है. जहां पर आईपीएल के कई स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आ रहे है. इस दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मध्य प्रदेश के कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करके शतक जड़ा है.

बीसीसीआई मौजूदा समय में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 का आयोजन कर रही है. जिसमें सभी टीमें अपना दूसरा मुकाबला खेल रही हैं. इस दौरान पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम ग्राउंड ए न्यू चंडीगढ़ में असम और मध्य प्रदेश के बीच मुकाबला खेला जा रहा है. इस मुकाबले में मध्य प्रदेश की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. जहां पर टीम के कप्तान रजत पाटीदार ने 13 गगनचुंबी जड़कर शानदार शतक बनाया. इसी के साथ उन्होंने इतिहास भी रच दिया है.

कप्तानी के घमंड में विराट कोहली को किया नजरअंदाज? श्रेयस अय्यर पर भड़के फैंस

मुंबई, 16 नवंबर (एजेंसियां)। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर 15 नवंबर 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले के दौरान मैदान पर घटी एक घटना ने सोशल मीडिया पर नया विवाद खड़ा कर दिया है. मैच के दौरान भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि अय्यर पूर्व कप्तान और टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली की सलाह को नजरअंदाज कर रहे हैं. इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर क्रिकेट फैंस ने श्रेयस अय्यर के व्यवहार और रवैये को लेकर तीखी आलोचना शुरू कर दी है.

यह पूरा वाकया न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी के दौरान देखने को मिला, जब कप्तान श्रेयस अय्यर विकेटकीपर ईशान किशन के साथ चर्चा कर रहे थे. इसी दौरान विराट कोहली चलकर उनके पास आए और मैच की स्थिति को देखते हुए अपना रणनीतिक सुझाव दिया. रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया क्लिप्स के मुताबिक, कोहली ने अय्यर को तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को गेंदबाजी पर



लाने की सलाह दी थी.

हालांकि, वायरल फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि अय्यर ने कोहली की बात पर रुककर चर्चा करने के बजाए अपना सिर हिलाया, बिना कदम रोके आगे बढ़ गए और उनकी सलाह को सिरे से खारिज कर दिया. अंत में उन्होंने आकिब नबी को गेंदबाजी पर लाने का फैसला लिया. सीनियर खिलाड़ी के लिए इस तरह के रवैये को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैंस ने श्रेयस अय्यर को जमकर आड़े हाथों लिया है. फैंस का मानना है कि एक पूर्व सफल कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी के सुझाव को इस तरह अनदेखा करना ठीक नहीं है.

इस मैच में भारतीय गेंदबाजों की ओर से कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला. टीम इंडिया पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 209 रनों पर ढेर हो गई थी. लेकिन गेंदबाजों ने अपने दम पर पूरे मुकाबले को पलट दिया और न्यूजीलैंड को सिर्फ 187 रनों पर ऑलआउट कर 22 रनों से एक रोमांचक जीत दिलाई. जिसके चलते भारतीय टीम ने 5 मैचों की इस वनडे सीरीज को 3-1 से अपने नाम कर लिया.

स्पेन का लगातार 44 मैच न हारने का सफर थमा: इंग्लैंड ने 3-2 से हराया

केन, कोंसा और व्हाइट ने गोल किए

मैड्रिड, 16 नवंबर (एजेंसियां)। ग्लैंड ने मैड्रिड में खेले गए नेशंस लीग के मुकाबले में वर्ल्ड चैंपियन स्पेन को 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ स्पेन का लगातार 44 कॉम्पिटिटिव मैचों में नहीं हारने का रिकॉर्ड टूट गया। टीम को आखिरी बार मार्च 2023 में किसी कॉम्पिटिटिव मैच में हार मिली थी। फ्रेंडली मुकाबलों को शामिल करें तो स्पेन लगातार 43 मैचों में नहीं हारा था।

ग्रुप A3 के इस मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से हैरी केन, एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने गोल किए। वहीं, स्पेन के लिए मिकाएल ओयारजबाल और निको विलियम्स ने गोल दागे। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप में टॉप पर पहुंच गया और मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए सीडेड टीम बन गया। दोनों



टीमें पहले ही अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर चुकी थीं।

एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में इंग्लैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। गोलकीपर उनाई सिमोन ने जूड बेलिंगहैम का शानदार शॉट रोककर स्पेन को शुरुआती झटका लगने से बचाया। एंथनी गॉर्डन का शॉट भी डिफेंडर्स ने ब्लॉक कर दिया।

पहले हाफ के आखिरी मिनट में स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी ने पेनल्टी एरिया में हैरी केन को गिरा दिया। रेफरी ने इंग्लैंड को पेनल्टी दी। केन ने इसे गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने हाफ टाइम में तीन बदलाव किए। उन्होंने पेड्री और फर्मिन लोपेज को मैदान पर उतारा, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरे हाफ में तेजी से दो गोल कर दिए।

तीन गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने वापसी की कोशिश की। इसी दौरान इंग्लैंड के मिडफील्डर इलियट एंडरसन ने पेनल्टी एरिया में लामिन यामल को फाउल कर दिया।

भारतीय महिला टीम की जगह पक्की, पुरुषों की भी राह आसान

पाकिस्तान का बाहर होना लगभग तय

नई दिल्ली, 16 नवंबर (एजेंसियां)। 128 साल बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट के मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। महिला वर्ग में भारत समेत चार टीमों ने पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि पुरुष वर्ग में भी भारतीय टीम का सीधा क्वालिफिकेशन लगभग तय माना जा रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान की राह मुश्किल नजर आ रही है। उसे ओलंपिक में जगह बनाने के लिए क्वालिफायर खेलना पड़ सकता है, जहां उसका सामना न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीमों से हो सकता है। ओलंपिक में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन की टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। इन टीमों ने 2026 महिला टी20 विश्व कप में अपने-अपने महाद्वीप की टॉप टीम के रूप में जगह बनाई। इस तरह भारतीय महिला टीम का ओलंपिक में खेलना तय हो गया है।

पुरुष वर्ग में छह टीमों का चयन अलग-अलग रास्तों से होगा। चार टीमों को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और ओशिनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम के रूप में सीधा प्रवेश मिलेगा। इसके लिए 31 दिसंबर 2026 की आईसीसी टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग को आधार बनाया जाएगा। मेजबान अमेरिका की टीम भी टॉप-15 में रही तो ओलंपिक का हिस्सा बनेगी। छठी टीम का फैसला ओलंपिक क्वालिफायर से होगा।

भारत एशिया की सबसे बेहतर रैंकिंग वाली टीम होने के कारण सीधे क्वालिफाई करने की मजबूत स्थिति में है। भारतीय टीम को अब 31 दिसंबर तक अपनी रैंकिंग बरकरार रखनी होगी। अगर ऐसा होता है तो उसे क्वालिफायर में खेलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फिलहाल भारत आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है और दूसरी एशियाई टीम पाकिस्तान है, जो छठे स्थान पर है। ऐसे में भारत के क्वालिफिकेशन में मजह औपचारिकताएं बाकी हैं। पाकिस्तान के लिए ओलंपिक में जगह बनाना काफी मुश्किल दिखाई दे रहा है। एशिया से सीधे क्वालिफिकेशन सिर्फ एक टीम को मिलेगा और इस पर भारत का कब्जा तय माना जा रहा है। पाकिस्तान को ऐसे में आठ टीमों के ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेना पड़ सकता है।

खेलो इंडिया युवा खेलों के सफल आयोजन के लिए पुख्ता इंतजाम करें : संजय जाजू

* 11 से 22 दिसंबर तक राज्य में होंगे राष्ट्रीय स्तर के खेल मुकाबले
* आठ हजार खिलाड़ी और प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 11 से 22 दिसंबर तक तेलंगाना में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया युवा खेल-2026 को सफल बनाने के लिए सभी जिलों में समन्वय के साथ व्यापक और पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने जिला कलेक्टरों, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और मल्काजगिरि नगर निगम के आयुक्तों को तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

राज्य के खेल मंत्री वाकिटि श्रीहरि ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया और अधिकारियों को खेल प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर तैयारियों की समीक्षा की। संजय जाजू ने कहा कि हैदराबाद के अलावा हनुमाकोंडा, खम्मम, करीमनगर, निजामाबाद और महबूबनगर में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनमें लगभग 8,000 खिलाड़ी और अन्य प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने इन खेलों का राज्यभर में व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा विद्यार्थियों और युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग तथा गुब्बारों के माध्यम से खेलों के शुभंकर और प्रतीक चिह्न का प्रचार किया जाए।

शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, सिकंदराबाद, नामपल्ली, काचीगुड़ा और काजीपेट रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ शहर के प्रमुख बस अड्डों पर भी विशेष प्रचार अभियान चलाया जाए। खेलों के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए मशाल रैलियां आयोजित करने का भी सुझाव दिया। मुख्य सचिव ने प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं तैयार रखने, खिलाड़ियों के आवागमन के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था करने तथा स्कूलों से विद्यार्थियों को खेल स्थलों तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि राज्यभर के विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए। प्रसिद्ध खिलाड़ियों और विशिष्ट हस्तियों, विशेषकर पूर्व क्रिकेटर एवं मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन सहित अन्य खेल हस्तियों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। संजय जाजू ने कहा कि इस आयोजन के जरिए युवाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित करने के साथ ही राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

उन्होंने जिला कलेक्टरों, जीएचएमसी, नगर निगम आयुक्तों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने तथा प्रत्येक व्यवस्था पर विशेष ध्यान देकर सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी करने का निर्देश दिया। बैठक में राज्य सरकार की युवा एवं खेलकूद विभाग की विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद, खेल विभाग की प्रबंध निदेशक सोनी बाला देवी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी, मीडिया एवं संचार निदेशक श्रीराम करी, जीएचएमसी आयुक्त, मल्काजिगिरि नगर निगम आयुक्त, विभिन्न जिलों के कलेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल उत्कृष्टता पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत राज्यपाल के निर्देश पर लोक भवन ने 'राज्यपाल उत्कृष्टता पुरस्कार-2026' की घोषणा की है। सोमवार शाम लोक भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर और सयुक्त सचिव कोमांडुर शशि किरण ने पुरस्कारों से संबंधित विवरण जारी किया। कुल 4 श्रेणियों में 8 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक श्रेणी में व्यक्तिगत और संस्थागत वर्ग होंगे। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति अथवा संस्था को राज्यपाल द्वारा 2 लाख रुपये की नकद राशि और विशेष स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोक भवन में आयोजित विशेष समारोह में ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। पुरस्कारों की विस्तृत जानकारी, पात्रता की शर्तें, नामांकन प्रक्रिया और समय-सारणी के लिए लोक भवन की ओर से जारी अधिसूचना देखने की अपील की गई है।

पीआरएसआई और सेंट मेरी कॉलेज के बीच समझौता ज्ञापन का दो साल के लिए विस्तार

नालंदा स्टूडेंट्स फोरम के तहत जनसंपर्क एवं संचार कौशल के विकास के लिए मिलकर करेंगे कार्य



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद शाखा और सेंट मेरी कॉलेज, यूसुफगुड़ा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को नवंबर 2026 से अगले 2 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

इस संबंध में सोमवार को कॉलेज परिसर में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीआरएसआई की ओर से अध्यक्ष डॉ. के. यादगिरी और सेंट मेरी कॉलेज की ओर से प्राचार्य डॉ. जैमोल क्रॉस ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कॉलेज के जनसंचार विभाग के प्रमुख डॉ. जे. माइकल प्रीतम, सहायक प्राध्यापक शिव कुमार रेड्डी, नालंदा स्टूडेंट्स फोरम के संयोजक कृष्णा बाजी तथा पीआरएसआई के पूर्व अध्यक्ष के. गोविंदराज उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि पीआरएसआई की हैदराबाद शाखा अब तक जुड़वां शहरों के 14 महाविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन कर चुकी है। इन संस्थानों के विद्यार्थियों के लाभ के लिए संस्था की ओर से कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है। नालंदा स्टूडेंट्स फोरम के अंतर्गत पीआरएसआई ने सेंट मेरी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यान और मास्टर क्लास का आयोजन भी किया।

इस दौरान फोरम के संयोजक कृष्णा बाजी ने इसके उद्देश्यों तथा जनसंपर्क एवं संचार के क्षेत्र में विद्यार्थियों को कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए पीआरएसआई की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। पीआरएसआई के पूर्व अध्यक्ष के. गोविंदराज ने 'पीआर 2.0 : बदलाव और विकास' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जनसंपर्क के क्षेत्र में अपने व्यावसायिक अनुभवों के व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए लगभग 70 विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कॉलेज प्रबंधन और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को जनसंपर्क एवं संचार के क्षेत्र में रोजगार के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा जताई।

जर्मनी के राजदूत ने राज्यपाल से की मुलाकात



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. जैस्पर वीक ने सोमवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत और जर्मनी के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों पर चर्चा की। साथ ही तेलंगाना के साथ जर्मनी के संबंधों और सहयोग को और मजबूत बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में आर्थिक, व्यावसायिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों के अलावा दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क एवं संबंधों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

तेलंगाना के तैराक कार्तिक अग्नेया ने गोवा स्विमैथॉन में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा

हैदराबाद,16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यूरोडायवर्जेंट तैराक कार्तिक अग्नेया ने गोवा के बाम्बोलिम बीच पर आयोजित 'एंडुरो स्पोर्ट्स एक्वामोगो स्विमैथॉन' में तीन स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। तेलंगाना के इस 16 वर्षीय तैराक ने 5 किलोमीटर की कठिन ओपन-वॉटर तैराकी को 1 घंटे 44 मिनट में पूरा किया। उन्होंने 'दिव्यांग श्रेणी', 'जूनियर श्रेणी' (16 से 24 वर्ष) और 'पुरुषों की ओवरऑल श्रेणी' में स्वर्ण पदक जीते। 'एक्वामोगो' को देश की सबसे चुनौतीपूर्ण ओपन-वॉटर तैराकी प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है। खुले समुद्र में 5 किलोमीटर की तैराकी पूरी करना सहनशक्ति और साहस की परीक्षा माना जाता है।

कार्तिक ने महीनों की कड़ी मेहनत और अभ्यास के बाद यह उपलब्धि हासिल की। खुले समुद्र में उनके स्विम गाइड, जस्टिन मेलोकास्ट्रो ने उनका मार्गदर्शन किया। जस्टिन पूरी तैराकी के दौरान उनके साथ रहे और अंत में उन्हें पानी से बाहर निकालकर जीत का जश्न मनाने में मदद की।

मीडिया और पत्रकारों की समस्याओं के अध्ययन के लिए बने मीडिया आयोग : श्रीनिवास रेड्डी

सोशल मीडिया की चुनौती के बीच मुख्यधारा के मीडिया को विश्वसनीयता बचानी होगी



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदलते मीडिया परिदृश्य और सोशल मीडिया के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच मीडिया तथा पत्रकारों की समस्याओं के व्यापक अध्ययन के लिए मीडिया आयोग गठित करने की मांग उठी है। विशेषज्ञों ने कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सटीक, तथ्यपरक और जनहित से जुड़ी खबरें प्राथमिकता से प्रकाशित एवं प्रसारित करनी होंगी।

नामपल्ली स्थित तेलंगाना मीडिया अकादमी कार्यालय में सोमवार को तेलंगाना यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स और तेलंगाना मीडिया अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य प्रो. कोदंडराम ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप मीडिया में बदलाव और नए समीकरण जरूरी हैं। मुख्यधारा का मीडिया जनता का विश्वास खो रहा है, जबकि सोशल मीडिया लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कुछ मीडिया संस्थान जनहित की खबरों के बजाय सत्ता प्रतिष्ठानों का समर्थन हासिल करने और सनसनीखेज खबरें दिखाने पर ध्यान दे रहे हैं। मीडिया को आत्ममंथन करना चाहिए कि उसकी खबरें समाज के कितने काम आ रही हैं। प्रो. कोदंडराम ने बताया कि प्रथम प्रेस आयोग की स्थापना और जवाहरलाल नेहरू के सुझावों के बाद 16 नवंबर 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना हुई थी। इसी दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मीडिया अकादमी अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने इस वर्ष की थीम 'पत्रकारिता, लोकलुभावनवाद और जिम्मेदारी' पर विचार रखते हुए कहा कि मीडिया को हमेशा जनता के पक्ष में खड़ा रहना चाहिए। भ्रामक सूचनाओं के दौर में विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए तथ्यपरक और नैतिक पत्रकारिता अनिवार्य है। प्रो. के. हरगोपाल ने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद एक स्वतंत्र संस्था के रूप में पत्रकारिता के मानकों की निगरानी करती है और मीडिया पर होने वाले दबाव एवं धमकियों से उसकी रक्षा करना भी उसकी जिम्मेदारी है। विधान परिषद सदस्य आमेर अली खान ने कहा कि पत्रकारिता में आने का उद्देश्य अनुचित तरीकों से धन कमाना नहीं, बल्कि ईमानदारी और नैतिकता के साथ काम कर इस पेशे की प्रतिष्ठा बढ़ाना होना चाहिए।

डॉ. सौम्या मिश्रा बनीं तेलंगाना महिला सुरक्षा शाखा की पुलिस महानिदेशक

* 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी ने चारू सिन्हा से संभाला कार्यभार



हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी डॉ. सौम्या मिश्रा ने सोमवार को तेलंगाना पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा की पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने लकड़ीकापुल स्थित महिला सुरक्षा शाखा के कार्यालय में आईपीएस अधिकारी चारू सिन्हा से पदभार ग्रहण किया। नई जिम्मेदारी के तहत डॉ. सौम्या मिश्रा तेलंगाना में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सशक्तीकरण से जुड़ी गतिविधियों का नेतृत्व करेंगी।

महिला सुरक्षा शाखा जनजागरूकता अभियानों, सामुदायिक भागीदारी और विभिन्न विभागों के समन्वय से महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों पर काम करती है। इस शाखा की ओर से महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित एवं समावेशी वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से रोकथाम, संरक्षण, जागरूकता और त्वरित कार्रवाई से जुड़े कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। साथ ही, लैंगिक संवेदनशीलता, सामुदायिक भागीदारी और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया जाता है। तेलंगाना पुलिस ने डॉ. सौम्या मिश्रा का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में महिला सुरक्षा शाखा की मौजूदा पहलों को और मजबूत किया जाएगा तथा जनसंपर्क और जागरूकता गतिविधियों का विस्तार होगा।

'9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए 365.40 करोड़ रुपये अतिरिक्त मंजूर'



कामारेड्डी, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य के 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अतिरिक्त 365.40 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इससे इन कॉलेजों की कुल स्वीकृत परियोजना लागत 1,645 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,010.40 करोड़ रुपये हो गई है।

सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को कामारेड्डी सरकारी मेडिकल कॉलेज में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को जारी सरकारी आदेश संख्या 175 के तहत कामारेड्डी, राजन्ना सिरसिल्ला, विकाराबाद, खम्मम, करीमनगर, जयशंकर भूपालपल्ली, कोमारम भीम आसिफाबाद, जंगांव और निर्मल के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए संशोधित बजट मंजूर किया गया है। अतिरिक्त राशि से शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों, आवासीय परिसर, आंतरिक सड़कों, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति और बिजली संबंधी कार्य पूरे किए जाएंगे। इन सुविधाओं का विकास राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाएगा।

शब्बीर अली ने बताया कि कामारेड्डी मेडिकल कॉलेज के लिए अतिरिक्त 24.40 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इससे सड़क एवं भवन विभाग का बजट 130 करोड़ से बढ़कर 154.40 करोड़ रुपये हो गया है। अस्पताल के उन्नयन, चिकित्सा उपकरणों और फर्नीचर के लिए निर्धारित 93.75 करोड़ रुपये को मिलाकर कॉलेज की कुल स्वीकृत परियोजना लागत अब 248.15 करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

किसानों का कल्याण कांग्रेस सरकार का प्रमुख लक्ष्य : शब्बीर अली

कामारेड्डी, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार किसानों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने से ही ग्रामीण क्षेत्रों का विकास संभव है।

उन्होंने सहकारी समितियों से किसानों को समय पर ऋण, गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और अन्य कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराने का आह्वान किया। कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के बिक्कनूर मंडल स्थित बड़े मल्लारेड्डी प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) के नवनिर्वाचित संचालक मंडल के शपथ ग्रहण समारोह में शब्बीर अली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समिति के नए अध्यक्ष इटिक्याला सुरेंद्र रेड्डी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। संचालक मंडल के सदस्यों ने भी जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर शब्बीर अली ने कहा कि सहकारी समितियां केवल ऋण वितरण तक सीमित न रहें, बल्कि किसानों की सभी कृषि जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों के रूप में विकसित हों। सरकार किसान भरोसा, फसल ऋण माफी, मुफ्त बिजली, किसान बीमा और सिंचाई सुविधाओं के विकास सहित कई योजनाएं लागू कर रही है। किसानों को बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराकर कृषि क्षेत्र को मजबूत करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष और संचालक मंडल से किसानों के विश्वास पर खरा उतरने तथा राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी किसानों को समान सेवाएं देने की अपील की।

डॉ. अनिल कुमार ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के वीसी और एमडी का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ. अनिल कुमार ने सोमवार को बस भवन में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला। राज्य सरकार द्वारा 12 नवंबर को उन्हें इस सरकारी परिवहन निगम का प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली है।

उनकी यह नियुक्ति राज्य में हुए हालिया प्रशासनिक बदलावों का हिस्सा है। इससे पहले, अनिल कुमार पुलिस विभाग में कई अहम पदों पर काम कर चुके हैं, जिसमें ऑपरेशंस, ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस जैसे विभागों का नेतृत्व करना शामिल है। अपनी इस नियुक्ति के साथ, वे टीजीएसआरटीसी के प्रशासन और कामकाज की देखरेख करेंगे, जो पूरे तेलंगाना में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं संचालित करता है।

ठेकेदारों की मनमानी और फंड का दुरुपयोग..!

कोत्तागुडेम, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम में सड़कों की हालत बहुत खराब है। विशेष रूप से, शहर के पोस्ट ऑफिस सेंटर से हेमचंद्रपुर जाने वाली मुख्य बाईपास सड़क ड्राइवरों और पैदल चलने वालों के लिए असुरक्षित हो गई है। सिंगरेनी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली यह बाईपास सड़क एक बड़ी मुसीबत बन गई है।

शहर में विकसित हो रहे नए औद्योगिक क्षेत्र, सिंगरेनी में सड़कों की हालत बेहद खस्ता है। कोठागुडेम पोस्ट ऑफिस सेंटर से हेमचंद्रपुर जाने वाली मुख्य बाईपास सड़क पर अक्सर ट्रैफिक जाम लग जाता है, जिससे वाहन चालकों, पैदल चलने वालों और आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी होती है। इस सड़क पर कई सरकारी और सिंगरेनी कार्यालय स्थित हैं। पिछले तीन वर्षों में यहाँ बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और सड़क पर उड़ने वाली धूल के कारण लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से, सिंगरेनी के भारी टिपर ट्रकों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क की डामर पूरी तरह उखड़ गई है और सड़क की हालत बदतर हो गई है।

हाल ही में, इस सड़क को चार-लेन में बदलकर सुंदर बनाने के लिए सिंगरेनी संगठन ने 12 करोड़ रुपये से अधिक का टेंडर निकाला था।

दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, कोई प्रतिक्रिया न मिलने के कारण यह सड़क और भी अधिक खराब और आवागमन के अयोग्य होती जा रही है। खासकर इस बाईपास पर स्थित शेषगिरी नगर कॉलोनी के पास की सड़क पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। वाहनों की आवाजाही से यहाँ भारी धूल उड़ती है, जिससे पूरा इलाका प्रदूषित हो गया है। इस वजह से, वहां रहने वाले लोग कई तरह की बीमारियों से जूझ रहे हैं। लोगों ने कई बार वाहनों का आवागमन रोककर विरोध भी जताया, लेकिन जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई न होना बेहद खेदजनक है। जब भी लोग विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो जन प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों का वहां पहुंचकर लोगों को शांत कराने और उनके विरोध को दबा देने का एक तरह से चलन ही बन गया है। कई सालों से चुनचुपल्ली, राइटर्स बस्ती, रामंजनेय कॉलोनी, शेषगिरी नगर, वेंकटेश्वर कॉलोनी, विकलांगुल कॉलोनी और हेमचंद्रपुर के लोग इस बाईपास सड़क पर भारी प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।

हर पात्र व्यक्ति को पेंशन मिलनी चाहिए : विधायक गंगुला कमलाकर

करीमनगर, 16 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री और करीमनगर के विधायक गंगुला कमलाकर ने कहा कि हर पात्र गरीब व्यक्ति को पेंशन देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति से ऊपर उठकर लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए और गरीबों का समर्थन करना चाहिए। हाल ही में वे एक पेंशन कार्यक्रम में शामिल हुए। तेलंगाना राज्य बनने से पहले, गांवों में सैकड़ों लोगों में से केवल दस लोगों ने ही आवेदन किया था। बाकी 90 लोगों को पेंशन पाने के लिए लाभार्थियों में से किसी एक को चुनना पड़ता था। यह उस लंबी प्रतीक्षा की पीड़ा की याद दिलाता है। मैंने खुद देखा है कि पेंशन पाने के लिए लोगों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्या आपने भी देखा है? तेलंगाना राज्य बनने के बाद, केसीआर के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने पेंशन राशि को 200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दिया, जिससे गरीबों को काफी मदद मिली। सरकार का लक्ष्य है कि गांव के अधिक से अधिक पात्र लोगों को पेंशन दी जाए। सत्ता में चाहे कोई भी सरकार हो, गरीबों के कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कोथापल्ली मंडल में पहले 2,327 तालाब थे, और हाल ही में 354 नए तालाबों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने करीमनगर योजना क्षेत्र में हाल ही में पेंशन के लिए पात्र बने लोगों को बधाई दी। लेकिन कई गांवों में अभी भी ऐसे गरीब लोग हैं जो पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। छोटी-मोटी तकनीकी वजहों या राशन कार्ड के नियमों के कारण कुछ लोगों को पेंशन नहीं मिल पा रही है। उन्होंने इस स्थिति पर दुख जताया और सरकार से मांग की कि सभी पात्र लोगों की पहचान की जाए और उन्हें पेंशन दी जाए।



Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.